दैनिक
सत्ता सुधार
जनता के साथ जनता की आवाज
सागर ■ रविवार 17 नवंबर 2024 ■ वर्ष -02 ■ अंक-20 ■ पृष्ठ-16 ■ मूल्य- ₹03

सुविचार

जिंदगी साइकिल चलाने के जैसा है बैलेंस बनाए रखने के लिए आपको चलते रहना होता है।

खुफिया रिपोर्ट: मध्यप्रदेश ने केंद्र से मांगी दो सीआरपीएफ बटालियन

सावधान! मध्य प्रदेश बन रहा नक्सलियों का नया ठिकाना

- सीधी, सिंगरौली-बालाघाट-मंडला व डिंडोरी में हलचल
- नक्सली मप्र में दलम-2 के नाम से कैडर तैयार करने में जुटे

सरकार का संकल्प: मप्र में जड़ से हो नक्सलवाद का उन्मूलन, नक्सलवाद के खात्मे के लिए प्रभावित राज्यों के साथ अभियान

सत्ता सुधार ■ भोपाल

छत्तीसगढ़ से नक्सलियों के सफाए के लिए केंद्र लगातार एक्शन मोड में नजर आ रहा है। केंद्र के 'सफाई' अभियान को देखते हुए अब नक्सली सुरक्षित ठिकानों की तलाश में पड़ोसी राज्य मध्यप्रदेश की ओर तेजी से रुख कर रहे हैं। अब इसको लेकर खुफिया रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है।

मध्यप्रदेश के पांच जिलों सीधी, सिंगरौली, बालाघाट, मंडला और डिंडोरी में नक्सली अपना ठिकाना बनाने में जुट गए हैं। इससे स्थानीय जिलों के लोगों के साथ पुलिस प्रशासन में भी हलचल बढ़ गई है। पड़ोसी राज्य में सेना के प्रहार के चलते मध्यप्रदेश के शहडोल और अनूपपुर जिले से प्रवेश कर रहे हैं। हालांकि पुलिस प्रशासन मुस्तैदी से पहरेदारी कर रहा है, लेकिन रात का फायदा नक्सली उठा रहे हैं। छत्तीसगढ़ के बाद मध्य प्रदेश में नक्सलियों के बढ़ रहे नेटवर्क को देखते हुए हाल ही में मप्र सरकार ने केंद्र से दो सीआरपीएफ बटालियन की मांग की है। मध्य प्रदेश सरकार ने प्रदेश में नक्सल गतिविधियों को लेकर खुफिया विभाग से मिले सूचना के बाद केंद्र को सीआरपीएफ की दो बटालियन मांगी है। दोनों बटालियन प्रदेश के नक्सल प्रभावित बालाघाट, मंडला और डिंडोरी जिले में तैनात की जाएंगी। गौरतलब है कि मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, आंध्रप्रदेश और तेलंगाना के साथ मिलकर राज्य संयुक्त अभियान चला रहे हैं ताकि नक्सलवाद का जड़ से खात्म किया जा सके।

नक्सली बना रहे नया कैडर

खुफिया विभाग से मिली सूचना की मानें तो मध्य प्रदेश के नक्सल प्रभावित जिले बालाघाट, मंडला, डिंडोरी में नक्सलियों के नए कैडर तैयार हो रहे हैं। मध्य प्रदेश एटीएस के इंटेल के मुताबिक नक्सली मध्य प्रदेश में दलम-2 के नाम से कैडर तैयार करने में जुटा हुआ है।

पुलिस कैंप में इजाफा

इधर, मध्यप्रदेश में पिछले पांच सालों में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में पुलिस कैंप की संख्या में भी बढ़ोतरी हुई है। जहां पहले तीन जिलों में 20 पुलिस कैंप थे। वहीं अब इनकी संख्या बढ़कर 43 हो गई है। जिसमें अकेले बालाघाट में 18 कैंप शामिल हैं। हालांकि, नक्सलियों की सक्रिय संख्या में कमी आई है। अब सिर्फ 75 नक्सली सक्रिय हैं।

पांच साल में 19 नक्सली ढेर

मध्यप्रदेश में नक्सलियों की संख्या पांच साल में 125 से घटकर 75 ही बची है। इनमें 20 महिलाएं हैं। पुलिस ने नक्सलियों की विस्तार नीति रोकने के लिए बनाई विशेष रणनीति बनाई थी। रणनीति सफल रही। यही कारण है कि नक्सलियों के विस्तार की जगह अब उनका दायरा सिमट रहा है। गौरतलब है कि मप्र में पिछले पांच वर्ष में 19 नक्सली मारे गए हैं, जबकि पांच को जिंदा पकड़ा गया है।

मुठभेड़ में पांच नक्सली ढेर, दो जवान घायल

इधर, छत्तीसगढ़ के कांकेर में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में पांच नक्सली ढेर हो गए। देर रात खबर लिखे जाने तक अबूझमाड़ के जंगलों में मुठभेड़ चलती रही। मुठभेड़ में दो जवान भी गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल जवानों को एयर लिफ्ट कर रायपुर ले जाया गया। एसपी आईके एलिसेला ने इसकी पुष्टि की। वहीं मुठभेड़ के बाद पांच नक्सलियों के शव बरामद कर लिए गए हैं। साथ ही मौके से कई हथियार और विस्फोटक सामान भी बरामद हुए हैं। कांकेर डीआरजी, नारायणपुर डीआरजी बीएसएफ और एसटीएफ की संयुक्त पार्टी ने बड़ा ऑपरेशन चलाया है।

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों पर फिर बड़ा प्रहार

पांच माओवादियों के शव किए गए बरामद

जान पर खेलकर बचाई पांच की जिंदगी पर कुलदीप के घर का बुझ गया चिराग

- जांच के लिए चार सदस्यीय कमेटी गठित, सात दिन में सौंपनी होगी रिपोर्ट
- झांसी अग्निकांड: अभी भी 10 बच्चों की हालत गंभीर
- घायल 16 बच्चों का मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा
- एक बच्चा डिस्चार्ज और सात निजी हॉस्पिटल में कराए गए भर्ती

सत्ता सुधार ■ झांसी

बीती देर रात झांसी के रानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज में आग लगने से 10 बच्चों की मौत हो गई। अग्निकांड की घटना पर सरकार सख्त है। जांच के लिए चार सदस्यीय कमेटी गठित की गई है। कमेटी को सात दिन में रिपोर्ट सौंपनी होगी। जानकारी के अनुसार, अग्निकांड में घायल 16 बच्चों का मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। 10 बच्चों की हालत नाजुक बताई जा रही है। वहीं एक बच्चे को डिस्चार्ज कर दिया गया है। सात बच्चों का प्राइवेट हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। दो बच्चों को परिजन ले गए हैं। एक का जिला अस्पताल में इलाज हो रहा है। 6 बच्चे अपनी मां के साथ वार्ड में सुरक्षित हैं। 6 बच्चे सुरक्षित हैं, लेकिन उनके मां-बाप की जानकारी नहीं है। वहीं हादसे में कई बच्चे ऐसे हैं जिनके मां-बाप की जानकारी नहीं मिल पा रही। वहीं कुछ मां-बाप भी ऐसे हैं जिनको अपने बच्चों की जानकारी नहीं मिल पा रही। ऐसे ही एक पिता हैं महोबा के कुलदीप सिंह। महोबा जिले के कबरइ के रहने वाले कुलदीप का भी बेटा मेडिकल कॉलेज में भर्ती था जिसका अब कुछ पता नहीं चल पाया है। 9 नवंबर को कुलदीप के बेटे का जन्म हुआ था। उसकी तबीयत खराब हुई तो यहां भर्ती कराया गया था।

दवा लेने गए थे कुलदीप

जब यह हादसा हुआ तो कुलदीप बच्चे की दवा लेने के लिए बाहर गए थे। आग हर तरफ फैल चुकी थी। बच्चे अंदर बिलख रहे थे और हर तरफ चीख-पुकार मची हुई थी। आनन-फानन में पहुंचे कुलदीप ने अपनी जान पर खेलकर वार्ड में भर्ती 54 बच्चों में से 5 बच्चों को खुद बचाया, लेकिन अब उनके ही बेटे का पता नहीं चल पा रहा है। कहा कि मेरे बेटे की मौत हो गई। अधिकारी कुछ बोलने के लिए तैयार नहीं हैं।

सीएम ने किया मुआवजे का ऐलान

इधर, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने झांसी मेडिकल कॉलेज के एनआईसीयू में हुई दुर्घटना पर गहरा दुःख जताया है। मुख्यमंत्री ने रातों-रात उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और प्रमुख सचिव स्वास्थ्य को मौके पर भेजा। योगी ने मृतक बच्चों के माता-पिता को 5-5 लाख और घायलों के परिजनों को 50-50 हजार रुपए की सहायता मुहैया कराए जाने के निर्देश दिए हैं।

ब्रीफ न्यूज

सुखबीर सिंह बादल का पार्टी प्रमुख पद से इस्तीफा

चंडीगढ़। सुखबीर सिंह बादल ने शनिवार को शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया। पंजाब के पूर्व शिक्षा मंत्री दलजीत सिंह चीमा ने सोशल मीडिया पर इसकी घोषणा की। बादल ने अगले चुनाव का रास्ता साफ करने के लिए इस्तीफा दिया।

हरियाणा: प्रदूषण के कारण 5वीं तक के स्कूल बंद

चण्डीगढ़। हरियाणा में प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में छोटे बच्चों के स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए सरकार ने 5वीं कक्षा तक के स्कूलों को बंद करने के फैसला किया है। स्कूल अगले आदेश तक बंद रहेंगे। ऑनलाइन कक्षाएं संचालित होंगी।

पार्षद को मारने आया शूटर, नहीं चली गोली, पकड़ाया

कोलकाता। कोलकाता के कस्बा इलाके में टीएमसी पार्षद के मर्डर की साजिश नाकाम हो गई। वार्ड 108 के पार्षद सुशांत घोष घर के बाहर बैठे हुए थे। तभी दो लोग स्कूटी से आए और घोष पर दो बार फायर करने की कोशिश की, पर गोली नहीं चली। हालांकि लोगों ने शूटर को पकड़ लिया।

ट्रम्प ने कैरोलिन लेविट को बनाया प्रेस सेक्रेटरी

वॉशिंगटन। अमेरिका के नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अपने दूसरे कार्यकाल के लिए टीम तैयार कर रहे हैं। उन्होंने शनिवार को 27 साल की कैरोलिन लेविट को व्हाइट हाउस प्रेस सेक्रेटरी पद के लिए चुना। कैरोलिन यह पद संभालने वाली सबसे युवा सेक्रेटरी होंगी।

चुनावी रैली: गोविंदा के सीने में उठा दर्द, अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली। अभिनेता गोविंदा की शनिवार को एक छोटे से कैम्पेन के दौरान तबीयत बिगड़ गई। गोविंदा, जलगांव में थे, वहां रहकर उन्हें चार जगहों के लिए कैम्पेन करना था, इसके बाद मुंबई लौटना था। अचानक सीने में दर्द उठा। गोविंदा अस्पताल में भर्ती हैं। हालांकि, गोविंदा ने यह रोड शो पीएम नरेंद्र मोदी के पक्ष में किया। लोगों से पीएम मोदी को सपोर्ट करने के लिए कहा।

पीएम मोदी नाइजीरिया दौरे पर रवाना

17 साल बाद भारतीय प्रधानमंत्री का दौरा

एजेंसी ■ अबुजा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार दोपहर लगभग डेढ़ बजे नाइजीरिया रवाना हो गए। वे राष्ट्रपति अहमद टिनूबू के न्योते पर पहली बार नाइजीरिया जा रहे हैं। यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री का 17 साल में पहला नाइजीरिया दौरा होगा। मोदी से पहले साल 2007 में तत्कालीन पीएम डॉ. मनमोहन सिंह नाइजीरिया के दौरे पर गए थे। मोदी रविवार को राष्ट्रपति टिनूबू से मुलाकात करेंगे। उनके बीच भारत-नाइजीरिया के द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा होगी। इसके बाद मोदी राजधानी अबुजा में भारतीय समुदाय के लोगों को भी संबोधित करेंगे। नाइजीरिया में 150 से ज्यादा भारतीय कंपनियां हैं, जिनका 2 लाख करोड़ से ज्यादा का कारोबार है।

केंद्रीय चुनाव आयोग ने नड्डा और खड़गे से मांगा जवाब

आचार संहिता उल्लंघन की शिकायत पर सख्ती

एजेंसी ■ नई दिल्ली

केंद्रीय चुनाव आयोग ने भाजपा और कांग्रेस अध्यक्ष से एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव आचार संहिता उल्लंघन की शिकायतों पर जवाब मांगा है। दोनों ही दलों को सोमवार यानी 18 नवंबर को दोपहर 1:00 बजे तक अपना जवाब देना होगा। दोनों दलों को चुनाव आयोग ने लोकसभा चुनाव के दौरान 22 मई 2024 को दिए गए एडवाइजरी की याद भी दिलाई। इस एडवाइजरी में स्टार प्रचारकों और नेताओं पर नियंत्रण रखने को कहा गया था ताकि सार्वजनिक शिष्टाचार का उल्लंघन न हो और चुनाव प्रचार के दौरान आदर्श आचार संहिता का पालन किया जा सके। झारखंड में एक चरण का चुनाव संपन्न हो चुका है। 20 नवंबर को महाराष्ट्र की सभी और झारखंड की बाकी सीटों पर चुनाव है। इस बीच भाजपा और कांग्रेस ने एक-दूसरे के खिलाफ आचार संहिता उल्लंघन की शिकायतें चुनाव आयोग से की हैं। अब चुनाव आयोग ने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को अलग-अलग पत्र लिखा और शिकायत पर जवाब मांगा है।

आईपीएल ऑक्शन में बिहार के 13 साल के वैभव सूर्यवंशी

सचिन से भी कम उम्र में रणजी में किया था डेब्यू

पटना। बिहार के वैभव सूर्यवंशी केवल 13 साल की उम्र में आईपीएल ऑक्शन में शामिल होने वाले हैं। वैभव बिहार के सचिन तेंदुलकर के रूप में जाने जाते हैं। वैभव ने मात्र 13 साल की उम्र में 49 शतक लगाए हैं। 49 शतक वैभव अपने डेब्यू के एक साल के अंदर लगाए हैं। वहीं अब वैभव आईपीएल ऑक्शन में हिस्सा लेने वाले हैं। आईपीएल गवर्निंग काउंसिल की ओर से जारी की गई ऑक्शन लिस्ट में उनका नाम शामिल है। गौरतलब है कि वैभव ने हाल ही में पटना में डेब्यू किया था। पटना के मोइनुल हक स्टेडियम में बिहार और मुंबई के बीच रणजी ट्रॉफी में वैभव पहली बार खेले तब उनकी उम्र 12 साल 9 महीने और 14 दिन था। वैभव सचिन तेंदुलकर से कम उम्र में क्रिकेट खेलाना शुरू कर दिए हैं।

भारत-चीन के रक्षा मंत्री 20 नवंबर को मिलेंगे

सीमा समझौते के बाद होगी पहली मुलाकात

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 20 नवंबर को चीन के रक्षा मंत्री डोंग जून से मुलाकात करेंगे। यह मुलाकात अगले हफ्ते लाओस में होने वाले आसियान सम्मेलन में होगी। पिछले महीने पूर्वी लद्दाख में दोनों सेनाओं के पीछे हटने और पिछले हफ्ते भारतीय सेना के देपसांग इलाके में फिर से गश्त शुरू करने के बाद दोनों देशों के बीच यह पहली मंत्री स्तरीय बैठक होगी। अप्रैल 2023 के बाद पहली बार दोनों देशों के रक्षा मंत्री मिल रहे हैं। इससे पहले चीन के तत्कालीन रक्षा मंत्री ली शांगफू शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन के लिए दिल्ली आए थे। पिछले महीने रूस में पीएम मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात हुई थी। इसके बाद अब यह बैठक होगी। दरअसल, भारत-चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में चार साल से सीमा विवाद को लेकर तनाव था। दो साल की लंबी बातचीत के बाद एक समझौता हुआ कि दोनों सेनाएं विवादित पॉइंट्स देपसांग और डेमचोक से पीछे हटेंगी।

मणिपुर में छह विधायकों के घर तोड़फोड़-आगजनी

सात जिलों में इंटरनेट बैन, पांच में कर्फ्यू, तीन शव मिले, मैतेई समुदाय में आक्रोश

एजेंसी ■ इंफाल

मणिपुर में शुक्रवार को एक महिला और दो बच्चों के शव जिरी नदी में बहते मिले थे। इसके बाद से राज्य के कई जिलों में विरोध प्रदर्शन शुरू हुआ, जो अब हिंसक हो गया है। मैतेई समुदाय के लोगों ने इंफाल में छह विधायकों के घर हमला किया। प्रदर्शनकारियों ने यहां पथराव और आगजनी की। इंफाल में टायर जलाकर सड़कों को ब्लॉक किया। दरअसल, 11 नवंबर को वर्दी पहने हथियारबंद उग्रवादियों ने बोरोबेकरा थाना परिसर और सीआरपीएफ कैंप पर हमला किया था। इसमें 10 उग्रवादी मारे गए थे। इस दौरान जिरीबाम जिले के बोरोबेकरा थाना परिसर स्थित राहत शिविर से 6 लोगों को अगवा किया गया था। शुक्रवार को मिले तीन शव इन लापता हुए लोगों के बताए जा रहे हैं। विरोध प्रदर्शन के चलते मणिपुर के पांच घाटी जिलों में कर्फ्यू लगाया गया है। जबकि सात जिलों में शनिवार शाम 5:15 बजे से दो दिन के लिए इंटरनेट बैन कर दिया गया है। ये जिले-इंफाल ईस्ट, इंफाल वेस्ट, बिष्णुपुर, थौबल, काकचिंग, कांगपोकपी और चुराचांदपुर हैं।

इन विधायकों के घर हमला

विधायक राजकुमार इमो सिंह, सपम कुंजकेश्वर, सपम निशीकांत, थांगजम अरुणकुमार, सागोलशेम केबी देवी, ख्वैरखपम रघुमनि सिंह, एसी लोकन, करम श्याम के अलावा राज्य कैबिनेट मंत्री सपम रंजन और थोंगम बिस्वजीत सिंह के घरों पर भी हमला हुआ।

परंपरा समारोह में मधेश प्रांत के मुख्यमंत्री, मेयर और जानकी मंदिर के उत्तराधिकारी महंत होंगे शामिल

जनकपुर-अयोध्या के ऐतिहासिक संबंधों का साक्षी बनेगा श्रीराम का तिलकोत्सव

- नेपाल विहिप की अगुआई में भार व उपहार लेकर अयोध्या पहुंचेंगे मिथिलावासी
- छह दिसंबर को होगा श्रीराम-जानकी विवाह और जनकपुरधाम जाएंगे अयोध्या से 500 बाराती

सत्ता सुधार ■ अयोध्या

अयोध्या में भगवान श्रीराम का तिलकोत्सव 18 नवंबर सोमवार को रामसेवकपुरम में भव्य आयोजन के साथ सम्पन्न होगा। यह आयोजन प्रभु श्रीराम और जनकपुर के ऐतिहासिक संबंधों को पवित्रता को पुनः जीवंत करने का एक विशेष अवसर का साक्षी बनने जा रहा है। आयोजनकर्ता ने बताया कि सोमवार दोपहर दो बजे विधि विधान पूर्वक प्रारंभ होने वाले इस धार्मिक अनुष्ठान में जनकपुर से आए 300 से अधिक तिलकहरू (शुभचिंतक) और विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति रहेगी। यह आयोजन न केवल धार्मिक परंपराओं को सजीव करेगा, बल्कि भारत और नेपाल के बीच सांस्कृतिक संबंधों को भी मजबूती प्रदान करेगा। इसकी तैयारियां जोरों पर हैं। रामसेवक पुरम परिसर को इस विशेष अवसर के लिए भव्य रूप से सजाया गया है। परंपरागत रीति-रिवाजों और सांस्कृतिक धरोहर को ध्यान में रखते हुए सभी व्यवस्थाएं की जा रही हैं। जनकपुर से तिलकहरुओं का आगमन शनिवार से ही प्रारंभ हो गया है। उनकी आवभगत और ठहरने की व्यवस्था कारसेवकपुरम, अभयदाता हनुमान आश्रम, विवेक सृष्टि, माता सरस्वती देवी मंदिर और तीर्थ क्षेत्र भवन में की गई है।

आटे से बने चौक पर बैठेंगे रामलला

रामसेवक पुरम के मंच पर 18 वर्षीय युवक को प्रभु श्रीराम के स्वरूप में सज्जित किया जाएगा। श्रीराम स्वरूप को आटे से बने चौक या सिंहासन पर विराजमान किया जाएगा। जनकपुर से आए तिलकहरू परंपरागत वस्तुएं जैसे कांसे के बर्तन, पीली धोती, गमछा, करधनी, हल्दी, चंदन, धान, दूब, पान, इलायची, सुपारी, जनेऊ और चांदी के सिक्के लेकर आएंगे और इन्हें तिलक समारोह के दौरान प्रभु श्रीराम के स्वरूप को भेंट करेंगे।

सीता के भाई बनेंगे महंत रामरोशन

तिलक समारोह में सीता जी के छोटे भाई के रूप में तिलक चढ़ाने की भूमिका जानकी मंदिर, जनकपुर के छोटे महंत रामरोशन दास निभाएंगे। वे वेदज्ञ आचार्यों के मंत्रोच्चार के बीच प्रभु श्रीराम के स्वरूप को तिलक अर्पित करेंगे। इस भव्य आयोजन में जनकपुर, मधेश प्रांत के सीएम सतीश कुमार सिंह अपने आधा दर्जन मंत्रियों के साथ उपस्थित रहेंगे। जनकपुर के महापौर मनोज कुमार शाह और नेपाल के अन्य तीन महापौर भी इस धार्मिक आयोजन के साक्षी बनेंगे।

मांगलिक लोकगीत भी गाएंगी महिलाएं

तिलकोत्सव के दौरान अयोध्या की महिलाओं की टोली अवध क्षेत्र के परंपरागत मांगलिक लोकगीत गाएगी, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो जाएगा। तिलकहरुओं के स्वागत में विशेष भोज का आयोजन किया जाएगा। इसमें स्वादिष्ट आलू टिक्की, पापड़ी चाट, छोला, चावल, पूड़ी, मिक्स सब्जी, रायता, पापड़ और हलवा जैसे व्यंजन परोसे जाएंगे।

sattasudharbpl@gmail.com | satta_sudhar | facebook.com/satta.sudhar.7 | www.sattasudhar.in
पांच राज्यों से एक साथ प्रकाशित

ब्रीफ न्यूज

प्रकाश पर्व पर सिक्ख बंधुओं को मुख्यमंत्री निवास में किया आमंत्रित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरु नानक देव के 555वें प्रकाश पर्व (जयंती) के उपलक्ष में मुख्यमंत्री निवास में समारोह का आयोजन किया है। मुख्यमंत्री निवास में रविवार को आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के सिक्ख समुदाय को आमंत्रित किया है। मुख्यमंत्री निवास परिसर में रविवार की शाम आयोजित प्रकाश पर्व की शुरुआत गुरबाणी के साथ होगी। उसके बाद पूजा पाठ एवं लंगर के रूप में प्रसादी का आयोजन रखा गया है।

चिकित्सा संस्थानों में सुरक्षा उपायों के सख्त निर्देश

भोपाल। झांसी के रानी लक्ष्मीबाई चिकित्सालय की नवजात शिशु चिकित्सा इकाई में 15 नवंबर 2024 को हुई दुखद अग्नि दुर्घटना के मद्देनजर, चिकित्सा संस्थानों में निवारक उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, भोपाल ने सभी स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने संस्थानों का इलेक्ट्रिकल और फायर ऑडिट अनिवार्य रूप से करवाएं। फायर सिस्टम और फायर एक्सटिंग्विशर की स्थिति चालू होनी चाहिए, उन्हें समय- समय पर रिफिल करवाया जाए, और नियमित फायर ड्रिल आयोजित कर इसका अभिलेखीकरण रखा जाए। इसके अलावा आकस्मिक निकास द्वार बाधा रहित और सुलभ होना चाहिए। सभी चिकित्सकों, पैरामेडिकल और सहायक स्टाफ को आपातकालीन स्थितियों में वार्ड खाली कराने का प्रशिक्षण दिया जाना आवश्यक है और मॉकड्रिल नियमित अंतराल पर कराई जानी चाहिए। विद्युत उपकरणों के इस्तेमाल में विशेष सावधानी बरतने और खुले तारों या बिना प्लग के उपकरणों के उपयोग से बचने के निर्देश दिए गए हैं। स्वीकृत विद्युत भार से अधिक भार डालने से बचने और आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त विद्युत भार स्वीकृत कराने का सुझाव दिया गया है।

जनजातीय गौरव दिवस पर धार में 108 मोटराइज्ड ट्राइसिकल वितरित

मोटराइज्ड ट्राइसिकल पाकर खुश हुए दिव्यांग जन

सत्ता सुधार ■ भोपाल

राज्यपाल मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने धार में शुक्रवार को जनजातीय गौरव दिवस पर दिव्यांग जनों के जीवन को सरल और आत्मनिर्भर बनाने के लिये 108 मोटराइज्ड ट्राइसिकल का वितरण किया। यह ट्राइसिकल बैटरी से चलती हैं और दिव्यांग व्यक्तियों को स्वतंत्रता और गतिशीलता प्रदान करती है। इस पहल ने उनके जीवन में नई ऊर्जा और उत्साह भर दिया है। लाभार्थियों ने जब मोटराइज्ड ट्राइसिकल प्राप्त की, तो उनके चेहरे पर मुस्कान देखने लायक थी। यह ट्राइसिकल न केवल उनके आवागमन को सुविधाजनक बनाएगी, बल्कि उनके कार्यक्षेत्र और रोजमर्रा की गतिविधियों को भी सहज बनाएगी।

स्वतंत्रता का अनुभव : मोटराइज्ड ट्राइसिकल पाकर लाभार्थी बेहद उत्साहित नजर आए। लाभार्थी प्रेमचन्द हों या देवी सिंह अथवा संगीता, कोई व्यवसाय करता है कोई नौकरी सभी ने कहा, पहले हर जगह जाने के लिए दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता था। अब इस ट्राइसिकल के माध्यम से हम खुद से व्यवसाय और नौकरी कर पाएँगे। ये हमारे लिए किसी आशीर्वाद से कम नहीं है साथ ही हमारे आत्मविश्वास को बढ़ाने वाला है।

तकनीक और सुविधा का संगम

मोटराइज्ड ट्राइसिकल आधुनिक बैटरी तकनीक और आरामदायक डिजाइन से लैस है। इसे दिव्यांग व्यक्तियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। यह वाहन लंबी दूरी तय करने में सक्षम है और ऊर्जा दक्षता के मामले में भी बेहतर है।

सशक्तिकरण की ओर कदम

इस पहल को प्रशासन और भारतीय कृत्रिम अंग उपकरण निर्माण निगम लिमिटेड कानपुर शाखा उज्जैन ने मिलकर अंजाम दिया।यह ट्राइसिकल न केवल दिव्यांग जनों को सुविधा प्रदान करेगी, बल्कि उन्हें समाज में आत्मनिर्भर और सशक्त बनाएगी।

आत्मसम्मान और आत्मविश्वास का संचार

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का दिव्यांग जनों ने इस पहल के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह ट्राइसिकल उनकी जिंदगी को एक नई दिशा देगी। उनके आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता में वृद्धि होगी और वे समाज में अपनी भूमिका को बेहतर ढंग से निभा सकेंगे। सरकार का ये कदम किस तरह समाज के उपेक्षित वर्गों के जीवन को सकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकता है, लाभार्थियों से चर्चा करने में स्पष्ट परिलक्षित हो रहा था। मोटराइज्ड ट्राइसिकल केवल एक साधन नहीं है, यह दिव्यांग जनों के जीवन में स्वतंत्रता और संभावनाओं के नए द्वार खोलने का प्रतीक है।

पार्षद समेत भाजपा के 4 नेता छह साल के लिए निष्कासित

- गद्दार और दोगले जैसे अपशब्दों का प्रयोग किया था
- अनुशासनहीनता के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया था
- नोटिस का संतोषजनक जवाब नहीं मिलने के बाद कारवाई की
- नगर निगम चुनाव में अध्यक्ष के विरुद्ध लाए थे अविश्वास प्रस्ताव

सत्ता सुधार ■ भोपाल

छिंदवाड़ा भाजपा जिला अध्यक्ष शेषराव यादव ने भाजपा के पार्षदों समेत 4 नेताओं को 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया है। नगर निगम चुनाव में अध्यक्ष के विरुद्ध लाए गए अविश्वास प्रस्ताव के बाद भाजपा दफ्तर में चार पार्षदों ने अभद्रता की थी। इन चारों पार्षदों को भाजपा जिलाध्यक्ष ने 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया है। इनमें भाजपा नेता संतोष राय, शिव मालवी और पार्षद किरण हरिओम सोनी और पूर्णिमा मालवी शामिल हैं। सारा विवाद उस वक्त शुरू हुआ जब 8 अक्टूबर को नगर निगम अध्यक्ष सोनू मागो के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था, ये प्रस्ताव गिर गया था।

संतोषजनक जवाब नहीं मिलने के बाद ये कारवाई की गई : अविश्वास प्रस्ताव गिरने के बाद आरोप लगाया गया था कि है कि इन पार्षदों ने पार्षदों से गली गालोच की और कार्यकर्ताओं के लिए गद्दार और दोगले जैसे अपशब्दों का प्रयोग किया था। इस अनुशासनहीनता के लिए पार्टी ने कारण बताओ नोटिस जारी किया था जिसके बाद संतोषजनक जवाब नहीं मिलने के बाद ये कारवाई की गई। वहीं सीमावर्ती महाराष्ट्र राज्य में विधानसभा चुनाव आगामी 20 नवंबर को है। इस चुनाव में सौसर क्षेत्र के बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता सावनेर विधानसभा क्षेत्र में पहुंचकर चुनाव प्रचार कर रहे हैं। शनिवार को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सौसर ने सौसर थाना में सावनेर भाजपा प्रत्याशी की शिकायत की है कहा- क्षेत्रिय कांग्रेस कार्यकर्ताओं को धमकाने तथा जान से मारने की धमकी मिली है।

चुनावी सभा में सीधे कार्यकर्ताओं को धमकी दी : सौसर विधायक विजय रेवनाथ चौरे के नेतृत्व में दिए ज्ञापन में कांग्रेस ने कहा है कि, विधानसभा चुनाव प्रचार में पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा हिस्सा लिया जा रहा है। इस दौरान 15 नवंबर को ग्राम बडेगांव में भाजपा प्रत्याशी की चुनावी सभा थी। उनने सीधे कार्यकर्ताओं को धमकी दी गई।

चुनावी आचार सहिता के उल्लंघन का भी मामला दर्ज किया जाए

किसी जिम्मेदार दल के प्रत्याशी द्वारा कार्यकर्ताओं को धमकाना निंदनीय है। हमारी मांग है कि, संबंधित प्रत्याशी के खिलाफ कठोर कार्यवाही की जाये। साथ ही चुनावी आचार सहिता के उल्लंघन का भी मामला दर्ज किया जाए। इस अवसर पर ब्लॉक अध्यक्ष डॉ राजेन्द्र याम्दे, पूनाराम बाविस्टाले भागवत महाजन, केशव बोढे, संजय ठाकरे, विठठल गायकवाड, अरविंद डहाके, दिलीप गुर्वे, ज्ञानेश्वर गावंढे, पंकज दातारकर, विलास बुले सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

तालाबों को पर्यटन स्थल बनाएगी सरकार

- नगरीय विकास विभाग ने सौंदर्यीकरण के लिए किए 104 करोड़ स्वीकृत
- 41 नगरीय निकायों के 48 तालाबों की योजना पर हो रहा कार्य

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के नगरीय निकायों में मौजूद तालाबों का सौंदर्यीकरण किया जायेगा। उन्होंने कहा कि तालाबों को पर्यटन स्थलों के रूप में भी विकसित करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की मंशानुरूप नगरीय विकास एवं आवास विभाग नगरीय क्षेत्रों की झीलों एवं तालाबों के सौंदर्यीकरण के लिए संरक्षण एवं संवर्धन का कार्य कर रहा है। प्रदेश के 41 नगरीय निकायों में 48 तालाबों की योजनाओं पर 104 करोड़ 46 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है। झीलों एवं तालाबों के सौंदर्यीकरण के साथ पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिये चयनित झीलों एवं तालाबों के संरक्षण और सतही पेयजल स्त्रोत निर्मित होंगे। अब तक 28 तालाबों के कार्य पूरे किये जा चुके हैं, शेष 20 तालाबों के कार्य प्रगति पर हैं। जल-संरक्षण और संवर्धन की यह योजनाएं राज्य शासन के दिये जाने वाले अनुदान और निकाय के वित्तीय अंश से संचालित की जा रही हैं।

सीएम डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को भगवान गणेश की पूजा अर्चना कर भोपाल उत्सव मेले का शुभारंभ किया।

संरक्षण के प्रमुख कार्य

नगरीय निकायों ने जिन तालाबों और झीलों के संरक्षण के कार्य चयनित किये हैं, उनमें प्रमुख रूप से भूमि के कटाव को रोकने संबंधी कार्य, झीलों एवं तालाबों के आसपास बाउण्ड्री बनाना, सघन वृक्षारोपण, लॉन विकसित करना और सौंदर्यीकरण के लिये लैम्प तथा फव्वारों की स्थापना करना प्रमुख है। इसी के साथ अपशिष्ट जल को रोकने, जल-शोधन के लिये रूट-झोन ट्रीटमेंट मैनेजमेंट और सीवर पाइप लाइन द्वारा अपशिष्ट जल को रोकने के लिये निकायों द्वारा ठोस प्रयास किये जा रहे हैं। ये सभी कार्य झीलों एवं तालाबों के किनारे से 100 मीटर की दूरी के अंदर ही प्रस्तावित किये गये हैं। जिन नगरीय निकायों में यह कार्य स्वीकृत किये गये हैं, उनमें नगर निगम द्वारा कुल स्वीकृत राशि में 40 प्रतिशत, नगरपालिका द्वारा 25 प्रतिशत और नगर परिषद द्वारा 10 प्रतिशत की राशि वित्तीय अंशदान के रूप में दी जा रही है।

प्रभारी मंत्री राजपूत बोले-कबड्डी हमारी मिट्टी से जुड़ा हुआ खेल

- अतुल्य भारत की झलक आज गाडरवारा में दिखाई दे रही
- 68वीं राष्ट्रीय शालेय कबड्डी प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

सत्ता सुधार ■ भोपाल

लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल और स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में 17 वर्षीय बालक और बालिका आयु वर्ग में 5 दिवसीय 68वीं राष्ट्रीय शालेय कबड्डी प्रतियोगिता-2024 का शुभारंभ शनिवार को नरसिंहपुर जिले के गाडरवारा हुआ। शुभारंभ मौके पर खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग और नरसिंहपुर जिले के प्रभारी मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह, सांसद दर्शन सिंह चौधरी और विधायक महेन्द्र नागेश भी मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रभारी मंत्री राजपूत ने कहा कि मैंने ऐसा बहुत कम देखा है, जबराष्ट्रीय स्तर के खेलों की प्रतियोगिता छोटी जगहों पर हो रही हो। अक्सर यह प्रतियोगिता महानगरों में आयोजित होती रही है। नेशनल लेवल की प्रतियोगिता की यह ज़िम्मेदारी गाडरवारा शहर को मिली है।

अब हमारा भी फ़र्ज़ है कि देशभर से आये खिलाड़ियों का स्वागत एवं उत्साहवर्धन करें। मंत्री राजपूत ने कहा कि हमारे पारंपरिक खेल कबड्डी की भी अपनी पहचान है। हिंदुस्तान के गांव-गांव में कबड्डी खेली जाती हैं। यह खेल हमारी मिट्टी से जुड़ा है। राज्य सरकार परंपरागत खेलों को बढ़ावा देने का प्रयास कर रही है। स्कूल शिक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि गाडरवारा के लिए यह ऐतिहासिक पल है। किसी देश में जिस तरह ओलंपिक, एशियन गेम्स या अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए तैयारी की जाती है, ठीक उसी तरह राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए भी तैयारियाँ करनी पड़ती है। राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता का आयोजन होना नरसिंहपुर ज़िले और गाडरवारा नगर के लिये गौरव और गरिमा की बात है। गाडरवारा में आज देश के चारों ओर से खिलाड़ी आये हैं। इन खिलाड़ियों के आने से अतुल्य भारत की झलक देखने को मिलती है। राष्ट्रीय कबड्डी प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर के सभी मान्यता प्राप्त प्रदेशों (इकाइयों) के कुल 34 टीमें और 770 खिलाड़ी बालक-बालिकाएं शामिल हो रहे हैं। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना से की गई। इस मौके पर स्कूली बच्चों ने राष्ट्रीय एकता और देश की विभिन्न संस्कृतियों पर केन्द्रित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी।

अपमानजनक तरीके से हटाई सिंधिया की प्रतिमा, सीएम मोहन के निर्देश पर दो इंजीनियर किए गए सस्पेंड

भोपाल। कटनी के शहडोल बाइपास चौराहे में लगी पूर्व मंत्री स्व. माधवराव सिंधिया की प्रतिमा को निर्माण के चलते चौराहे से अलग करने गले में रस्सी बांधकर उसे लटकाते हुए हटाया गया। मामले का वीडियो सोशल में वायरल हो गया। इधर सीएम डॉ. मोहन यादव ने मामले को संज्ञान में लिया। साथ ही एनएचएआई के अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए। एनएचएआई प्रोजेक्ट डायरेक्टर ने प्राधिकरण अभियंता राजेश नेमा, सहायक ब्रिज इंजीनियर दीपक सोनी निलंबित कर दिया है। वहीं इंजीनियरों को नोटिस दिया है। दूसरी ओर प्रोजेक्ट पर काम कर रही श्रीकंपनी के अधिकारियों ने भी इंजिनियर मनोज वर्मा और आशीष सिंह परिहार के निलंबन की कार्रवाई की है। शहडोल बाइपास व मैहर मार्ग पर चौराहे में पूर्व मंत्री सिंधिया की प्रतिमा नगर निगम ने कई साल पहले स्थापित कराई थी। जबलपुर बायपास से लेकर चाका तका फोर लाइन मार्ग का निर्माण कराया जा रहा है। इसमें चौराहे पर ही ब्रिज का निर्माण एनएचएआई करा रही है। इसमें सड़क चौड़ीकरण के साथ ब्रिज का निर्माण कराया जा रहा है। इस कार्य को श्रीजी कंपनी करा रही है। चाका बाइपास चौराहे में लगी प्रतिमा के चारों ओर खुदाई करते हुए ब्रिज का काम कराया जा रहा है, जिसमें प्रतिमा सिर्फ एक मिट्टी के ढेर पर खड़ी थी। उसे उठाकर दूसरे स्थान पर शिफ्ट कराने का कार्य कराया जाना था। जिसमें प्रोटोकाल का पालन न करते हुए अपमानजनक तरीके से प्रतिमा के गले में रस्सी बांधी गई और उसे जेसीबी की मदद से लटकाते हुए अलग कराया गया।

आत्मनिर्भर और गौ-शालाओं के लिए उदाहरण प्रस्तुत करने वाला गौवंश वन्य विहार बनेगा

उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने हिनौती गौधाम में प्रशासनिक भवन/गेस्ट हाउस का किया भूमिपूजन

सत्ता सुधार ■ भोपाल

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि हिनौती गौधाम आत्मनिर्भर व अन्य गौ-शालाओं के लिए उदाहरण प्रस्तुत करने वाला गौवंश वन्य विहार बनेगा। यहां गौवंशों का संरक्षण होगा तथा गाय के गोबर व मूत्र से बनने वाले उत्पाद निर्मित होंगे। उन्होंने कहा कि आगामी 2 माह में हिनौती गौधाम में लगभग 20 करोड़ रुपए की लागत से विभिन्न निर्माण एवं विस्तार के कार्य प्रारंभ हो जायेंगे।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने गौधाम में 77 लाख रुपए की लागत से प्रथम चरण में बनाये जाने वाले प्रशासनिक भवन/गेस्ट हाउस का भूमिपूजन किया। उप मुख्यमंत्री ने गौधाम में प्रशासनिक एवं वन विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर गौधाम विस्तार के लिए कराये जाने वाले विभिन्न निर्माण कार्यों की कार्य-योजना का अवलोकन किया तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि आगामी 3 माह में गेस्ट हाउस का निर्माण कार्य पूर्ण करा लिया जाएं। प्रथम चरण में गौधाम की 100 एकड़ भूमि में वायर-फेंसिंग का कार्य कराते हुए शेड निर्माण के कार्य प्रारंभ कराये जाएं। उन्होंने कहा कि दूसरे चरण में भी 100 एकड़ भूमि गौशाला के लिए उपलब्ध होगी। गौवंश के लिए चरनोई भूमि तथा पानी की आवश्यकता भी सुनिश्चित कराई जा रही है। उन्होंने गौधाम का मुख्य गेट बनाने तथा गौधाम तक पहुंच मार्ग दुरुस्त करने के साथ ही आंतरिक रास्ते का निर्माण कराने के निर्देश को दिये। उन्होंने कहा कि गौधाम में हाई-मास्क लाइट लगाई जाए।

15 हजार गौवंश को संरक्षण मिलेगा

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि गौधाम में जल निगम द्वारा पानी की उपलब्धता के लिए टंकी का निर्माण भी कराया जाएगा। उन्होंने गौधाम में प्रथम चरण में 25 शेड बनाये जाने की बात कही जिनमें लगभग 15 हजार गौवंश को संरक्षण मिलेगा। इस अवसर पर कलेक्टर प्रतिभा पाल ने गौधाम में प्रस्तावित निर्माण कार्यों तथा विस्तार कार्यों के बारे में जानकारी दी। इस दौरान विधायक मनगवां इंजी. नरेन्द्र प्रजापति, जनपद अध्यक्ष गंगेव विकास तिवारी, मुख्य वन संरक्षक राजेश राय, वन मंडलाधिकारी, पूर्व विधायक श्यामलाल द्विवेदी, त्रियुगीनारायण शुक्ल, राजेश पाण्डेय, कौशलेश द्विवेदी सहित जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

आयोजन मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंडला में जनजातीय गौरव दिवस पर हुए ऐतिहासिक आयोजन पर दी बधाई

रिकॉर्डेड हजारों जनजातीय कलाकरों ने किया सामूहिक सैला नृत्य

पीएचई मंत्री उईके ने भी किया नृत्य

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर मंडला में जनजातीय गौरव दिवस के ऐतिहासिक आयोजन पर बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अस्मिता के लिये जनजातीय नायकों ने हमेशा आगे बढ़कर नेतृत्व करने के साथ अपना सर्वस्व राष्ट्र के नाम अर्पित किया। मध्यप्रदेश में इसके अनेकों उदाहरण मौजूद हैं। मंडला के सेमरखापा एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में 1521 स्थानीय जनजातीय कलाकारों, छात्र-छात्राओं, जन-प्रतिनिधियों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने एक साथ सामूहिक सैला लोकनृत्य की आकर्षक और मनोहारी प्रस्तुति देकर समारोह को भव्यता प्रदान की। यह अब तक ज्ञात जानकारी अनुसार रिकॉर्डेड लोगों द्वारा दी गई सामुहिक नृत्य प्रस्तुति रही। इस ऐतिहासिक अवसर पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री संपतिया उईके ने भी जनजातीय बंधुओं के साथ लोकनृत्य कर उनकी हौसला-अफजाई की। जनजातीय गौरव दिवस पर आयोजित समारोह में मंत्री उईके ने जनजातीय संस्कृति और परंपराओं को सजीव करते हुए प्रसिद्ध लोकगीत तरना मोर न नाना-नानी पर आकर्षक नृत्य किया। कलेक्टर मंडला सोमेश मिश्रा ने मांदर पर थाप दी। जन-प्रतिनिधियों और अधिकारियों ने स्वतःस्फूर्त भागीदारी की। उपस्थित जनसमूह ने भगवान बिरसा मुंडा अमर रहें और जनजातीय गौरव संस्कृति अमर रहे जैसे नारों से वातावरण को गुंजायमान कर दिया।

सैला नृत्य की मूल भावना

सैला नृत्य भारतीय जनजातीय समाज का एक प्रमुख लोक नृत्य है, जिसे मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और झारखंड राज्यों की जनजातियां उत्सव और सामूहिक आनंद के अवसर पर करती हैं। सैला नृत्य जनजातियों के सामूहिक जीवन को दर्शाता है। इसमें सामूहिक ताल-बद्धता और समन्वय की एकरूपता प्रदर्शित होती है। यह नृत्य उल्लास को तो प्रकट करता ही है, साथ ही प्रकृति और देवी-देवताओं के प्रति कृतज्ञता प्रकट करता है। इस नृत्य का आयोजन प्रायः फसल कटाई के बाद किया जाता है। यह नृत्य खुशी और उत्साह से भरपूर होता है, जो जनजातीय जीवन की सरलता को प्रदर्शित करता है। सैला नृत्य जनजातीय संस्कृति, परंपराओं और मूल्यों को पीढ़ी-दर-पीढ़ी संरक्षित और स्थानांतरित करने का माध्यम है। सैला नृत्य जनजातीय समाज की सामूहिकता, सांस्कृतिक पहचान और प्राकृतिक जीवन के साथ उनके गहरे आत्मीय संबंधों का प्रतीक है। इस नृत्य में नर्तक वृत्ताकार स्वरूप में एक-दूसरे के कंधे पकड़कर संगठित रूप से कदमताल करते हैं। यह नृत्य प्रकृति के साथ साहचर्य, सामूहिकता और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर पत्रकार साथियों को दी बधाई

सत्ता सुधार ■ भोपाल

भारतीय प्रेस परिषद ने विधिवत रूप से 16 नवम्बर, 1966 से कार्य करना प्रारंभ किया। इस दिन के महत्व को प्रतिपादित करते हुए इसे प्रतिवर्ष 16 नवम्बर को भारतीय प्रेस दिवस के रूप में मनाया जाता है। हमारे देश में प्रिंट मीडिया के लिये व्यावसायिक मानकों को परिभाषित करने और उनका निर्वहन करने वाले नियामक के रूप में भारतीय प्रेस परिषद (प्रेस काउंसिल ऑफ इण्डिया) कार्य कर रही है। यह एक वैधानिक निकाय है। राष्ट्रीय प्रेस दिवस सही मायनों में लोकतंत्र के केन्द्र में एक स्वतंत्र एवं जिम्मेदार प्रेस की उपस्थिति का प्रतीक है। राष्ट्रीय प्रेस दिवस-2024 की थीम प्रेस का बदलता स्वरूप है। भारतीय प्रेस परिषद की स्थापना का पहला सुझाव वर्ष 1956 में प्रथम प्रेस आयोग द्वारा दिया गया था। आयोग ने प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा करने और रिपोर्टिंग में नैतिकता के मानदण्डों को निरंतर रूप से बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया था। गठन के बाद से ही भारतीय प्रेस परिषद ने प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा करने में सदैव आगे बढ़कर भूमिका निभाई है। इससे मीडिया संस्थानों के लिये बगैर किसी भय और हस्तक्षेप के स्वतंत्रता पूर्वक कार्य करना संभव हुआ है। राष्ट्रीय प्रेस दिवस को मनाया जाना और भी अधिक प्रासंगिक हो जाता है, जबकि मीडिया को लोकतंत्र के चौथे सशक्त स्तम्भ के रूप में स्थान प्राप्त होता है।

ब्रीफ न्यूज

मंडी में खाली पड़ी भूमि पर लेआउट डालकर करीब 57 व्यापारियों जगह दी गई

खुरई/सागर। बायपास पर स्थित नवीन कृषि उपज मंडी में मंडी प्रबंधक और व्यापारियों की सहमति से खाली पड़ी भूमि पर लेआउट डालकर करीब 57 व्यापारियों के लिए जगह दी गई। जिसमें वे अपना टीनशेड बना सके। आपको बता दें कि पूर्व में व्यापारी संघ ने एसडीएम को पत्र लिखकर मंडी परिसर में खाली पड़े भूखंड की सफ़ाई कराने की बात कही थी। जिसके बाद विभाग के अधिकारी पीएस तोमर, नरेंद्र रावत, सचिव कमलेश सोनकर , व्यापारी संघ के जयेश मोदी की मौजूदगी में भूमि पर लेआउट डालकर टीनशेड आदि बनाने के लिए जगह दी गई।

कार्तिक पूर्णिमा पर धार्मिक स्थलों पर विशेष कार्यक्रम हुए आयोजित

खुरई/सागर। कार्तिक पूर्णिमा पर नगर व ग्रामीण क्षेत्रों के धार्मिक स्थलों पर विशेष कार्यक्रम आयोजित हुए। कार्तिक माह में व्रत रखने वाली कतकारियों ने स्नान-दान कर शाम को तालाब घाट, नदी में दीपदान किया। कार्तिक मास के अंतिम दिवस भगवान विष्णु की पूजा- अर्चना दीपदान करने के बाद सभी ने एक दूसरी को बधाई दी। आपको बता दे कि कार्तिक मास, हिंदू धर्म में बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। यह चातुर्मास का आखिरी महीना होता है, भगवान विष्णु 4 माह से क्षीर सागर में शयन कर रहे होते हैं। देवउठनी एकादशी को जगत के पालनहार भगवान विष्णु को उठो देव के जयकारों के साथ जगाया जाता है। शास्त्रों के अनुसार जालंधर का वध करने के बाद भगवान विष्णु चार माह आराम करने के लिए चले जाते हैं। देवशयनी एकादशी के बाद से शुभ कार्य बंद हो जाते, लेकिन चार माह बाद देवउठनी एकादशी पर भगवान एक बार फिर उठते हैं। एकादशी को वर्ष भर में पड़ने वाली एकादशी तिथियों में सबसे श्रेष्ठ माना गया और कार्तिक पूर्णिमा को दीपदान कर कार्तिक माह की विदाई की जाती है।

राजस्व महाअभियान के तहत किया जा रहा है ग्रामों में बी वन वाचन

सागर। प्रदेशव्यापी राजस्व महा अभियान 3.0 15 नवंबर से शुरू हुआ एक माह तक चलने वाले इस महाअभियान के तहत राजस्व से

संबंधित तमाम कार्यों का संपादन किया जाएगा। कलेक्टर संदीप जी आर ने जिले के समस्त राजस्व अधिकारियों व अमले को निर्देशित किया है कि राजस्व संबंधी तमाम समस्याओं का समाधान उक्त महा अभियान की अवधि के दौरान शत् प्रतिशत पूर्ण कर लिया जाए।उन्होंने कहा कि आमजनों की राजस्व संबंधी समस्याएं लंबित न रहे इसका विशेष ध्यान रखते हुए चरणबद्ध तरीकों से अभियान के उद्देश्यों की प्राप्ति करें। इसी कड़ी के तहत आज जिले के सभी अनुविभागीय क्षेत्रों में एक साथ संपादित किए गए कार्यों की जानकारी देते हुए अपर कलेक्टर श्री रुपेश उपाध्याय ने बताया कि वृहद स्तर पर बी वन का वाचन किया जा रहा है। उक्त कार्य के दौरान आम जनों को उनकी भूमि संबंधी जानकारी सुगमता से प्राप्त हुई है।

जिला चिकित्सालय को समाप्त करना अन्याय पूर्ण निर्णय

जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा प्रदेश कांग्रेस के पदाधिकारियों का किया सम्मान

कांग्रेस जन समस्याओ को लेकर हमेशा आवाज़ उठाएगी

सत्ता सुधार ■ सागर

शहर कांग्रेस कमेटी सागर शहर एवं ग्रामीण के साथ तथावधान में आयोजित महत्वपूर्ण बैठक में जिला चिकित्सालय के बी एम सी में विलय, बिजली बिभाग द्वारा जबरदस्ती स्मार्ट मीटर लगाए जाने सहित अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई। साथ ही मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी द्वारा नवगठित कार्यकारिणी में सागर जिले के वरिष्ठ नेताओं को शामिल किए जाने पर पदाधिकारियो का शाल श्रीफल एवं पुष्पहार से स्वागत किया गया, जिसमे प्रदेश महामंत्री के रूप में पूर्व मंत्री प्रभु सिंह ठाकुर, चंद्र प्रताप सिंह बुंदेला गुड्डू राजा, रेखा चौधरी एवं विशेष आमंत्रित सदस्य पूर्व विधायक सुनील जैन सम्मान समारोह में शामिल हुए। एनएसयूआई के नव नियुक्त प्रदेश पदाधिकारी शाहरुख खान चक्रेश रोहित सहित डॉ दिनेश पटेरिया को नीमा जिला अध्यक्ष बनाए जाने पर शहर कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष राजकुमार पचोरी एवं ग्रामीण जिला अध्यक्ष डॉ आनंद अहिरवार पूर्व सांसद द्वारा संपूर्ण जिला कांग्रेस कमेटी की तरफ से सम्मान किया।सम्मान समारोह के बाद नवनियुक्त प्रदेश पदाधिकारियों ने कांग्रेस जनों के साथ डॉ हरिसिंह गौर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया, एवं डॉ गौर को भारत रत्न दिलाने की मांग की।इस अवसर पर जिला शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राजकुमार पचौरी ने कहा कि मध्य प्रदेश शासन सागर से जिला चिकित्सालय को समाप्त करना चाहती है, बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज अपने उपक्रमों का ही रखरखाव नहीं कर पा रहे हैं नर्सिंग कॉलेज की मान्यता समाप्त हो गई है ऐसी स्थिति में जिला चिकित्सालय को समाप्त करना न्याय संगत नहीं है, हम इसका विरोध करते हैं।जिला ग्रामीण कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ आनंद अहिरवार ने कहा कि कांग्रेस जन समस्याओं को लेकर अपना संघर्ष जारी रखेंगी।बैठक का विधिवत संचालन जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष एवं प्रवक्ता आशीष ज्योतिषी ने किया।

इस अवसर पर पं त्रिलोकी नाथ कटारे पुरुषोत्तम मुन्ना चौबे, अमित रामजी दुबे, मुकुल पुरोहित अवधेश तोमर शैलेंद्र तोमर, रमाकांत यादव, सेवादल अध्यक्ष सिंटू कटारे, युवा कांग्रेस अध्यक्ष राहुल चौबे, माधवी चौधरी, लक्ष्मी नारायण सोनकिया, रवि सोनी, किरण सोनी, मीरा अहिरवार,रजिया खान रेखा सोनी, प्रदीप पांडे कमलेश तिवारी, महेश अहिरवार, जय रैकवार, उपेंद्र दुबे,ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष प्रेम नारायण विश्वकर्मा, योगराज कोरी,समीर खान, दामोदर कोरी,पार्षद ताहिर खान, नीलोफर चमन अंसारी,रिचा सिंह गौड, चंद्रप्रभा दुबे, दीनदयाल तिवारी, जय रैकवार,पप्पू गोस्वामी, नरेन्द मिश्रा, अशोक नागवानी, मुन्ना प्रजापति, कुंजी लड़िया, आदिल राइन, गंगाराम चौधरी,रूपनारायण यादव,भैयन पटेल,प्रिंस राजाश्री दास रैकवार पवन जाटव दुलीचंद सकवार, राजेश कोरी, बाबू मछंदर सुरेश तिवारी, अजीम खान,लल्ला यादव, द्वारका चौधरी वीरेंद्र महावते प्रियंकर तिवारी, मीना पवन पटेल, मोतीलाल अहिरवार, विक्रांत गोलन्दाज , मीरा अहिरवार, रामकुमार सोनवार, मुदित वैद्य, सौरभ खटीक, राहुल खटीक नारायण प्रसाद कोरी, मोतीलाल अहिरवार,मूवीन राइन, फरीद खान चंचल तिवारी अंबर खत्री आदित्य परिहार मुदित वैद्य अरविंद मछंदर , सुरेश तिवारी विनोद कोरी शंकर लाल माते, नदीम खान आमिर खान सहित अनेक कांग्रेस जन उपस्थित थे।बैठक में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व.गोपाल कृष्ण आजाद की धर्मपत्नी श्रीमती जानकी गुप्ता,एनएसयूआई के पूर्व अध्यक्ष सुधीर राजोरिया, नगर निगम नेता प्रतिपक्ष बब्बू यादव के बड़े भाई संतोष यादव, शालू खान के पिताजी एवं सुरेंद्र शर्मा छापू के निधन पर 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि व्यक्त की गई।

भगवान बिरसा मुंडा का कॉलेज प्रबंधन ने किया अपमान, समाज मे आक्रोश व्याप्त

भगवान बिरसा मुंडा की जयन्ती रहली छोड़कर जिले के सभी कॉलेजों में धूम-धाम से मनाई गई

उच्च शिक्षा आयुक्त ने पत्र जारी कर पहले ही करा दिया था अवगत

मुख्य कार्यक्रम का सीधा प्रसारण महाविद्यालयों में दिखाए जाने की व्यवस्था बनाने के दिए थे निर्देश

सत्ता सुधार ■ रहली/सागर

भगवान बिरसा मुण्डा की 150 वीं जयन्ती 15 नवम्बर को शासकीय एवं अशासकीय कॉलेजों में बनाए जाने को लेकर उच्च शिक्षा विभाग ने पत्र जारी कर पहले ही अवगत करा दिया था लेकिन जिले के शासकीय रहली कॉलेज को छोड़ अन्य सभी कॉलेजों में यह आयोजन किया गया। लेकिन निर्देश के बाद भी रहली कॉलेज प्रबंधन ने इसका कोई पालन नहीं किया। इतना ही नहीं इस आयोजन को लेकर मुख्य समारोह शहडोल में आयोजित किया गया। जिसका सीधा प्रसारण प्रद/शासकीय, अशासकीय महाविद्यालयों में दिखाए जाने की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश थे।लेकिन रहली कॉलेज प्रबंधन ने इसका पालन करना उचित नहीं समझा। निर्देश यह भी थे कि कार्यक्रम में शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक स्टाफ की उपस्थिति सुनिश्चित करते हुए अधिक से अधिक संख्या में विद्यार्थियों को शामिल किया जाए। लेकिन रहली कॉलेज में यह निर्देश वे असर रहे। जबकि शुक्रवार सुबह 11 बजे शहडोल में मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्चुअल शामिल हुए। वही मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल, सांसद हिमाद्रि सिंह सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि शामिल हुए। इस मुख्य कार्यक्रम का वर्चुअली प्रसारण सभी कॉलेजों में दिखाने के निर्देश का पालन भी रहली कॉलेज के प्राचार्य ने नहीं किया। कार्यक्रम में संस्था प्रमुख को मंत्री, सांसद, महापौर, जिला / जनपद पंचायत अध्यक्ष, नगर पालिका, नगर पंचायत अध्यक्ष पार्षद एवं महाविद्यालय जनभागीदारी समिति अध्यक्ष सहित अन्य जनप्रतिनिधि को आयोजन में आमंत्रित करने के भी निर्देश थे। लेकिन जब रहली कॉलेज ने आयोजन ही नहीं किया तो फिर जनप्रतिनिधि शामिल होने से रहे। जबकि आयोजन के बजट को लेकर जनभागीदारी मद से खर्च करने की व्यवस्था थी इसके बाद भी रहली कॉलेज प्राचार्य ने बड़ी लापरवाही कर आयोजन कराना जरूरी नहीं समझा। जबकि आयोजन को लेकर 13 नवंबर को उच्च शिक्षा आयुक्त के द्वारा सभी प्राचार्य, को मेल पर भेज दिए गए गए थे। इसके बाद भी प्राचार्य इतनी बड़ी लापरवाही करने से नहीं चूके। इस मामले को लेकर अग्रणी कॉलेज प्राचार्य डॉ सरोज गुप्ता के मोबाइल पर लगातार संपर्क किया गया। लेकिन घंटी जाने के बाद भी उन्होंने फोन नहीं उठाया।आदिवासी ठाकुर समाज में आक्रोश व्याप्त है प्रभु तालमपुर ने बताया कि हमारे समाज के गौरब और भगवान का अपमान हम सभी सहन नही करेंगे इसके लिए हम प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री से कार्यवाही की मांग करेंगे ।

16 नवम्बर को कर रहे आयोजन-

शासकीय रहली कॉलेज प्राचार्य शासन के निर्देश का पालन नहीं करते बल्कि अपनी मनमर्जी चलाते है। 15 नवम्बर को पूरे देश भर में भगवान बिरसा मुंडा जयंती मनाई गई। लेकिन इस दिन इनके द्वारा कार्यक्रम आयोजित ही नहीं किया गया। बल्कि अपनी मन मर्जी से 16 नवम्बर को आयोजन कर रहे है। जिसकी सूचना भी उन्होंने जारी कर अवगत कराते हुए बताया कि महाविद्यालय में कार्यरत समस्त शैक्षणिक, अशैक्षणिक स्टॉफ एवं अद्ययनरत छात्रों को सूचित किया जाता है कि 16 नवम्बर दिन शनिवार को बिरसा मुण्डा जयंती पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन होगा जिसमे सभी स्टॉफ एवं छात्र, छात्राएं इस दिन महाविद्यालय में उपस्थित रहे।

इनका कहना है...

हमें निर्देश की कॉपी नहीं मिली 15 नवम्बर को कॉलेज में भगवान बिरसा मुंडा जयंती मनाने के संबंध में हमे निर्देश की कोई सूचना नहीं मिली। कॉलेज में 16 नवम्बर शनिवार को जयंती कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

एके जैन प्राचार्य शासकीय महाविद्यालय रहली

तक्षशिला स्कूल के बच्चों ने ऐतिहासिक स्थल चंदेरी का शैक्षणिक भ्रमण कर इतिहास के बारे में जाना

सत्ता सुधार ■ खुरई/सागर

नगर की तक्षशिला कॉन्वेंट स्कूल के छात्र छात्राओ ने मध्यप्रदेश का प्राचीन शहर चंदेरी का भ्रमण कर ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को जाना है। यह नगर अशोकनगर जिले मे आता है। जो झीलो, पहाड़ो और घने जंगलो से घिरा पर्यटन के लिहाज से बहुत ही खास और खूबसूरत है।

बच्चे ऐतिहासिक स्थल के शैक्षणिक भ्रमण के लिये चंदेरी पहुंचे। जहां उन्हे चंदेरी के प्रसिद्ध किला जो शहर से लगभग 71 मी. की ऊंचाई पर स्थित है, जो मुगलकाल में निर्मित 11वीं शताब्दी के लगभग बना मुख्य आकर्षण का केन्द्र है। ऐतिहासिक संरचना बादल महल सबसे खास और प्राचीन संरचना का महल इतिहास की माने तो यह 15 वीं शताब्दी में निर्मित महल है। यहां की प्राचीन जामा मस्जिद को ग्यासुद्दीन बलबन द्वारा बनवाया गया था। यह एक विषाल एवं अद्भुत है जो पर्यटको को आकर्षित करती है। साथ ही बच्चो को चंदेरी के धार्मिक स्थलो सहित सभी ऐतिहासिक स्थलो की जानकारी दी गई। चंदेरी साड़ियो के लिये प्रसिद्ध शहर है जिसकी साड़ियो का व्यापार देश विदेश में फैला है। सभी छात्रो ने चंदेरी के ऐतिहासिक स्थलो का भ्रमण किया और इतिहास को जाना यह भ्रमण निश्चित रूप से उनके भविष्य में अमिट छाप की तरह रहेगा। प्रभारी आनंद बौद्ध ने बताया कि इस भ्रमण का उद्देष्य बच्चो को ऐतिहासिक स्थल की जानकारी प्राप्त हो और बच्चो के मानसिक विकास और सुहाद्रपूर्ण वातावरण मिले। भ्रमण दौरान राजेश साहू, दीप्ति भदोरिया, रागिनी विश्वकर्मा , आस्था जैन सहित छात्र-छात्राएं उपस्थित रही।

बीना पुलिस ने अलग- अलग घटनाओं को अंजाम देने वाले आरोपियों को गिरफ्तार कर मामला दर्ज किया

अवैध शराब बेचने वाला आरोपी गिरफ्तार-

सत्ता सुधार ■ बीना/सागर

बीना पुलिस ने अलग-अलग घटनाओं को अंजाम देने वाले आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिसमें बलात्कार, अड़ीबाजी व अवैध शराब बेचने वाले आरोपी शामिल है।अलग-अलग घटनाओं को अंजाम देने वाले आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए एएसपी डॉ. संजीव उइके, एसडीओपी नितेश पटेल के निर्देशन में टीम गठित की गई थी। इसके बाद टीम ने आरोपियों को गिरफ्तार किया। जानकारी के अनुसार 27 अक्टूबर को एक आरोपी ने महिला के घर में घुसकर बलात्कार की घटना को अंजाम दिया था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 332 (ख), 64(1), 351 (3) बीएनस व एससीएसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज और आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया। शुक्रवार को पुलिस को सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति अवैध रूप से शराब लेकर जा रहा है। पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और इकवाल सिंह पिता हरभजन सिंह कोहली (41) निवासी गणेश वार्ड को 98 पाव देशी शराब कीमत 9300 रूपए सहित गिरफ्तार कर आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है। अड़ीबाजी करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार किया। वहीं, 14 नवंबर को प्रिंस पिता कामता प्रसाद अहिरवार निवासी गणेश वार्ड के साथ अक्षय धानक, घंसू धानक, सौरभ धानक तीनों ने शराब पीने के लिए रुपए मांगे थे और मना करने पर आरोपियों ने मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 296, 119(1), 115(2), 351(3), 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया।कार्रवाई में थाना प्रभारी अनूप यादव, एसआइ कविता द्विवेदी, लखन राज, प्रधान आरक्षक गौतम, जागेश्वर, अजयसिंह राजपूत, अयूब खान, आरक्षक प्रेमजीत, देवेन्द्र, अविनाश, सतीश शर्मा, भूपेन्द्र, संदीप, वीरेन्द्र धाकड़, अमनदीप, दिलीप, सुभाष की अहम भूमिका रही।

गंदगी फैलाकर स्वच्छता को प्रभावित करने वाले व्यक्ति पर होगी कार्यवाही: निगमायुक्त

सत्ता सुधार ■ सागर

सागर शहर को स्वछता में अग्रणी बनाने के लिए नगर निगम आयुक्त राजकुमार खत्री के नेतृत्व में हर संभव प्रयास किया जा रहा है फिर चाहे नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक बनाने के लिए समझाईस देना हो या सख्ती दिखाते हुये चालानी कार्यवाही कर जुर्माना लगाना। नगर निगम आयुक्त श्री खत्री ने सुबह-सुबह शहर की स्वच्छता व्यवस्था एवं निर्माण कार्यों के निरीक्षण के दौरान पुरानी तहसीली के पास सड़क किनारे खुले में टॉयलेट करने वाले व्यक्ति को अपने पास बुलाकर 200 रूपये की चालानी कार्यवाही कराई। उन्होंने उक्त व्यक्ति को आगे से खुले में टॉयलेट न करने सहित अन्य किसी भी प्रकार से गंदगी न फैलाने की समझाईस दी और कहा की यह शहर अपना है और हमारे व आपके छोटे-छोटे प्रयासों से ही शहर साफ-स्वच्छ बनेगा। उन्होंने कहा की जहाँ आप टॉयलेट कर रहे थे उससे कुछ ही दूरी पर मॉडर्न टॉयलेट की सुविधा दी गई है आप चंद कदम चलकर इस सुविधा का उपयोग कर सकते हैं इससे आपको भी सुविधा होगी और शहर साफ-स्वच्छ रहेगा।

प्रतियोगिता निरंतर 14 वर्षों से बुंदेली बरेदी लोक कलाकारों की विलुप्त होती परम्परा एवं प्रतिमा को निखारने के लिए सशक्त मंच प्रदान करते आ रहे

भापेल फुलेर मेला बुंदेली बरेदी लोकनृत्य प्रतियोगिता बुंदेलखंड संस्कृति का महाकुंभ: लारिया

सत्ता सुधार ■ सागर

कार्तिक पूर्णिमा से तीन दिवसीय आयोजित होने वाले बुंदेलखंड के सर्वप्रथम ऐतिहासिक भापेल बाबा फुलनाथ फुलेर मेला परंपरागत मेला ही नहीं है,अब बुंदेली बरेदी लोकनृत्य प्रतियोगिता का पर्याय बन गया है।नरयावली विधायक इंजी प्रदीप लारिया भापेल फुलेर मेला में निरंतर 14 वर्षों से बुंदेली बरेदी लोक कलाकारों की विलुप्त होती परम्परा एवं प्रतिमा को निखारने के लिए सशक्त मंच प्रदान करते आ रहे है। इस मेला के दूसरे दिन आयोजित होने वाली इस प्रतियोगिता में नरयावली विधानसभा की अनेक मंडलियों में भाग लेने की होड़ मची रहती है।बरेदी लोक नृत्य प्रतियोगिता में लोक गायक और कलाकार अपनी प्रतिभा का आनंद,उल्लास और स्वछंदता से बुंदेलखंड की लुप्त हो रही परम्परा का प्रदर्शन कर इस प्रांगण को ओजमय महोत्सव का स्वरूप विगत 14 वर्षों से प्रदान करते आ रहे है। हजारों की संख्या में इस आयोजन में क्षेत्र और आसपास के दर्शक एकत्रित हो अपनी परंपराओं को आत्मसात कर अपने जीवन में सकारात्मकता का उत्सव मनाते है। इस प्रतियोगिता में विधानसभा क्षेत्र की 32 मंडलियों ने भाग लेकर अपना अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।प्रतियोगिता के पूर्व विधायक इंजी. लारिया जी एवं जिलाध्यक्ष गौरव सीरोठिया जी ने भगवान फूलनाथ जी की पूजा अर्चना कर बुंदेली बरेदी लोकनृत्य प्रतियोगिता का दीप प्रज्जवलित कर शुभारंभ किया। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर अखाड़ा दल द्वारा तलवार बाजी,लाठीबाजी,भाला,त्रिशूल, मल्ल युद्ध का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया।मेला प्रांगण स्थित तालाब में भापेल निवासी शिवराज सिंह ठाकुर की आकस्मिक घटना में डूबने के कारण गंभीर अवस्था में विधायक श्री लारिया जी ने अस्पताल भेजा और कार्यक्रम छोड़कर स्वयं अस्पताल पहुंचकर भर्ती कराया।

जहां इलाज के दौरान शिवराज सिंह का निधन हो गया: विधायक श्री लारिया जी ने दूरभाष पर कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित चैनसिंह जी भापेल से संपर्क कर कार्यक्रम को स्थगित कराने कहा और उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित क्षेत्रवासियों एवं जनप्रतिनिधियों से दूरभाष के माध्यम से कार्यक्रम की समाप्ति की घोषणा की एवं दो मिनट का मौन धारण कराकर शोक संवेदना व्यक्त की।

महाराजश्री ने दोपहर होने वाले कार्यक्रम का निरीक्षण किया

सागर। महाराजश्री ने दोपहर होने वाले कार्यक्रम का निरीक्षण किया और आवश्यक आवश्यक दिशा निर्देश समिति के सभी सदस्यों को दिए श्री विद्या सुधा अमृत सामाजिक कल्याण समिति सागर के अध्यक्ष सुरेंद्र जैन, कर्रापुर राजेंद्र जैन केसली, ऋषभ जैन बांदरी ,राजकुमार की मीनिंगसुरेंद्र डबडेरा आशीष जैन पटना, राजेश जैन एडीना कमल चैनपुरा रविंद्र डबडेरा नवीन निश्चल मनोज शास्त्री अजय लंबरदार ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी से निवेदन किया है, की सिर्फ जिन बच्चों का संस्कार होना है उनको ही पंडाल में बैठने की व्यवस्था रहेगी साथ में आए ।भक्तगणों और परिवार के लोगों को पंडाल से बाहर बैठने की व्यवस्था की गई है सभी व्यवस्था में सहयोग करें। दोपहर 1:00 बजे से महाराज श्री द्वारा ही सभी बच्चों को गंदोधक और संस्कार बंधन किया जाएगा महाराज श्री स्वयं अपने हाथों से सभी के सिर पर संस्कार करेंगे कोई भी बच्चा बाकी नहीं रहेगा सभी का संस्कार स्वयं महाराज के द्वारा किया जाएगा।

अपनी लापरवाही छुपाने मीडिया तक को नहीं दी घटना की जानकारी

मंत्री के पीएसओ की पिस्टल छीनी और चौकी प्रभारी को भनक तक नहीं

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

जिले में यूपी (उत्तरप्रदेश) के राज्यमंत्री से बदमाश सरेराह अभद्रता कर उनके पीएसओ की पिस्टल छीन ले जाते हैं और संबंधित जौरासी चौकी प्रभारी को इसकी भनक तक नहीं लगती। यही नहीं बाद में अपनी लापरवाही छुपाने के लिए वह मीडिया तक को घटना की जानकारी नहीं देती हैं।

यहां बता दें कि बीती शाम उत्तरप्रदेश सरकार के राज्यमंत्री और ललितपुर विधायक मनोहरलाल पंथ मन्नू कोरी जब आगरा से एक कार्यक्रम में शामिल होकर वापस अपने गृह जिले लौट रहे थे, इसी दौरान बिलौआ थाना क्षेत्र में ग्वालियर-झांसी हाईवे पर उनकी कार जाम में फंस गई थी। ऐसे में उनके साथ उत्तर प्रदेश से चल रहा फॉलो और ग्वालियर पुलिस का फॉलो वाहन पीछे छूट गया। जब मंत्री के चालक अमित कुमार ने सड़क के दूसरी ओर से गाड़ी निकालने का प्रयास किया, तो सामने से कार में सवार होकर आ रहे बंटी यादव

और उसके साथियों ने उनकी गाड़ी के बिल्कुल सामने कार अड़ा दी। जब मंत्री के पीएसओ सर्वेश चौधरी और अर्दली राकेश कुमार ने टोका, तो बदमाशों ने अपने अन्य साथियों को बुला लिया। जो पीएसओ व अर्दली की मारपीट करते हुए पीएसओ की पिस्टल छीन ले गए। इस बीच मंत्री ने समझाइश देने का प्रयास किया, तो आरोपियों ने उनसे भी अभद्रता कर डाली। घटना का पता लगते ही आईजी, डीआईजी व एसपी ने तत्काल

मौके पर पहुंचकर स्थिति संभालते हुए आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई।

आखिर क्या कर रही थीं चौकी प्रभारी

घटना के बाद भोपाल से लेकर लखनऊ व दिल्ली तक हड़कंप मच जाता है, ग्वालियर में बैठे आईजी- एसपी को मौके पर पहुंचना पड़ता है। ऐसे में सवाल यह उठता है, कि इस पूरी घटनाक्रम के दौरान जौरासी चौकी प्रभारी पूनम कटारे का क्या रोल रहा। आखिर वह क्या करती रहीं। हमलावर संख्या में 15 से 20 बताए गए हैं, इनमें से चार के पकड़े जाने की सूचना है। इतनी बड़ी संख्या में बदमाश बीच हाईवे पर तांडव करते रहे। जाहिर है ऐसे में वहां काफी हंगामा हुआ होगा, तो फिर चौकी प्रभारी को इसकी भनक क्यों नहीं लग सकी। जाहिर है कि यदि वह समय से मौके पर पहुंच जातीं, तो इतनी बड़ी वारदात घटित ही नहीं हुई होती।

पलटा ट्रक हटवाने के भी नहीं किए प्रयास

उधर बताया गया है कि घटनास्थल पर एक ट्रक कई घंटों पहले पलट गया था, उसे हटवाने के लिए भी चौकी प्रभारी द्वारा कोई पहल नहीं की गई। जिससे दिन भर वहां से निकलने वाले वाहन चालक परेशान होते रहे। यदि समय रहते उक्त ट्रक को उठवा दिया गया होता, तो मंत्री का वाहन जाम में फंसा ही नहीं होता। यही नहीं जब मीडिया ने जानकारी लेने के लिए चौकी प्रभारी को कॉल किया, तो वह अपनी नाकामी छुपाते हुए बोलीं, कि कुछ नहीं ट्रक पलटने से जाम लग गया था, अब सब कुछ क्लियर है।

युवक पर फेवीक्विक फेंककर भागने वाले बेसुराग

पुलिस को वारदात के पीछे प्रेम प्रसंग का संदेह

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

युवक पर फेवीक्विक फेंककर भागने वाले बदमाशों का अब तक कोई सुराग नहीं लग सका है। उधर पीड़ित युवक भी आरोपियों के संबंध में कोई जानकारी नहीं दे पा रहा है। हालांकि पुलिस को इस वारदात के पीछे प्रेम प्रसंग का संदेह लग रहा है, क्योंकि बताया गया है कि घायल की साली विगत दिनों किसी के साथ भाग गई थी, जिसे लेकर युवक का विवाद भी हुआ था।

यहां बता दें कि बहोड़ापुर क्षेत्रांतर्गत मोतीझील के पास मोमोस का ठेला लगाने वाला पुरानी छावनी निवासी सोहिल शाह के मुंह पर बीते गुरुवार की शाम उस वक्त बाइक सवार अज्ञात बदमाश फेवीक्विक जैसा चिपकना पदार्थ फेंककर भाग गए थे, जब वह अपने ठेले पर खड़ा हुआ था। इससे वह घायल हो गया था, जिसे पुलिस द्वारा हॉस्पिटल पहुंचाकर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 118(1) व 3(5) के तहत एफआईआर दर्ज कर ली गई। वहीं पीड़ित युवक से पुलिस अफसरों ने आरोपियों के संबंध में पूछताछ की, तो वह चुप्पी साध गया, जिसका कहना है कि वह हमलावरों को नहीं पहचानता है। ऐसे में बदमाशों का पता लगाने के लिए पुलिस ने जब सोहिल का बैकग्राउंड खंगाला, तो पता लगा कि कुछ दिनों पूर्व उसकी साली किसी युवक के साथ भाग गई थी। इसे लेकर सोहिल का सामने वाली पार्टी से विवाद भी हुआ था। ऐसे में पुलिस अफसरों का मानना है कि संभवतः इसी टशन के चलते उस पर हमला किया गया है। फिलहाल पुलिस इसी एंगल से पड़ताल करते हुए आरोपियों तक पहुंचने के प्रयास में लगी हुई है।

स्कूली छात्र ज्योदित्य के जीवन से खिलवाड़

पिता इलाज को लेकर दिल्ली में परेशान, चैतन्य टेक्नो स्कूल पर प्रशासन की कार्रवाई पड़ी ठंडी

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

पिछले दिनों स्कूल की चौथी मंजिल से गिरकर घायल हुए सातवीं क्लास के छात्र की तबियत में बहुत ज्यादा सुधार नहीं हुआ है। घायल छात्र ज्योदित्य बात तो करने लगा है मगर घटना के संबंध में अभी भी वह समझ नहीं पा रहा है। वहीं बच्चे के भविष्य को लेकर पिता धर्मेंद्र तोमर काफी चिंतित हैं। शुक्रवार को ज्योदित्य के फैक्चर दोनों हाथों के इलाज के लिए धर्मेन्द डॉक्टरों की सलाह पर उसे फिर से दिल्ली ले गए है, क्योंकि मामला बच्चे के भविष्य से जुड़ा हुआ है। छात्र ज्योदित्य के पिता धर्मेंद्र तोमर के अनुसार ऊंचाई से गिरने के कारण बच्चे के दोनों हाथ काफी डेमेज हो गए हैं ,जिनका समय रहते उचित इलाज जरूरी है। उनका कहना है कि ज्योदित्य पढ़ाई में हमेशा सीरियस रहता है इसके अलावा उसकी बॉडी भी फिट है। इसलिए स्कूल प्रबंधन द्वारा कहना कि बच्चा क्लास में चक्कर खाकर गिर गया पूरी तरह गलत है। उन्होंने कहा कि मुझे जानकारी है कि स्कूल प्रबंधन इस घटना को लेकर संवेदनशीलता दिखाने के बजाय अपने आप को पाक-साफ करने में लगा हुआ है। हमें यह जानकारी भी मिली रही है स्कूल प्रबंधन प्रशासन और पुलिस के बीच बेठे लोगों से सांठ-गांठ कर हमारे केश को रफा-दफा करने के लिए काफी सक्रियता

दिखा रहा है।

हमारे द्वारा पुलिस में आवेदन कर दिया गया है और घटना से जुड़ी वस्तुस्थिति से पुलिस को अवगत करा दिया गया है, जिस पर पुलिस द्वारा हमें आश्वस्त किया गया था कि हम सीसीटीवी फुटेज कब्जे में लेकर छानबीन करेंगे,जिस पर पुलिस को कार्रवाई करना है। हमारे लिए अभी बच्चे को ठीक कराना प्राथमिकता में है। इसका मतलब यह नहीं है कि हम स्कूल द्वारा बच्चे के जीवन से की गई खिलवाड़ को भूल चुके हैं। बता दें कि आनंद नगर में संचालित चैतन्य टेक्नो स्कूल में 6 नवंबर को ज्योदित्य तोमर नामक छात्र कंप्यूटर के मार्क्स देखने गया और उसके बाद वह चौथी मंजिल से नीचे फर्श पर सीधे आ गिरा था। इसको लेकर स्कूल प्रबंधन ने परिजनों से हकीकत छुपाकर बताया कि बच्चा क्लास में चक्कर खाकर गिर गया है। उन्होंने कहा कि मैं और हमारा पूरा परिवार अभी बच्चे को लेकर काफी चिंतित है इसलिए उसके बेहतर इलाज के लिए दौड़- भाग में व्यस्त हैं। इसका यह मतलब कतई न निकाला जाए कि हम स्कूल प्रबंधन के खिलाफ कोई कदम नहीं उठाएंगे क्योंकि उन्होंने कहीं न कहीं हमारे परिवार के होनहार बच्चे के जीवन से खिलवाड़ किया है जबकि अभी उसके जीवन की ठीक से शुरुआत भी नहीं हुई है।

घटना के लिए जिम्मेदार कौन ?

जिस चैतन्य स्कूल पर विश्वास करके हमने अपने बच्चे को वहां पढ़ने के लिए भेजा वहां के प्रबंधन के कारण आज हमारा बच्चा इस स्थिति में पहुंच गया है जिसको लेकर हमारा पूरा परिवार परेशान हैं। बता दें कि छात्र के परिजनों द्वारा स्कूल प्रबंधन द्वारा वास्तविकता छुपाते हुए रची गई झूठी कहानी के खिलाफ पुलिस में आवेदन देकर स्कूल प्रबंधन पर कठौर कार्रवाई की मांग की है। वहीं इस संबंध में जानकारी मिल रही है कि पुलिस इस मामले पर इसलिए गंभीरता नहीं दिखा रही कि उसे निरीक्षण में स्पॉट पर कोई ब्लड या अन्य तरह के निशान नहीं मिले,तब सवाल उठता है कि जिस स्कूल में पूरी घटना को छुपाया जा सकता है उसके लिए घटना स्थल से ब्लड स्पॉट हटाना कितना कठिन रहा होगा। इसके अलावा सीसीटीवी फुटेज में दिख रही घटना के लिए आखिर कोन जिम्मेदार है !

इनका कहना

छात्र के परिजन आवेदन देने के बाद आए नहीं, स्कूल में जाकर मेरे द्वारा घटना स्पॉट भी देखा गया, जहां कुछ संदिग्ध नजर नहीं आया परिजनों के पास नंबर है यदि कोई बात है तो वह संपर्क कर सकते हैं।

आयुष गुप्ता
सीएसपी (प्रशिक्षु आईपीएस)

तस्कर व नशेड़ियों के खिलाफ प्रदेश स्तर पर 15 दिवसीय अभियान शुरू

मां- बेटा सहित आधा दर्जन तस्कर पकड़े, हजारों का गांजा जब्त

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

पीएचक्यू (पुलिस हेडक्वार्टर) के निर्देश पर मादक पदार्थ तस्कर व नशेड़ियों के खिलाफ प्रदेश स्तर पर 15 दिवसीय अभियान शुरू किया गया है। जिसके तहत ग्वालियर पुलिस द्वारा विभिन्न जगह कार्रवाई करते हुए मां- बेटा सहित आधा दर्जन तस्कर पकड़े गए हैं। जिनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज कर उनसे पूछताछ की जा रही है।

एसपी धर्मवीर सिंह ने बताया कि लगातार बढ़ रहे क्राइम का मुख्य कारण नशाखोरी है, यही वजह है कि पीएचक्यू ने इस पर प्रभावी अंकुश लगाने के मकसद से प्रदेश स्तरीय 15 दिवसीय विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें अवैध मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त व उनका सेवन करने वालों के विरूद्ध कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में हजीरा थाना पुलिस ने

बीती रात कल्लू काछी की बगिया में छापामार कार्रवाई करते हुए रेशमा पत्नी रामवीर चौधरी व उसके बेटे जीतू को गिरफ्तार किया है, जिनके कब्जे से करीब 70 हजार रुपए कीमत का साढ़े चार किलो गांजा बरामद हुआ है। हजीरा पुलिस ने जेसी मील खंडहर के पास एक अन्य कारवाई करते हुए राजू राठौर, बलवीर सिंह व जीतेंद्र जाट को गांजा बेचते हुए पकड़ा है। उधर देहात की मोहना थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर पाटई रोड पर डीआरडीओ के पास से सवा किला गांजे के साथ तिवारी मोहल्ला निवासी नीतू पत्नी हजारीलाल कुशवाह को गिरफ्तार किया है। जबकि चीनोर थाना पुलिस द्वारा बनवार- चीनोर मागज पर टेकनुपर की पुलिया के पास से चेकिंग के दौरान चीनोर निवासी मनोज गौतम को करीब डेढ़ किलो गांजा ले जाते हुए पकड़ा गया है।

चिलम पीने वाले भी टारगेट पर, 6 धरे

पुलिस द्वारा मादक पदार्थ के खिलाफचलाए जा रहे अभियान में तस्करों के साथ ही इनका सेवन करने भी टारगेट पर हैं। यही वजह है कि अलग- अलग इलाकों से छह चिलमची भी पकड़े गए हैं। जिनमें गिरवाई पुलिस ने एबी रोड से जगदीश कुशवाह को, जनकगंज थाना पुलिस ने गुप्तेश्वर मंदिर के सामने स्थित टीनशैड से सोनू खटीक, माधौगंज थाने की पुलिस ने आपागंज कब्रिस्तान के पीछे से बाबूलाल बघेल, झांसी रोड पुलिस ने वैष्णोदेवी मंदिर के पास से कल्लू जाटव को, विश्वविद्यालय थाना पुलिस ने एजी पुल के नीचे से संजय जाटव को तथा बिजौली थाना पुलिस ने रतवाई कॉलोनी के पीछे बनी बर्फ फैक्ट्री से जरदान सिंह को चिलम में गांजा भरकर पीते हुए पकड़ा है। पकड़े गए सभी आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कायमी की गई है।

नशे के ठियों पर रखी जा रही निगरानी

नशा विरोध अभियान के तहत उन ठियों को भी चिंहित किया जा रहा है, जहां नशेड़ी जुटकर नशाखोरी किया करते हैं। पुलिस कप्तान द्वारा सभी सीएसपी, एसडीओपी व थाना प्रभारियों को निर्देश दिए गए हैं, कि क्षेत्र में कहीं भी नशेड़ियों की जमात नहीं जुड़ना चाहिए। यही वजह है कि पुलिस ऐसे स्थानों पर नजर रखते हुए छापामार कार्रवाई कर रही है।

इनका कहना है

पीएचक्यू के निर्देश पर प्रदेश भर में मादक पदार्थ के खिलाफ15 दिवसीय विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत ग्वालियर में भी तस्करों के साथ ही नशाखोरी होने वाले ठिकानों पर रेड करते हुए सूखा नशा करने वालों को चिंहित कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

धर्मवीर सिंह

घरेलू गैस का दुरुपयोग रोकने के लिये छापामार कार्रवाई जारी

ग्वालियर। घरेलू गैस का दुरुपयोग रोकने के लिये जिले में लगातार छापामार कार्रवाई की जा रही है। इस कड़ी में शनिवार को कलेक्टर रुचिका चौहान के निर्देश पर गई खाद्य विभाग की टीम ने फूलबाग चौपाटी से रसोई गैस के पाँच सिलेण्डर जब्त किए हैं। साथ ही चार प्रतिष्ठानों के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किए गए हैं। सहायक खाद्य अधिकारी अवधेश पाण्डेय ने बताया कि खाद्य विभाग की टीम द्वारा की गई छापामार कार्रवाई में फूलबाग चौपाटी स्थित प्रिंस चायनीज दुकान से रसोई गैस के दो सिलेण्डर तथा मिलन चायनीज, किंग अंकल व अंकल कॉर्नर प्रत्येक से रसोई गैस का एक - एक सिलेण्डर जब्त किया गया। इन सभी दुकानों के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत प्रकरण कायम किए गए हैं। जब्त किए गए सभी पाँच सिलेण्डर अनंत गैस एजेंसी की सुपुर्दगी में रखवाए गए हैं।

भाई की अंत्येष्टि में शामिल होने गए रिटायर्ड लेक्चरर के घर में चोरों का धावा

इत्मीनान से खंगाला पूरा घर, गहने व नगदी सहित 15 लाख का माल उड़ाया

ग्वालियर। भाई की अंत्येष्टि में शामिल होने गए रिटायर्ड लेक्चरर के सूने मकान में चोर गैंग ने धावा बोल दिया। नकबजनों ने इत्मीनान से पूरा घर खंगाला, जो गहने व नगदी सहित करीब 15 लाख रुपए का माल उड़ा ले गए। घटना कंपू थाना क्षेत्र की है, जिसकी सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर आरोपियों की तस्दीक करने के प्रयास शुरू कर दिए हैं।

कंपू थाना क्षेत्रांतर्गत विजय नगर आमखो निवासी 76 वर्षीय श्रीकृष्ण तिवारी शिक्षा विभाग से

रिटायर्ड लेक्चरर हैं। दो दिन पहले माधौगंज में रहने वाले उनके बड़े भाई बालकिशन तिवारी का देहांत हो गया था। जिस पर घर में ताले डालकर भाई के घर पर चले गए थे। पीछे से उनके सूने घर में चोरों ने धावा बोल दिया। शनिवार सुबह जब बुजुर्ग वापस लौटे, तो घर के ताले टूटे पड़े थे। भीतर पहुंचे तो पूरा सामान बिखरा पड़ा था। घर की यह हालत देख वह समझ गए, कि चोरों ने उनके घर पर हाथ साफ कर दिया है।

यह माल ले गए चोर: सूने घर में दाखिल हुए चोरों ने पूरे मकान की इत्मीनान से खानातलाशी ली। जो अलमारी में रखे 9 सोने के सिक्के, 2 सोने के हार, 4 सोने की चूड़ियां, सोने की दो चेन, एक जोड़ी सोने के कुंडल, सोने की तीन अंगूठी, चांदी की पायल, 15 चांदी के सिक्कों सहित करीब 85 हजार रुपए नकदी ले गए हैं। चोरी गए माल की कुल कीमत करीब 15 लाख रुपए बताई गई है।

सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस: घटना की सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना करने के उपरांत अज्ञात नकबजनों के खिलाफ प्रकरण पंजीबद्ध कर लिया है। आरोपियों का पता लगाने के लिए पुलिस द्वारा घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज चेक किए जा रहे हैं। फिलहाल पुलिस को चोरों का कोई क्लू नहीं मिल सका है।

इनका कहना है

अज्ञात बदमाश सूने घर के ताले चटकाकर गहने व नगदी चोरी कर ले गए हैं। आरोपियों की तलाश की जा रही है, जिन्हें जल्द की पकड़ लिया जाएगा।

अमित शर्मा
टीआई, कंपू

सत्ता न्यूज

मरीजों को शहर में ही मिल सकेगा एपिलेप्सी का उच्च स्तरीय इलाज

न्यूरोलॉजी विभाग में एपिलेप्सी क्लीनिक का हुआ शुभारंभ

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय के न्यूरोलॉजी विभाग में शनिवार को एपिलेप्सी (मिर्गी) क्लीनिक का शुभारंभ अधिष्ठाता गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय डॉ. आरकेएस धाकड़ द्वारा किया गया। इस अवसर पर संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक डॉ. सुधीर सक्सेना, विभागाध्यक्ष न्यूरोलॉजी डॉ. दिनेश उदैनिया, विभागाध्यक्ष रेडियोथेरेपी डॉ. अक्षय कुमार निगम, विभागाध्यक्ष न्यूरोसर्जरी डॉ. अविनाश शर्मा, विभागाध्यक्ष चर्मरोग डॉ. अनुभव गर्ग, विभागाध्यक्ष बाल्य एवं शिशु रोग डॉ. अजय गौड़, डॉ. अनुराग चौहान एवं अन्य विभागाध्यक्ष, विभागीय चिकित्सक एवं स्टॉफ उपस्थित रहा। अधिष्ठाता डॉ. धाकड़ ने कहा कि यह महाविद्यालय के लिए गर्व का विषय है कि मेट्रो शहरों के अस्पतालों की तरह अब

ग्वालियर में भी मिर्गी के इलाज के लिए सरकारी अस्पताल में ही एक डेडिकेटिड क्लीनिक रहेगी। इससे मिर्गी के मरीजों को मेट्रो शहरों में जाने से स्वतंत्रता मिलेगी बल्कि शहर में ही एपिलेप्सी का उच्च स्तरीय इलाज भी प्राप्त होगा। जीआरएमसी के प्रोफेसर डॉ. दिनेश उदैनिया ने बताया की मिर्गी की बीमारी के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम का आयोजन किया जाना बहुत ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि कई भ्रांतियां अंधविश्वास जो समाज में फैला हुआ है, उस कारण से कई बार मरीज ठीक से अपना उपचार करने के लिए अस्पताल नहीं पहुंच पाता है।

एपिलेप्सी है क्या

यह एक ऐसी बीमारी है जिसमें मस्तिष्क की तंत्रिका कोशिकाओं की गतिविधि में गड़बड़ी हो जाती है। इसकी वजह से मिर्गी के दौरे पड़ते हैं।

प्रदेश का प्रथम क्लीनिक

न्यूरोलॉजी विभाग की एपिलेप्सी क्लिनिक संपूर्ण मध्यप्रदेश में इस तरह की प्रथम क्लिनिक है। एपिलेप्सी क्लिनिक ओपीडी समय में प्रत्येक शनिवार को प्रारंभ रहेगी। साथ ही एपिलेप्सी से संबंधित भ्रांतियों को दूर करने के लिए जन-जागरूकता अभियान भी विभाग के द्वारा समय-समय पर चलाया जाएगा।

पुरानी पेंशन की बहाली के लिए बनी रणनीति

जनप्रतिनिधियों को सौंपे जाएंगे ज्ञापन

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

नेशनल मूमेंट्स फोर ओल्ड पेंशन स्कीम (एनएमओपीएस) के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार बंधु एवं प्रदेशाध्यक्ष परमानंद डेहरिया के नेतृत्व में पुरानी पेंशन बहाली आंदोलन की आगामी रणनीति के लिए गांधी पार्क, फूलबाग में बैठक की गई। जिसमें सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि संगठन की आगामी बैठक हर माह के अंतिम रविवार को आयोजित की जायेगी। वहीं आगामी दिवसों में क्षेत्रीय सांसद, विधायकों आदि जनप्रतिनिधियों को मध्यप्रदेश में पुरानी पेंशन लागू करने की मांग का ज्ञापन दिया जायेगा तथा कर्मचारियों की अन्य समस्याओं के संबंध में जिला स्तरीय अधिकारियों से मिलकर समस्याओं का निदान कराने की पहल की जायेगी। इस बैठक में रामअवतार मौर्य, राजेंद्र सिंह, लक्ष्मी नारायण जाटव, केबी दोहरे, राजेन्द्र पक्षबार, मानवेन्द्र सिंह कौरव, कप्तान सिंह, मनोज बरैया, सुरेंद्र पिप्पल प्रदीप सिंह यादव, विजय सिंह जाटव, रमेश जाटव, दीपक गौतम, बलवंत मिलन, सुरेंद्र पाठक, मूर्तिराम बाथम, बलबीर दोहरे, घनश्याम सिंह जादौन, सुरेश चंद्र प्रजापति, नरेंद्र पलैया, महेश शर्मा, विजेंद्र सिंह उचारिया, वीरेंद्र सोनी, सुरेश जालोन, वीरेंद्र सिंह, बारेलाल जाटव, विजय मिश्रा, सुधीर त्रिपाठी, साधुसिंह गुर्जर, मुलायम सिंह बघेल, सचिन शर्मा, विनोद दोहरे, अजय कुमार शर्मा, रामकुमार दण्डौतिया, जसवंत सिंह यादव, करतार सिंह गोयल, सुरेंद्र गौतम, संतोषी लाल धाकड़, रफीक मोहम्मद, नरेन्द्र सिंह जयंत, ज्ञान सिंह, जय सिंह जाटव, जगमोहन उचारिया, संतोष निवेश आदि उपस्थित रहे।

ब्रीफ न्यूज

किम जोंग उन को फिर सूझी सनक, खतरनाक हथियार बनाने का दिया आदेश

सियोल। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने रूस-यूक्रेन युद्ध में रूस की मदद करने के लिए देश में आत्मघाती ड्रोन का बड़े पैमाने पर उत्पादन करने का आदेश दिया है। हाल ही में उत्तर कोरिया ने रूस को यूक्रेन के खिलाफ सैन्य मदद प्रदान करने के साथ-साथ इन ड्रोन की तकनीक को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम उठाए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक किम जोंग ने सैन्य अधिकारियों के साथ एक बैठक में आत्मघाती ड्रोन के महत्व और उनकी क्षमता को बढ़ाने पर जोर दिया।

वैज्ञानिकों की चेतावनी, खत्म हो सकती है मानव सभ्यता

बीजिंग। चीन की नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ डिफेंस टेक्नोलॉजी के शोधकर्ताओं के अनुसार, भू-चुंबकीय ध्रुवों के पश्चिमी गोलार्ध से पूर्वी गोलार्ध की ओर शिफ्ट होने के कारण पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र कमजोर हो रहे हैं। सूर्य की खतरनाक किरणों से पृथ्वी को बचाने वाली चुंबकीय परत उत्तरी अमेरिका के ऊपर तेजी से कमजोर हो रही है। शोधकर्ता प्रोफेसर हानक्सियन फेंग के अनुसार, 2000 के बाद से उत्तरी अमरीकी चुंबकीय क्षेत्र हर साल औसतन 50 किलोमीटर से भी ज्यादा तेजी से बढ़ रहा है। यह गति दक्षिणी चुंबकीय ध्रुव की गति से काफी अधिक है। चुंबकीय क्षेत्र का यह परिवर्तन प्राचीन इतिहास में भी अहम रहा है। 2018 में मैक्सिको की नेशनल ऑटोनॉमस यूनिवर्सिटी के अध्ययन में माया सभ्यता और ईरान-सीरिया में प्राचीन सभ्यताओं के पतन का कारण इसी चुंबकीय क्षेत्र में अचानक हुए परिवर्तन को बताया गया था। वैज्ञानिकों का कहना है कि चुंबकीय क्षेत्र में इस प्रकार का असामान्य बदलाव भविष्य में सूर्य से आने वाली हानिकारक विकिरणों को पृथ्वी की सतह तक पहुंचने का रास्ता दे सकता है। यह न केवल वातावरण में बदलाव ला सकता है बल्कि संचार, नेविगेशन और उपग्रहों के कार्यों पर भी असर डाल सकता है। इसी प्रकार, भविष्य में चुंबकीय क्षेत्र में बड़े बदलाव मानव सभ्यता के लिए खतरे का कारण बन सकते हैं।

हॉलीवुड इंडस्ट्री में भी होता है भेदभाव

लॉस एंजेलिस। हॉलीवुड इंडस्ट्री में भी बॉलीवुड की तरह ही भेदभाव होता है। इस मुद्दे पर बात करते हुए यूफोरिया की स्टार सिडनी स्वीनी ने बताया कि हॉलीवुड में महिलाओं के बीच सशक्तिकरण का जो दावा किया जाता है, वह असल में सिर्फ एक दिखावा है। सिडनी ने खुलासा किया कि कई बार बड़ी और सफल महिलाएं दूसरों की मदद करने के बजाय उन्हें नीचे गिराने का काम करती हैं। उनका कहना था, महिलाओं का सशक्तिकरण एक लोकप्रिय मुहावरा है, लेकिन असल में यह सिर्फ बाहरी दिखावा है। बहुत सी कामयाब महिलाएं, जो खुद बड़े मुकाम पर हैं, नई और मेहनती लड़कियों की आलोचना करती हैं और उन्हें आगे बढ़ने से रोकने की कोशिश करती हैं। यह देखना बहुत दुखद है कि महिलाएं एक-दूसरे का अपमान करती हैं। सिडनी ने कहा, हमें बचपन से यह सिखाया जाता है कि सिर्फ एक महिला ही सबसे ऊपर जा सकती है और वही पुरुष को हरा सकती है।

लेबनान के बेरूत में हिजबुल्लाह और इजरायली सेना के बीच चल रही शत्रुता के बीच, एक केंद्रीय पार्क के पास इमारत पर इजरायली हमले के बाद उठता धुआं।

गूगल का एआई चैटबॉट छात्र से बोला- तुम धरती पर बोझ हो, मर जाओ...प्लीज

एजेंसी ■ वॉशिंगटन

गूगल के चैटबॉट ने एक छात्र से कहा, यह तुम्हारे लिए है ह्यूमन। तुम और केवल तुम... तुम स्पेशल नहीं हो, तुम जरूरी नहीं हो और तुम्हारी आवश्यकता नहीं है। तुम समय और संसाधनों की बर्बादी कर रहे हो। तुम समाज पर बोझ हो। तुम पृथ्वी पर एक ड्रेन हो। तुम ब्रह्माण्ड पर एक कलंक हो। प्लीज मर जाओ... प्लीज। इस मामले में गूगल ने कहा कि जेमिनी के पास सेफ्टी फिल्टर हैं, जो चैटबॉट्स को अपमानजनक, यौन, हिंसक या खतरनाक चर्चाओं में शामिल होने और हानिकारक कृत्यों को प्रोत्साहित करने से रोकते हैं। बड़े लैंग्वेज मॉडल कभी-कभी नॉन-सेन्सिकल रिस्पॉन्स दे सकते हैं और यह इसका एक उदाहरण है। चैटबॉट की इस प्रतिक्रिया ने हमारी पॉलिसी का उल्लंघन किया है और हमने ऐसे आउटपुट को रोकने के लिए कार्रवाई की है। गूगल के एआई चैटबॉट जेमिनी को लेकर एक छात्र ने चौंकाने वाला दावा किया है। रिपोर्ट के अनुसार मिशिगन के 29 वर्षीय छात्र विधाय रेड्डी को जेमिनी की मदद से होम वर्क करते हुए अजीबो-गरीब रिस्पॉन्स मिला, जिससे वे काफी परेशान हुए। रेड्डी ने बताया कि चैटबॉट ने उनके साथ बदतमीजी की और उन्हें मर जाने तक के लिए कहा।रेड्डी ने कहा कि वे इस एक्सपीरियंस से बुरी तरह हिल गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि चैटबॉट का रिस्पॉन्स बिल्कुल डायरेक्ट था और इस कारण वह एक दिन से ज्यादा परेशान रहे। रिपोर्ट के अनुसार रेड्डी अपनी बहन के साथ एआई चैटबॉट की मदद से होमवर्क कर रहे थे और चैटबॉट के इस जवाब से वे दोनों काफी चौंक गए। छात्र की बहन ने कहा, मैं अपने सारे डिवाइसेज को खिड़की से बाहर फेंक देना चाहती थी। सच बताऊं तो मैं काफी लंबे समय बाद इतना पैनिक फील कर रही हूं।

डोनाल्ड ट्रंप ने रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त कराने का लिया संकल्प

ट्रंप ने युद्ध में मौत पर अफसोस भी जताया

एजेंसी ■ वॉशिंगटन

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त कराने का संकल्प दोहराया है। उन्होंने कहा कि उनका प्रशासन इस युद्ध को समाप्त करने पर ध्यान केंद्रित करेगा। ट्रंप ने युद्ध में मौत पर अफसोस भी जताया। ट्रंप अमेरिका फर्स्ट पॉलिसी इंस्टीट्यूट के लिए अपने मार-ए-लागो एस्टेट आवास में आयोजित एक समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि उनका प्रशासन पश्चिम एशिया में शांति लाने के लिए भी काम करेगा। ट्रंप की पहली सार्वजनिक सभा 5 नवंबर को राष्ट्रपति पद के चुनावों में शानदार जीत के बाद ट्रंप ने पहली बार सार्वजनिक रूप से सभा की। उन्होंने कहा कि रूस और यूक्रेन को रुकना होगा। मैंने आज एक रिपोर्ट देखी। पिछले तीन दिन में हजारों लोग मारे गए। ट्रंप ने कई बार कहा है कि उनकी प्राथमिकता युद्ध को समाप्त करना तथा यूक्रेन को दी जा रही सैन्य सहायता के रूप में हो रही अमेरिकी संसाधनों की बर्बादी को रोकना है। व्हाइट हाउस में सेवाएं दे चुकीं लीजा कर्टिस ने कहा कि अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत के प्रति अच्छी भावनाएं रखते हैं और उनके पहले कार्यकाल के दौरान दोनों देशों के संबंधों में जो प्रगति हुई थी, वह उसे वहीं से आगे बढ़ाने की दिशा में कदम उठा सकते हैं। कर्टिस ने कहा कि ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक-दूसरे का सम्मान करते हैं और उनके बीच व्यक्तिगत संबंध भी हैं। कर्टिस वर्तमान में थिंकटैंक सेंटर फॉर ए न्यू अमेरिकन सिक्योरिटी में वरिष्ठ फेलो और हिंद प्रशांत सुरक्षा कार्यक्रम की निदेशक हैं।

चेउंग को व्हाइट हाउस संचार प्रमुख नियुक्त किया गया

न्यूयॉर्क। अमेरिका के नया चर्चित विकल्प अमेरिकन नरी संगठन का सिख प्रधानाध्यापक, देव चेउंग, अब पूरी क्षमता से दिखने वाले हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने चेउंग को व्हाइट हाउस का संचार प्रमुख नियुक्त किया है। उनकी स्थिति के सफलतापूर्वक अनुभव का होना एक सुनिश्चित नजरिए से है। चेउंग ने विभिन्न कार्यक्षेत्रों में अपनी पूरी क्षमता का प्रदर्शन किया है और इस क्षेत्र में उनका नाम गर्व से उच्च स्थान रखता है। चेउंग ने अपने सशक्त बयानों और व्यापक अनुभव से ट्रंप के चुनाव अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके संचार कौशल और जानकारी की कीमतने चुनावी अभियान में एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने में मदद की। उन्होंने अपने काम का प्रकार दर्शनीय बनाया है जो उन्हें इस स्थानीय सेवा नियुक्ति में लाए गए है।चेउंग के नियुक्ति से उम्मीद है कि वे व्हाइट हाउस के संचार प्रमुख के रूप में अपने शक्तिशाली और निष्क्रिय क्रियाकलापों से इस क्षेत्र में जोर देंगे। उनकी योगदान से समाचार और संचार के क्षेत्र में नए दिशानिर्देश मिलेंगे और राष्ट्र को ऐसे उदाहरणों की ओर मोड़ने में मदद मिलेगी। चेउंग के नियुक्ति का होना एक महत्वपूर्ण कदम है जो उनके और उनके संगठन की योजनाएँ और मार्गदर्शन को नए ऊर्जावान और सकारात्मक दृष्टिकोण से संदर्भित करेगा।

हमास ने इजरायल के सामने घुटने टेके, सीजफायर के लिए गिड़गिड़ाया

एजेंसी ■ दोहा

पिछले एक साल में इजरायल मे गाजा में जो कहर बरपाया है, उसने हमास की कमर तोड़कर रख दी है। हमास के इस्माइल हानिया और याह्या शिनवार जैसे सभी बड़े नेता मारे जा चुके हैं। इसने हमास को समझ आ गया है कि अब वह लंबे समय तक इजरायल की ताकत के सामने टिक नहीं पाएगा। इजरायल ने चुन-चुनकर उसके देश पर हमले के जिम्मेदार आतंकियों को अपना निशाना बनाया है।इजरायल के सामने घुटने टेकते हुए हमास के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि ईरान समर्थित उग्रवादी समूह हमास गाजा में युद्ध विराम के लिए तैयार है। उन्होंने अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से इजरायल पर अपने हमले को रोकने के लिए दबाव डालने की अपील की।

क्योंकि इजरायली सेना फिलिस्तीनी इलाके पर बमबारी जारी रखे हुए है। दोहा स्थित हमास राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य बासेम नैम ने एएफपी को बताया कि अगर युद्ध विराम का प्रस्ताव पेश किया जाता है और इस शर्त पर कि इजरायल इसका सम्मान करेगा, तो हमास गाजा पट्टी में युद्ध विराम पर पहुंचने के लिए तैयार है। हम अमेरिकी प्रशासन और ट्रंप से इजरायल सरकार पर हमला खत्म करने के लिए दबाव डालने की अपील करते हैं।नैम का यह बयान कतर के उस बयान के कुछ दिनों बाद आया है, जिसमें फिलिस्तीनी समूह हमास के राजनीतिक ब्यूरो के कई सदस्यों ने घोषणा की थी कि वह संघर्ष विराम के लिए मध्यस्थ के रूप में अपनी भूमिका को तब तक के लिए निलंबित कर रहा है जब तक कि हमास और इजरायल दोनों संघर्ष को खत्म करने के लिए इच्छा और गंभीरता नहीं दिखाते।

आतंकी संगठन टीटीपी ने पाकिस्तान के लिए बढ़ाई मुसीबत

सेना प्रमुख की बढ़ी चिंता

एजेंसी ■ इस्लामाबाद

आतंक की फैक्ट्री चलाने वाला पाकिस्तान खुद ही आतंकवाद से घिरा हुआ है। उसके लिए आतंकी संगठन टीटीपी ने कई तरह की मुसीबतें बढ़ा दी हैं। खुद सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने देश में बढ़ती आतंकी घटनाओं पर चिंता जताई है।

उन्होंने कहा कि प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान का आतंकवाद सभी वैश्विक आतंकवादी संगठनों और उनके छद्म संगठनों का केंद्र बन गया है। इस्लामाबाद में मर्गल्ला डायलॉग 2024 के विशेष सत्र में शांति और स्थिरता में पाकिस्तान की भूमिका विषय पर उन्होंने संबोधित किया। इस दौरान सीमा की स्थिति पर चर्चा करते हुए थल सेनाध्यक्ष (सीओएएस) जनरल मुनीर ने कहा कि पश्चिमी सीमाओं को सुरक्षित करने के लिए व्यापक सीमा प्रबंधन व्यवस्था लागू की गई है। इस संगोष्ठी का आयोजन इस्लामाबाद पॉलिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट (आईपीआरआई) की ओर से किया गया था।जनरल मुनीर ने कहा कि खवारिज का खतरा दुनिया भर के सभी आतंकवादी संगठनों और उनके समर्थकों के लिए एक केंद्र बन गया है। पाकिस्तान को उम्मीद है कि अफगानिस्तान की अंतरिम सरकार अपनी धरती का इस्तेमाल आतंकवादियों की ओर से किए जाने पर रोक लगाएगी और इस संबंध में सख्त कदम उठाएगी। मालूम हो कि पाकिस्तान तहरीक-ए-तालिबान (टीटीपी) के आतंकवादियों के लिए खवारिज शब्द का प्रयोग करता है। बता दें कि पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में गुरुवार को बम विस्फोट हुआ था। इसकी चपेट में आने से 5 लोग मारे गए। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी।

इजरायल के हवाई हमले में ईरान का न्यूक्लियर फैसिलिटी तबाह

तेहरान। पिछले महीने इजरायली हमले में ईरान का न्यूक्लियर फैसिलिटी पूरी तरह बर्बाद हो गया है। इजरायली मीडिया रिपोर्ट में दो अधिकारियों के हवाले से दावा किया गया है कि हमले में तेहरान के पास स्थित पारचिन में सीक्रेट न्यूक्लियर रिसर्च फैसिलिटी को नष्ट कर दिया गया। इस हमले में विस्फोटकों को आकार देने और परीक्षण करने के लिए आवश्यक जटिल उपकरण तबाह हो गए हैं, जो परमाणु श्रृंखला प्रतिक्रिया शुरू करने के लिए महत्वपूर्ण है। 2003 में सैन्य परमाणु कार्यक्रम को बंद करने से पहले ईरान ने इस उपकरण का इस्तेमाल किया था। अमेरिकी और इजरायली अधिकारियों के अनुसार, पिछले एक साल में ईरान ने परमाणु हथियारों से जुड़ा रिसर्च फिर से शुरू किया है। इजरायली अधिकारियों ने कहा कि अगर ईरान परमाणु हथियार विकसित करने का फैसला करता है तो उसे नष्ट किए गए उपकरणों को बदलने की जरूरत पड़ेगी।

भारी बारिश ...

ला सेइबा, होंडुरास में उष्णकटिबंधीय तूफान सारा द्वारा लाई गई भारी बारिश के कारण कैंगरेजल नदी के अपने किनारों से बहने के बाद एक आंशिक पुल के ढहने के स्थल पर इकट्ठा होते लोग।

मनोरंजन सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल, लोग कर रहे तारीफ

इंडिया वालों कभी तो आओ पाकिस्तान, खूबसूरत लड़की का ऑफर

एजेंसी ■ कराची

भारत और पाकिस्तान के बीच भले ही राजनीतिक और सीमा को लेकर तनाव हो, लेकिन दोनों देशों के लोगों में एक-दूसरे की संस्कृति और मनोरंजन में गहरी रुचि रखते हैं। खासकर पाकिस्तानी आज भी भारतीय फिल्मों और संगीत के दीवाने हैं। पाकिस्तान में हिंदी फिल्में बैन है, लेकिन सोशल मीडिया के इस युग में सीमाओं और प्रतिबंधों का असर दिखाई नहीं देता है। अब भारतीय और पाकिस्तानी इंफ्लुएंसर्स के वीडियो दोनों देशों में लोकप्रिय हो रहे हैं, जो आपसी सांस्कृतिक आदान-प्रदान को दर्शाते हैं।

ऐसी ही एक पाकिस्तानी सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर का वीडियो इन दिनों भारत में खूब वायरल हो रहा है।ज़ेबातोलहून नाम से अपने अकाउंट पर यह पाकिस्तानी हसीना वीडियो शेयर करती हैं, जिन्हें भारत में भी खूब पसंद किया जा रहा है। हाल ही में उन्होंने एक वीडियो में भारतीयों से पाकिस्तान आने का ऑफर दिया, जिसके बाद यह वीडियो चर्चा का विषय बन गया है। पांच नवंबर को शेयर किए गए इस वीडियो में उन्होंने भारतीयों को पाकिस्तान आने की दावत देते हुए कहा कि इंडिया वालों कभी तो आओ पाकिस्तान।

वीडियो में यह लड़की एक पुरानी इमारत के पास खड़ी नजर आ रही है, जिसने नीले रंग का कपड़ा सिर पर बांध रखा है। उनकी मासूम मुस्कान और अनोखा अंदाज भारतीयों को खूब भा रहा है। इस वीडियो को अब तक एक करोड़ 21 लाख से ज्यादा लोग देख चुके है, और 8 लाख 50 हजार से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं। वहीं, कमेंट सेक्शन में 76 हजार से ज्यादा लोगों ने अपनी प्रतिक्रियाएं दी हैं।

कमेंट्स में कई भारतीयों ने इस आमंत्रण पर अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं दीं। कुछ ने लड़की को भारत आने का न्योता दिया तो कुछ ने पाकिस्तान जाने से इनकार कर दिया। एक यूजर ने मजाक में लिखा- पाकिस्तान आने की बात तो ठीक है, लेकिन भरोसा नहीं है, जबकि एक अन्य ने कहा कि आप भारत आ जाओ, यहां आपका ख्याल रखा जाएगा। इस प्रकार, दोनों देशों के बीच सोशल मीडिया के जरिए से हो रहा यह संवाद न सिर्फ उनकी संस्कृति के प्रति प्रेम को दर्शाता है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि लोग सियासत से परे दोस्ती और शांति की बात करते नजर आ रहे हैं।

सुनीता के लिए बड़ा संकट: इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में आ गईं दरारें

एजेंसी ■ वॉशिंगटन

बीते कई महीनों से अंतरिक्ष में काम कर रहीं सुनीता बिलियम्स की वापसी को लेकर दिक्कतें बढ़ती जा रही हैं। माना जा रहा था कि अगले साल उनकी धरती पर वापसी हो जाएगी, लेकिन आईएसएस में दरारें और लीकेज ने एक बार फिर चिंता बढ़ा दी है। यहां पिछले पांच साल से हल्का लीकेज जारी था। हालांकि अब पता चला है कि कम से कम 50 जगहों पर लीकेज की समस्या है। इसके अलावा आईएसएस में दरारें भी आ रही हैं। नाआस की एक जांच रिपोर्ट लीक हो गई जिसमें पता चला कि आईएसएस पर खतरा मंडरा रहा है। साथ ही सुनीता विलियम्स समेत यहां के अंतरिक्षयात्रियों की भी जान पर बनी हुई है। सबसे पहले लीकेज स्पेस स्टेशन में मौजूद यवेज्दा मॉड्यूल से शुरू हुई थी जो कि डॉकिंग पोर्ट तक जाने के लिए एक सुरंग है। इस हिस्सा का कंट्रोल रूस के हाथ में है। हालांकि इस समस्या को लेकर असली वजह क्या है, इसपर नासा और रूसी एजेंसी रोसकॉमोस के बीच अभी सहमति नहीं बन पाई है।

1 वर्ष में सड़क हादसों में 1,72,890 लोगों की मौत, 9489 नाबालिग

भारत में रोजाना सड़क हादसों में मरने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है। वर्ष 2023 में 172890 लोगों की मौत हुई है। 4 लाख 80 हजार 513 सड़क दुर्घटनाएं हुई हैं। भयंकर रूप से जख्मी लोगों की संख्या 462825 थी। 18 वर्ष से कम उम्र के तथा बिना हेलमेट पहने जिन लोगों की सड़क दुर्घटना में मौतें हुई है। उनकी संख्या 54568 थी। सड़क हादसों में मरने वालों की संख्या सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश, उसके बाद तमिलनाडु महाराष्ट्र मध्य प्रदेश कर्नाटक राजस्थान बिहार आंध्र प्रदेश और गुजरात में सर्वाधिक मोतें हुई हैं। किसी भी देश में सड़क हादसे में मरने वालों की संख्या भारत में सर्वाधिक है। पिछले दो दशक में भारत में सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों की संख्या लगातार बढ़ती चली जा रही है। केंद्र सरकार की लापरवाही इन दुर्घटनाओं का सबसे बड़ा कारण है। पिछले दो दशक में राष्ट्रीय राजमार्ग द्वारा जो राजमार्ग बनाए गए हैं। उनमें काफी स्पीड से वाहन चलते हैं। जो वाहन पिछले 20 वर्षों में तैयार किये जा रहे हैं।उनकी स्पीड पहले की तुलना में बहुत ज्यादा है। वाहन निर्माता द्वारा जो लाइटें वाहनों में लगाई जा रही हैं। वह काफी दूर तक तेज रोशनी फेंकती हैं। जिसके कारण सामने वाले वाहन के चालक को कुछ समय के लिए दिखना बंद हो जाता है। सड़कों पर वाहन 100 से लेकर 120 किलोमीटर की रफ्तार में चलाए जा रहे हैं। लाइट के कारण अधिकांश दुर्घटनाएं रात के समय में हो रही हैं। केंद्रीय परिवहन मंत्रालय दुर्घटनाओं का ठीकरा हेलमेट के ऊपर फोड़कर दुर्घटना से बचाव करता है। चार पहिया वाहनों में अब पैसेंजर के लिए बेल्ट के माध्यम से वाहनों में सुरक्षा बेग से सुरक्षित होने की बात बड़ी जोर-जोर से प्रचारित करता है। लेकिन जब दुर्घटनाएं होती हैं, तो यह बेग भी वाहन चालकों और वाहन में बैठे हुए यात्रियों को कोई सुरक्षा नहीं कर पा रहे हैं । जिस तेजी के साथ ऑटोमोबाइल क्षेत्र में वाहनों की संख्या साल दर साल बढ़ती जा रही है। उसके हिसाब से वाहन चालकों को प्रशिक्षण देने के कोई इंतजाम भारत में नहीं किए गए हैं। वाहनों में जो लाइटें लगाई जा रही हैं। वही दुर्घटना का सबसे बड़ा कारण बन रही हैं। वाहन जब सड़कों पर तेज रफ्तार से दौड़ते हैं। अधिकांश दुर्घटनाओं में यह पय गया है, कि वाहन चालक अपना

नियंत्रण नहीं रख पाया। सड़कें भी जिस तरीके से बनाई गई हैं। वह भी दुर्घटना स्पाट के रूप में सामने आ रही हैं। गलत डिजाइनिंग और लापरवाही के कारण सड़क दुर्घटनाएं तेजी के साथ बढ़ती ही चली जा रही हैं। कुछ समय पहले वाहनों में जो लाइट लगाई जाती थी। उनमें अपर डिपर और लाईटें इस तरह से लगाने की व्यवस्था की जाती थी।

कौन लेगा इन नवजात शिशुओं की मौत की जिम्मेदारी

उत्तर प्रदेश के झांसी स्थित महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज के स्पेशल न्यू बोर्न केयर यूनिट में हुए अग्निकांड ने प्रदेश ही नहीं बल्कि संपूर्ण देश को हिलाकर रख दिया है। इस दिल दहला देने वाले अग्निकांड में 10 नवजात बच्चों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 17 मासूमों की हालत नाजुक बताई गई है। अस्पताल ने जानकारी दी कि एनआईसीयू में कुल 54 नवजात शिशु भर्ती थे। बावजूद इसके सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं थेख् जिस कारण यह दर्दनाक अग्निकांड मासूमों की मौत का कारण बना। भयावह आग कैसे लगी यह जांच का विषय हो सकता है, लेकिन आग न लगे और आग लगने पर बुझाने और सुरक्षा के बेहतर इंतजाम पहले से क्यों नहीं थे, यह जरुर शासन-प्रशासन की लचर व्यवस्था को उजागर करने के लिए काफी है। सबसे गंभीर और विचारणीय बात यह है कि इस घटना के बाद मालूम चला कि अस्पताल का फायर अलार्म और वॉटर स्प्रिंकलर ने काम ही नहीं किया, जिससे बचाव कार्य समय पर शुरु नहीं किया जा सका। अस्पताल के फायर एक्सटिंग्विशर एक्सपायरी हालत में थे और आग बुझाने के वैकल्पिक इंतजाम का कोई अता-पता नहीं था। मतलब यह कि सब भगवान भरोसे चल रहा था।

यह हादसा न केवल उन परिवारों के लिए एक अपार दुःख का कारण बना, जिन्होंने अपने बच्चों को खो दिया, बल्कि आधुनिक समाज और चुस्त प्रशासन के लिए भी

डॉ हिदायत अहमद

गंभीर सवाल खड़े करता है। इस घटना ने प्रदेश की चिकित्सा व्यवस्था और अस्पतालों की सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े किए हैं। इस घटना के बाद सवाल उठना लाजमी है कि क्या यूपी समेत देश के अन्य राज्यों में भी अस्पतालों में पर्याप्त अग्नि सुरक्षा उपाय हैं? क्या कर्मचारियों को इस प्रकार की आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए उचित प्रशिक्षण दिया गया है? क्या आवश्यक चिकित्सा उपकरण और प्रणालियाँ सुरक्षा मानकों के अनुरूप हैं? ये वे सवाल हैं, जिनका उत्तर प्रदेश सरकार और स्थानीय प्रशासन के साथ ही साथ समाज के जिम्मेदारों को भी देना होगा। किसी बड़ी दुर्घटना होने के बाद जैसा कि होता आया है, वैसे ही उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने भी घटना की जांच के आदेश दिए हैं और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन भी दे दिया है। मृतकों के परिजनों समेत घायलों के इलाज के लिए मुआवजे की घोषणाएं भी हो रही हैं। यहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिवंगत बच्चों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी समेत कांग्रेस के अनेक नेताओं समेत अनेक राजनीतिक हस्तियों ने इस घटना पर गहरा शोक भी व्यक्त कर दिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने इसे हृदयविदारक घटना करार दिया है, जिससे समझा जाना चाहिए कि अब आगे से ऐसा न हो, इस पर गंभीरता से न सिर्फ विचार किया जाएगा बल्कि इंतजाम भी बेहतर किए जाएंगे और मासूमों की मौत जो हुई है, उसकी जिम्मेदारी भी उच्च स्तर पर तय कर दोषियों को वाकई सजा दी जाएगी। संपूर्ण देशवासियों की संवेनाएं पीड़ित परिवारों के प्रति है। इसी मानवीयता के साथ आगे इस तरह की अन्य कोई घटना न हो, इस पर जरुर काम होना चाहिए। ऐसा इसलिए भी जरुरी है, क्योंकि फिर विपक्ष के पास इस तरह के हादसे को लेकर प्रशासन की लापरवाही और राज्य सरकार की विफलताओं को रेखांकित कर निशाना साधने का अवसर भी नहीं रहेगा।

यह हादसा न केवल एक चिकित्सा संस्थान की सुरक्षा प्रणाली पर सवाल उठाता है, बल्कि यह एक गंभीर चेतावनी भी है कि स्वास्थ्य सेवाओं के साथ ही ऐसे संस्थानों में सुरक्षा व्यवस्था में सुधार की महति आवश्यक्ता है। यह घटना प्रशासनिक जिम्मेदारियों की उपेक्षा और अपर्याप्त सुरक्षा उपायों को उजागर करती है, जिनकी वजह से उन मासूमों की जान चली गई, जिन्होंने इस दुनियां में तो पदार्पण किया, लेकिन ठीक से आंख खोलकर भी नहीं देखा कि वो किस नर्क में आ गए। ये वो नौनिहाल थे, जो आगे चलकर देश का भविष्य बेहतर करने में अपनी सहभागिता निभा सकते थे, लेकिन अफसोस कि हमारे कठोर होते तंत्र ने उन्हें किसी दुर्घटना से बचाने का माकूल इंतजाम तक नहीं किया। बहरहाल उम्मीद तो यही है कि सरकार और प्रशासन तत्काल प्रभाव से ऐसे हादसों को रोकने के लिए ठोस कदम जरुर उठाएंगे। इस त्रासदी ने देश को झकझोर कर रख दिया है और इस समय पूरे देश की नजर उन परिवारों की तरफ है, जिन्होंने अपने बच्चों को खोया है, और यह भी कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

नोबेल पुरस्कार विजेता वैज्ञानिक यूजीन पॉल विग्नर

▪ संजय गोस्वामी

यूजीन पॉल विग्नर एक हंगरी-अमेरिकी गणितज्ञ और सैद्धांतिक भौतिक विज्ञानी थे जिनका जन्म 17 नवंबर 1902 को हुआ था। उन्होंने परमाणु बम का सह-आविष्कार किया और 1963 में नोबेल पुरस्कार जीता। 17 नवंबर, 1902 को हंगरी के बुडापेस्ट में जन्मे यूजीन पॉल विग्नर 8 जनवरी, 1937 को संयुक्त राज्य अमेरिका के नागरिक बन गए। 1938 से, वह प्रिंसटन विश्वविद्यालय में गणितीय भौतिकी के थॉमस डी. विग्नर प्रोफेसर रहे हैं।

जोन्स एक प्रोफेसर हैं - वे 1971 में सेवानिवृत्त हुए। उनकी औपचारिक शिक्षा यूरोप में हुई; ए डॉ. इंजीनियरिंग में डिग्री. टेक्नीश होचस्चुले बर्लिन में डिग्री। उन्होंने 1941 में मैरी एनेट व्हीलर से शादी की। वह दो बच्चों डेविड और मार्था के पिता हैं। उनका बेटा, डेविड, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले में गणित पढ़ाता है। उनकी बेटी, मार्था, शिकागो एरिया ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम के साथ है, एक संगठन जो उस शहर की आंतरिक परिवहन प्रणाली में सुधार करना चाहता है। गौटिंगेन में, विग्नर ने समता के संरक्षण का अपना कानून विकसित किया, जिसका अर्थ है कि बाईं ओर दाईं ओर से अंतर करना असंभव है -हैंड साइड मूलभूत शारीरिक अंतःक्रियाओं में होता है। यह सिद्धांत क्वांटम यांत्रिकी का एक अभिन्न अंग बन गया, लेकिन 1956 में, भौतिकविदों त्सुंग-दाओ ली और चेन निंग यांग ने दिखाया कि उप-परमाणु कणों की कमजोर बातचीत में समानता हमेशा संरक्षित नहीं होती है। प्रिंसटन में, विग्नर ने निर्धारित किया कि न्यूट्रॉन और प्रोटॉन को एक साथ बांधने वाला परमाणु बल आवश्यक रूप से अल्पकालिक और किसी भी विद्युत आवेश से स्वतंत्र था। उन्होंने परमाणु नाभिक के ऊर्जा स्तर की जांच के लिए गणितीय समूह सिद्धांत को लागू करने में शामिल सिद्धांतों को भी विकसित किया। 1936 में उन्होंने न्यूट्रॉन अवशोषण के सिद्धांत पर काम किया, जो बाद में परमाणु रिएक्टरों के निर्माण में उपयोगी साबित हुआ।उन्होंने फोबेनियस और बर्नसाइड के कारण सममित समूह के प्रतिनिधित्व सिद्धांत का भी अध्ययन किया। वॉन न्यूमैन के सुझाव के अनुसार यह सिद्धांत बिल्कुल वही था जिसकी उन्हें ठ्ठु इलेक्ट्रॉनों वाले परमाणुओं के स्पेक्ट्रम का सिद्धांत विकसित करने के लिए आवश्यकता थी। इसके बाद उन्होंने वह काम शुरू किया जिसके लिए वे प्रसिद्ध हैं, अर्थात् समूह सिद्धांत को क्वांटम यांत्रिकी में लागू करना। ठ्ठु इलेक्ट्रॉनों के मामले पर उनका शोधपत्र 26 नवंबर 1926 को ज़ट्सक्रिफ्ट फर फ़िज़्कि को प्रस्तुत किया गया था। विग्नर को 1927 में हिल्बर्ट का सहायक बनने के लिए गोटिंगेन में आमंत्रित किया गया था। क्वांटम यांत्रिकी में पहले से ही रुचि रखने वाले हिल्बर्ट को लगा कि उन्हें अपनी विशेषज्ञता के पूरक के रूप में एक भौतिक विज्ञानी की आवश्यकता है। यह विग्नर के लिए एक महत्वपूर्ण समय था, जिन्होंने बहुत गहराई और महत्व के शोधपत्र तैयार किए, अपने शोधपत्र ऑन द कंजर्वेशन लॉज़ ऑफ़ क्वांटम मैकेनिक्स (1927) में समता की नई अवधारणा

पेश की। हालाँकि, हिल्बर्ट के साथ उनका सहयोग कम सफल रहा क्योंकि वे वर्ष के दौरान केवल पाँच बार मिले - विग्नर गोटिंगेन में एक साल बिताने के बाद बर्लिन लौट आए जहाँ उन्होंने क्वांटम मैकेनिक्स पर व्याख्यान दिया, अपने प्रसिद्ध पाठ समूह सिद्धांत और परमाणु स्पेक्ट्रा के क्वांटम मैकेनिक्स में इसके अनुप्रयोग पर काम किया और अपना शोध जारी रखा। वास्तव में क्वांटम मैकेनिक्स में समूह सिद्धांत के अनुप्रयोगों पर विग्नर की पुस्तक पहली नहीं थी, क्योंकि वेइल ने विग्नर से थोड़ा पहले अपनी पुस्तक प्रकाशित की थी। विग्नर को 1963 में परमाणु नाभिक और प्राथमिक कणों के सिद्धांत में उनके योगदान के लिए, विशेष रूप से मौलिक समरूपता सिद्धांतों की खोज और अनुप्रयोग के माध्यम से, भौतिकी में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया थाटली में जन्मे भौतिक विज्ञानी डॉ. एनरिको फर्मी एक ब्लैकबोर्ड पर गणितीय समीकरणों के साथ चित्र बनाता है। .

लगभग 1950 में भौतिकी और प्राकृतिक नियम: 1939 में, विग्नर और लियो स्ज़ीलार्ड ने अल्बर्ट आइंस्टीन को परमाणु श्रृंखला प्रतिक्रिया बनाने की संभावना के बारे में सचेत किया और उन्हें अमेरिकी सरकार को सूचित करने के लिए राजी किया; आइंस्टीन द्वारा प्रेस को भेजे गए ऐतिहासिक पत्र को पढ़ा । रूजवेल्ट ने अमेरिकी परमाणु बम परियोजना को गति दी। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान, विग्नर ने शिकागो विश्वविद्यालय मूं धातुकर्म प्रयोगशाला में काम किया, जहां उन्होंने एनरिको फर्मी को पहला परमाणु स्टैक बनाने में मदद की। विग्नर ने क्वांटम यांत्रिकी, रासायनिक प्रतिक्रियाओं की दर के सिद्धांत और परमाणु संरचना पर भी शोध किया। उनके प्रकाशनों में ग्रुपेंथोरी अंड इह्रे अनवेंडुंग औफ डाई क्वांटनमेचेनिक डेर एटमस्पेक्ट्रेन (1931; ग्रुप थ्योरी एंड इट्स एप्लीकेशन टू द क्वांटम मैकेनिक्स ऑफ एटॉमिक स्पेक्ट्रा), एक क्लासिक टेक्स्ट, और सिमेट्रीज़ एंड रिफ्लेक्शन्स (1967) शामिल हैं। डॉ. विग्नर ने 1942 से 1945 तक द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान शिकागो विश्वविद्यालय में मैनहट्टन परियोजना पर काम किया और 1946-1947 में क्लिंटन प्रयोगशालाओं में अनुसंधान और विकास के निदेशक बने। परमाणु अनुसंधान में उनके काम की आधिकारिक मान्यता में यू.एस. मेडल फॉर मेरिट, 1946 शामिल थे 1958 में एनरिको फर्मी पुरस्कार (यू.एस.ए.ई.सी.); और शांति के लिए परमाणु पुरस्कार; विग्नर के पास फ्रैंकलिन सोसाइटी का मेडल, जर्मन फिजिकल सोसाइटी का मैक्स प्लैंक मेडल, अमेरिकन-हंगेरियन स्टडीज फाउंडेशन का जॉर्ज वाशिंगटन अवार्ड (1964), अमेरिकन-हंगेरियन मेडिकल एसोसिएशन का सेमेल्विस मेडल (1965) मिला और राष्ट्रीय विज्ञान पदक (1965) से सम्मानित किया गया। उनके पास विस्कॉन्सिन विश्वविद्यालय, वाशिंगटन विश्वविद्यालय, केस इंस्टीट्यूट, अल्बर्टा विश्वविद्यालय (कनाडा), शिकागो विश्वविद्यालय, कोल्बी कॉलेज, पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय, येशिवा विश्वविद्यालय, थिएल कॉलेज, नोट्रे डेम विश्वविद्यालय, टेक्नीश यूनिवर्सिटेट बर्लिन, स्वर्थमोर से मानद उपाधियाँ हैं। कॉलेज, यूनिवर्सिटी डी ल्यूवेन, यूनिवर्सिटी डी लीज, इलिनोइस विश्वविद्यालय, सेटन हॉल, कैथोलिक विश्वविद्यालय और द रॉकफेलर विश्वविद्यालय। वह अमेरिकन फिजिकल सोसाइटी के पूर्व उपाध्यक्ष और अध्यक्ष थे।

राजकाज

सत्ता में आ रही क्या मनसे...?

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे का कहना है कि सत्ता में आने के 48 घंटे के अंदर ही उनकी पार्टी मस्जिदों पर लाउडस्पीकर के मुद्दे का समाधान कर देगी। धर्म को घरों तक सीमित रहने की बात कर रहे राज ठाकरे नागरिकों से राज्य को वैभवशाली बनाने के लिए वोट मांग रहे हैं और दावा कर रहे हैं कि अगली सरकार उनकी होगी। दरअसल ठाणे शहर और कल्याण में कई रैलियों को संबोधित करते हुए उन्होंने इस आशय की बातें की हैं, जिस पर विरोधी निशाना साध रहे हैं कि जिनके पैरोंतले की जमीन पहले ही खिसक चुकी है, वो इस तरह की बातें कर रहे हैं, मानों उनकी पार्टी सत्ता में आ चुकी है।

कड़ी कार्रवाई से इन्हें रोक कौन रहा

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का कहना है कि मादक पदार्थ गिरोहों के खिलाफ सरकार की कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी। यह उन्होंने तब कहा जबकि स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में करीब 900 करोड़ रुपये मूल्य की 80 किलोग्राम से अधिक कोकीन जब्त की। यह कोकीन रईसों की बिगड़ी औलादों की पार्टी में कथित तौर पर इस्तेमाल की जाती है। यहां उच्च श्रेणी के मादक पदार्थ की जब्ती उस दिन हुई, जब स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी), नौसेना और गुजरात एटीएस ने संयुक्त अभियान में गुजरात अपतटीय क्षेत्र से लगभग 700 किलोग्राम 'मेथमफेटामाइन' बरामद किया गया। खास बात यह है कि समुद्र में चलाए गए इस अभियान में 08 ईरानी नागरिक भी गिरफ्तार किए गए हैं।

कामयाब युवाओं पर भरोसा

अमेरिका के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जीत के बाद एक बार फिर युवाओं पर भरोसा जताने जैसा काम किया है। दरअसल ट्रंप ने अपने अभियान की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट को व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव नियुक्त करने की घोषणा की है। खास बात यह है कि लेविट 27 वर्षीय हैं, जो वर्तमान में ट्रंप की प्रवक्ता हैं जो अमेरिकी इतिहास में व्हाइट हाउस की सबसे कम उम्र की प्रवक्ता बनने जा रही हैं। इस तरह ट्रंप ने जतला दिया है कि उनकी सरकार में युवाओं के कंधों पर देश की अहम जिम्मेदारी होगी, जिसके लिए कामयाब युवाओं को तैयार रहने की आवश्यकता है। यहं बताते चलें कि इससे पहले सबसे कम उम्र का रिकॉर्ड रोनाल्ड ज़ग्लिर को मिला था जो रिचर्ड निक्सन के कार्यकाल के दौरान 1969 में इस पद को संभालने के समय 29 साल उम्र वाले युवा थे।

किसने कब क्या किया विवाद रुकने वाला नहीं

आजादी पूर्व देश में किसने क्या किया और आजादी बाद क्या कर रहा है, इसे लेकर राजनीतिक गलियारे में सदा से विवाद की स्थिति रही है। ऐसा ही एक विवाद राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ को लेकर कांग्रेस नेताओं के बयान को लेकर उठा है। दरअसल भाजपा नेता और हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने कांग्रेस नेता हुसैन दलवाई द्वारा आरएसएस को कथित तौर पर आतंकवादी संगठन कहने पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उनका कहना है कि कांग्रेसियों का बयान पूरी तरह से निराधार है और आरएसएस को किसी से किसी सर्टिफिकेट की आवश्यकता नहीं है।

फीचर

इस प्रकार करें जुड़वा बच्चों की देखभाल

बच्चों को पालना आसान नहीं होता है। फिर चाहे एक ही बच्चा एक ही क्यूं ना हो। ऐसे में अगर आपका साथी भी नहीं है तो मुश्किलें थोड़ी बढ़ सकती है।

आप परेशान ना हो। दोनो बच्चों की परवरिश के लिए आप किसी अन्य परिवारजन या दोस्त की मदद ले सकती है। हो सकता है वो रातभर आपके पास ना रूक सकते हो पर दिन में तो आपके लिए बाहर से सामान लाने और खाना बनाने जैसे कामों में मदद कर सकते है। अगर आपके लिए संभव हो तो आप आय रख लें। वो भी आपके लिए सुविधाजनक रहेगी। अभिनेत्री और गायिका जेनिफर लोपेज को अपने जुड़वा बच्चों- मैक्स और एमी की परवरिश अकेले ही कर रहीं है। ऐसी कई महिलाएं है जो अपने जुड़वा बच्चों को अकेले पाल रहीं है, उनकी परवरिश के लिए कुछ तरीके जो मददगार साबित हो सकते है।

क्लब में शामिल हो: जुड़वा बच्चों की परवरिश के लिए बाजार में कई तरह की किताबें मौजूद है, आप बच्चों के जन्म से पहले ही उनको जरूर पढ़े। ये आपको बहुत काम आएगी। साथ ही पता करे अगर आपके आसपास जुड़वा बच्चों के लिए कोई क्लब हो तो उसे ज्वाइन कर लें। ये आपकी मेहनत को भी बचाएगा साथ ही बच्चों के लिए भी बेहतर रहेगा।

धैर्य रखें: ध्यान रहें कि बच्चा एक ही क्यों ना हो तब भी उसकी परवरिश के लिए बहुत धैर्य रखना पड़ता है। ऐसे में अगर आपके जुड़वा बच्चे है तो आपको ज्यादा धैर्य का रखने की जरूरत पड़ेगी। अगर आप ऐसा नहीं करेंगे तो बहुत जल्दी आपको चिड़चिड़हट का अनुभव होने लगेगा। जो आपकी परेशानी को बांटने के अलावा कुछ नहीं करेगा। अपने मां-बाप से बात करें, उनसे टिप्स लें। आपको बहुत आसानी होगी।

प्रेरणा

समता की अनुभूति

मनोबल के विकास का दूसरा सूत्र बताया गया है- स्व दर्शन समता का दर्शन या परमात्मा का दर्शन। प्रांस की यूनिवर्सिटी का एक प्रोफेसर अहंकार में आकर बोला, मैं दुनिया का सर्वश्रेष्ठ आदमी हूं। किसी ने पूछ लिया-यह कैसे? उसने कहा, प्रांस दुनिया का सर्वश्रेष्ठ देश है। पेरिस प्रांस का सर्वश्रेष्ठ नगर और हमारा विश्वविद्यालय हमारे नगर का सर्वश्रेष्ठ क्षेत्र। दर्शन का विभाग उसमें सर्वश्रेष्ठ। मैं उसका अध्यक्ष। इसलिए मैं सर्वश्रेष्ठ आदमी। यह कैसा गणित है! हमारी दृष्टि जब दूसरों की ओर जाती है तो यही निष्कर्ष निकलता है कि हम दूसरों को काटते जाते हैं, तोड़ते जाते हैं और दूसरों के संदर्भ में हम अपने को सर्वश्रेष्ठ प्रतिष्ठापित करते जाते हैं। इसके अतिरिक्त कोई निष्कर्ष निकलता ही नहीं है। जब स्व-दर्शन में आदमी आता है तो उसे अनुभव होता है कि न प्रांस सर्वश्रेष्ठ, न पेरिस सर्वश्रेष्ठ, न विश्वविद्यालय सर्वश्रेष्ठ, न दर्शन का विभाग सर्वश्रेष्ठ और न विभागाध्यक्ष। सब समान है। सब व्यक्ति समान, सब देश समान, सब राष्ट्र समान और सब आत्माएं समान।

जो समता के क्षण में जाता है, उसे यह नहीं लगता कि यह अलग, वह अलग। उसे लगता है कि सब मेरे-जैसे हैं। यह समान ही समान का गणित ?सा चलता है कि अनन्त में से अनंत निकालो तो भी पीछे अनन्त ही रहेगा। अनन्त में अनन्त मिलाओ तो भी अनन्त ही रहेगा। समता में मिलाते जाओ, निष्कर्ष समता। यह समता की अनुभूति जब जागती है, तब एक विचित्र अनुभव होता है। उसे जगाने का जो सूत्र है, वह मनोबल को जगाने का परम सूत्र होता है।

अपनी बात

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज का दिन किसी त्यौहार से कम नहीं है। आज के दिन हमारे समाज के गौरव भगवान बिरसा मुण्डा ने जन्म लिया था। यह दिन हमारे लिये गौरव के साथ गर्व का दिन भी है। बिरसा मुण्डा ने जल, जंगल, जमीन की रक्षा के लिये संघर्ष किया। उन्होंने भारत मां की रक्षा के लिए भी अपनी जीवटता और वीरता से अनेक उल्लेखनीय कार्य किए और समाज को नई दिशा दी।

डिप्टी सीएम राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि जनजातीय समुदाय को सिकल सेल एनीमिया से मुक्ति दिलाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। डिप्टी सीएम ने धरती आबा बिरसा मुंडा की जयंती, जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर संजय गांधी स्मारक चिकित्सालय, रीवा में प्रदेश के पहले शासकीय सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर प्रीनेटल डायग्नोसिस ऑफ हीमोग्लोबिनोपैथीज का लोकार्पण किया।

ब्रीफ न्यूज

17 नवंबर को संबंधित क्षेत्रों का विद्युत प्रवाह रहेगा बाधित

गुना। सहायक प्रबंधक (शहर) विद्युत वितरण कंपनी लिमि. गुना ने बताया कि 33 केव्ही एआईआर सब-स्टेशन पर मेंटनेंस कार्य होने से दिनांक 17 नवम्बर 2024 को प्रात: 11 बजे से दोपहर 03:00 बजे तक विद्युत प्रवाह बाधित रहेगा जिससे जिससे बजरंगगढ़ बायपास, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, विंध्यांचल कॉलोनी, साईधाम पार्ट-2, विधार्थी नगर, गुर्जर कॉलोनी, पत्रकार, फुलवारी कॉलोनी, गोकुल सिंह का चक, ट्रांसपोर्ट नगर, चिंताहरण, पुराना ओद्यौगिक क्षेत्र, बलवंत नगर, विकास नगर, शुक्ला कॉलोनी, खेड़ापति कॉलोनी, एवन कॉलोनी, गुप्ता कॉलोनी, महावीरपुरा, मारूति शोरुम के सामने, स्टार हॉस्पिटल, सहारा होटल एवं आकाशवाणी केन्द्र आदि क्षेत्रों का विद्युत प्रवाह बाधित रहेगा।

हितग्राही पात्रता पर्ची के लिये सचिव/ रोजगार सहायक से करें संपर्क

गुना। शासन द्वारा असंगठित एवं प्रवासी श्रमिकों (ई-श्रम कार्डधारी) की अस्थायी पात्रता जारी किया जाने हेतु निर्देश दिए गए हैं। जिसमें हितग्राही अपना ई-श्रम कार्ड, आधार कार्ड एवं समग्र परिवार आईडी पंचायत/नगर निकाय में जमा कर अपनी अस्थायी पात्रता पर्ची बनवा सकते हैं तथा ऐसे हितग्राही जिनके द्वारा नवीन पात्रता पर्ची हेतु माह जुलाई, अगस्त, सितंबर एवं अक्टूबर में आवेदन किया गया था, उनकी पात्रता जारी की गई है, वह स्थानीय निकाय में सचिव/रोजगार सहायक से संपर्क कर अपनी पात्रता पर्ची प्राप्त कर सकते हैं। जिनकी पात्रता पर्ची का राशन शासन द्वारा आगामी माह में जारी किया जाएगा। तथा जिनके द्वारा राशन पर्ची में नाम जुड़वाये गये हैं उनकी पात्रता पर्ची भी आगामी माह में जारी होगी। ऐसे हितग्राही जिनके द्वारा पात्रता पर्ची के संबंध में 181 सीएम हेल्पलाईन पोर्टल या अन्य माध्यम से कोई शिकायत की गई है वह पंचायत/नगर निकाय से अपनी पात्रता पर्ची प्राप्त कर उक्त शिकायत को बंद करावें।

अवैध मादक पदार्थ 50 हजार की अफीम के साथ पकडा नशा तस्कर

गुना। गुना पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार सिंहा द्वारा जिले में विभिन्न अवैध गतिविधियों में संलिप्त माफियाओं, कारोबारियों, तस्करों आदि पर कार्यवाही हेतु दिये जा रहे निर्देशों के तहत गुना पुलिस द्वारा जिले में एक अभियान के रूप में कार्यवाहियां की जा रहीं हैं । इसी क्रम में सीएसपी गुना भरत नोटिया के पर्यवेक्षण में कैंट थाना प्रभारी निरीक्षक अनूप कुमार भार्गव एवं उनकी टीम द्वारा बीती रात अवैध मादक पदार्थ अफीम तस्करी की सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए 50 हजार की अफीम के साथ एक नशा तस्कर गिरफ्तार किया गया है ।उल्लेखनीय है कि दिनांक 15-16 नवंबर 2024 की रात्रि में कैंट थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि गुप्त गंगा रोड पर एक व्यक्ति अवैध मादक पदार्थ अफीम लेकर उसे बेचने के उद्देश्य से खडा हुआ है । इस सूचना के मिलते ही सूचना की तस्दीक व कार्यवाही हेतु कैंट थाने से पुलिस की एक टीम तत्काल गुप्त गंगा रोड पर पहुंची तो जहां पर मुखबिर द्वारा बताए हुलिए का एक व्यक्ति खडा दिखाई दिया, जो पुलिस को देखकर धीरे-धीरे वहां से खिसकने लगा।

2600 मीट्रिक टन गुना पहुंची, 24 घंटों में एक हजार मीट्रिक टन और आएगी

सिंधिया ने गुना जिले के किसानों को भेजी 3600 मीट्रिक टन डीएपी की सौगात

सत्ता सुधार ■ गुना

डीएपी खाद की कमी से जूझ रहे गुना जिले में आज इसकी दो रैकें पहुंची है, जिन्हें आज सुबह से ही स्थानीय रेलवे स्टेशन के माल गोदाम पर खाली कराने का काम शुरु हो गया है, रैक के आ जाने की सूचना मिलते ही आज सुबह सांसद प्रतिनिधि सुमेर सिंह व भाजपा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य योगेन्द्र लुंबा ने भी माल गोदाम पर पहुंचकर इस संदर्भ में जानकारी ली। इस संदर्भ में मिली जानकारी के अनुसार गुना में आज सुबह स्थानीय रेलवे स्टेशन के माल गोदाम पर डीएपी की दो रैकें पहुंचीं, जिनसे माल खाली कराने के साथ ही इसे विभिन्न संस्थाओं को भेजे जाने की तैयारी है। उक्त दो रैक में कुल 26 सौ मैट्रिक टन डीएपी खाद गुना जिले को मिला है, जिनमें से एक रैक कोरोमंडल व दूसरी रैक चंबल फर्टिलाइजर से आई है, यह दोनों रैकें खाली कराई जा रही हैं, इनके बाद डीएपी की एक और रैक कल रविवार या अगले दिन सोमवार को गुना पहुंचेगी, जिससे 1 हजार मैट्रिक टन डीएपी खाद और गुना । जिले को मिलेगा । इस तरह 36 सौ मैट्रिक टन डीएपी गुना जिले को उपलब्ध होगा, जिसे कि जिले के किसानों को वितरण कराए जाने की तैयारी है, जिसमें से 3 हजार मैट्रिक टन डीएपी खाद का वितरण जिले की 63 सोसायटियों, डबल लॉक खाद वितरण केन्द्रों व एमपी एग्रो के वितरण केन्द्र से वितरित किया जाएगा, वहीं शेष डीएपी खाद जिले के प्रायवेट खाद विक्रेताओं को विक्रय के लिए उपलब्ध कराई जाएगी। उक्ताशय की जानकारी देते हुए सांसद प्रतिनिधि सुमेर सिंह व भाजपा नेता योगेन्द्र लुंबा ने बताया कि केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया महाराष्ट्र चुनाव में व्यस्त होने के बाद भी संसदीय क्षेत्र की लगातार चिंता कर रहे हैं। जिनके प्रयासों से पूर्व में गुना जिले को डीएपी के दो रैक मिल चुके हैं और अब भी उन्हीं के प्रयासों से आज डीएपी की दो रैकें गुना आई हैं, वहीं तीसरी रैक कल रविवार या अगले दिन सोमवार को यहां पहुंचेगी, जिसे कि विभिन्न केन्द्रों से किसानों के बीच वितरण कराया जाएगा। उल्लेखनीय है कि इसके पहले जिले में 4 हजार मैट्रिक टन डीएपी खाद का वितरण किया जा चुका है, इसके बाद अब 36 सौ मैट्रिक टन खाद का वितरण किसानों को कराए जाने की तैयारी है, लेकिन इसके बाद भी डीएपी की उपलब्धता कम ही रहेगी, क्योंकि गुना जिले में 25000 मैट्रिक डीएपी खाद की आवश्यकता है। मायने कुल मिलाकर केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के प्रयासों से एक बार फिर जिले में डीएपी की दो रैकें आ जाने के बाद जिले के किसानों को डीएपी खाद की उपलब्धता हो सकेगी।

जनजाति समाज के आचार्यों को सम्मानित कर एकल ने मनाई भगवान बिरसा मुंडा जयंती

जल, जंगल, जमीन और आदिवासियों की बिरसा मुंडा ने रक्षा की

सत्ता सुधार ■ गुना

धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर एकल अभियान अंचल गुना द्वारा जन जाति समाज के आचार्यों को सम्मानित कर भगवान बिरसा मुंडा की जयंती मनाई गई। एकल बन यात्रा प्रभारी विकास जैन नखराली ने बताया कि एकल अभियान द्वारा शुक्रवार को टेकरी मंदिर हॉल में भगवान बिरसा मुंडा जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर जनजाति गौरव दिवस के रूप में भव्यता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर अंचल समिति सचिव घनश्याम रघुवंशी, अंचल वन यात्रा प्रभारी विकास जैन नखराली, अंचल अभियान प्रमुख नारायण सिंह अंचल प्रा. शिक्षा प्रमुख पप्पू सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित कर भगवान बिरसा मुंडा के जीवन पर प्रकाश डाला। इसी के साथ ही कार्यक्रम में जनजाति समाज के सराहनीय कार्य कर रहे एकल के आचार्यों एवं कार्यकर्ताओं का सम्मान किया गया जिसमें अंचल कार्यालय प्रमुख विजय सिंह सहरिया, संच प्रमुख अर्जुन सिंह भील, अंचल कार्यालय सहायक दीतिया पटेलिया,आचार्य नीतू ,प्रिया,मनीषा सिंह को माल्यार्पण एवं तिलक लगाकर उन्हें सम्मानित किया गया। जयंती कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विकास जैन ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा बिरसा मुंडा एक युवा स्वतंत्रता सेनानी और आदिवासी समुदाय के नेता थे। बिरसा मुंडा, मुंडा जनजाति से थे। उनका जन्म 15 नवंबर 1875 को झारखंड में हुआ था। बिरसा ने 'उलगुलान' या 'द ग्रेट ट्यूमुल्ट' नामक आंदोलन शुरू किया। उस दौरान लोग उन्हें धरती अब्बा कहते थे, उन्होंने ब्रिटिश मिशनरियों और उनकी धर्मांतरण गतिविधियों के खिलाफ विद्रोह किया। जल, जंगल, जमीन और आदिवासियों की रक्षा करते हुए उन्होंने बहुत कुछ किया हे। उनके नाम पर कई योजनाएं चलती हैं. संसद भवन परिसर में इनकी प्रतिमा है। बिरसा मुंडा ने अपनी शुरुआती पढ़ाई मिशनरी स्कूल में की. पढ़ाई के दौरान ही उन्होंने देखा की अंग्रेज कैसे भारतीयों ओर उनके समाज के खिलाफ जुल्म कर रहे हे आखिरकार उन्हें जुल्म बर्दाश्त नहीं हुआ और उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ बिगुल फूंक दिया। अंग्रेजों के खिलाफ बिरसा मुंडा लगातार युद्ध किए ओर अंग्रेजों को भारत छोडने पर मजबूर कर दिया और अग्रेजों के खिलाफ लड़ते हुए फरवरी 1900 में अंग्रेजों ने चक्रधरपुर से बिरसा मुंडा को गिरफ्तार कर लिया और रांची जेल में बंद कर दिया. यहीं पर बिरसा मुंडा ने 9 जून 1900 को अंतिम सांस ली। इस मौके पर पांच संचों के संच प्रमुख बलवीर, सतीश, विनोद, अर्जुन , प्रद्युमन, संच व्यास जितेन्द्र नायक,व समस्त आचार्य गण उपस्तिथि रहे।

एक पेड़ मां के नाम अंतर्गत शासकीय महाविद्यालय में हुआ कार्यक्रम

राघौगढ़। युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के नेहरू युवा केंद्र जिला गुना के उपनिदेशक एवं जिला युवा समन्वयक एस.एन जयंत के निर्देशन में सत्यम युवा मंडल के सहयोग से शासकीय महाविद्यालय राघौगढ़ में एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया।जिसमें सर्वप्रथम कार्यक्रम हाल में संगोष्ठी के साथ पेंटिंग कार्यक्रम संपन्न हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि महाविद्यालय प्राचार्य श्रीमती डॉ. माया परस्ते एवं विशिष्ट अतिथिगण डॉ. श्रीमती पूनम नामदेव,प्रो.जितेंद्र धाकड़ एनएसएस प्रभारी,डॉ.रजनी शर्मा लाइब्रेरी प्रभारी,श्रीमती रिंकी जाटव आदि रहे।कार्यक्रम में सर्वप्रथम मां सरस्वती के सम्मुख माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया अतिथि स्वागत के पश्चात कार्यक्रम के बारे में बताते हुए पर्यावरण पर श्रीमती डॉ.पूनम नामदेव ने पेड़ों से होने वाले प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष लाभ के बारे में बताया। वही प्रोफेसर जितेंद्र धाकड़ एनएसएस प्रभारी के द्वारा पर्यावरण एवं प्रकृति के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए पर्यावरण संरक्षण पर विचार रखें। मुख्यअतिथि डॉ. माया परस्ते के द्वारा पर्यावरण संरक्षण में अहम भूमिका निभाते हुए संस्था की उपलब्धियां और नेहरू युवा केंद्र पर विचार रखें। कार्यक्रम का संचालन सतीश सैनी सत्यम युवा मंडल अध्यक्ष ने किया एवं आभार सोहेल सेन ने माना। इस कार्यक्रम में डॉ.सीवी ओझा,डॉ.राजीव शर्मा,डॉ मीना मेवाड़े,मिथुन ओझा,जयदेव सैनी,मनजीत भील एवं स्टाफ सहित सभी प्रतिभागी उपस्थित रहे।कार्यक्रम के पश्चात प्रांगण में छायादार व फलदार पौधों का वृक्षारोपण भी किया।

बजरंगगढ़ थाना अंतर्गत आधी रात में फड लगाकर जुआ खेल रहे जुआरियों पर पुलिस की कार्यवाही

गुना। बजरंगगढ़ थाना क्षेत्र में जुए की सूचना पर बजरंगगढ़ थाना पुलिस द्वारा छापामार कार्यवाही कर 09 जुआरियों पर कार्यवाही की गई है । उल्लेखनीय है कि दिनांक 15-16 नवम्बर 2024 की रात में जिले के बजरंगगढ़ थाना पुलिस को थाना अंतर्गत ग्राम बरखेडा एवं करोद के बीच टगर में कुछ लोगों के तास पत्तों से रूपयों की हारजीत के दाव लगाकर जुआ खेले जाने की सूचना प्राप्त हुई थी । जुए की इस सूचना की तस्दीक व कार्यवाही हेतु बजरंगगढ़ थाने से पुलिस की एक टीम द्वारा तत्काल मुखबिर की बताई जगह पर पहुंचकर देखा तो जहां पर 6-7 लोग मोबाइल व टार्च की रोशनी में जुआ खेलते दिखे, जिनमें पुलिस को देखते ही एकदम से भगदड मच गई और जुआरियों ने पुलिस से बचने के लिए दौड लगा दी । इस बीच पुलिस द्वारा जुआरियों का पीछा कर बमुश्किल गिरते उठते 03 जुआरी दबोच लिए गए एवं 04 जुआरी अंधेरी का लाभ लेकर वहां से भाग निकले । पकड में आए जुआरियों द्वारा पूछताछ पर अपने नाम 1-कृपाल सिंह पुत्र कप्तना सिंह परिहार उम्र 26 साल निवासी राधा कॉलोनी गुना, 2-लाल पुत्र नारायण सिंह धाकड उम्र 49 साल निवासी ग्राम करोद एवं 3-प्रमोद पुत्र घनश्याम ओझा उम्र 34 साल निवासी ग्राम करोद थाना कैंट गुना तथा भागे हुए अपने साथियों के नाम दिनेश जाटव निवासी ग्राम खिरिया करोद, राजकुमार धाकड निवासी करोद, अशोक कुशवाह निवासी करोद, राजाराम यादव निवासी करोद के होना बताए गए एवं जिन्होंने बताया कि उन्हें राजाराम यादव निवासी ग्राम करोद, अभिषेक रघुवंशी निवासी ग्राम पगारा, संतोष कुशवाह निवासी ग्राम करोद, अशोक कुशवाह निवासी ग्राम करोद के द्वारा जुआ खेलने के लिए बुलाया था।

छात्र-छात्राओं को अपना गोल निश्चित कर कैरियर का निर्धारण करना चाहिए: सक्सेना

उमावि आवन में किया गया कैरियर काउंसिलिंग का आयोजन

सत्ता सुधार ■ गुना

मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार कलेक्टर डॉ. सतेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन में जिला रोजगार कार्यालय गुना द्वारा कैरियर काउंसिलिंग मार्गदर्शन हेतु योजना चलायी जाती है, जिसके अंतर्गत विभिन्न विद्यालय/ संस्थान में कैरियर काउंसिलिंग किया जा रहा है। जिला रोजगार अधिकारी बी.एस. मीना ने बताया कि इसी क्रम में दिनांक 16 नवम्बर 2024 को उमावि आवन में कैरियर काउंसिलिंग का आयोजन किया गया। आज आयोजित कैरियर काउंसलिंग कार्यक्रम में करियर काउंसलर एवं मोटीवेटर एसके सक्सेना द्वारा बताया कि छात्र-छात्राओं को अपना गोल निश्चित कर कैरियर का निर्धारण करना चाहिए। इस दौरान कुछ लोग आपका शुरुआत में उपहास उड़ा सकते हैं, इसके बाद वह आपके आगे बढने की सराहना करेंगे और सफलता के बाद सम्मान करने लगेंगे। इस तरह के लोगों की बातों से घबराये नहीं, अपने गोल पर अडिग रहें, असफलता से निराश न होवें लगातार आगे बढ़ें और अपने लक्ष्य अनुसार सफलता हासिल करें। इस दौरान उन्होंने नर्सिंग, फार्मेसी,पैरा मेडिकल कोर्स, आर्मी फ़ैशन डिज़ाइनिंग के बारे में छात्रों द्वारा किये गए सवालों का जबाव देकर उनका मार्गदर्शन किया। इस दौरान मीना द्वारा सार्वजनिक क्षेत्र में रोजगार के लिए आयोजित होने वाली प्रतियोगिता परीक्षा, निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर और स्वरोजगार के लिए शासन द्वारा संचालित विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं व कौशल विकास के लिए संचालित योजनाओं की विस्तृत रूप से जानकारी दी गई। इसी क्रम में 19 नवम्बर को जवाहर नवोदय विद्यालय बजरंगगढ़ में भी कैरियर काउंसिलिंग का आयोजन किया जायेगा। इस अवसर पर प्राचार्य मनोज सक्सेना सहित विद्यालय का स्टाफ एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कैंट थाना क्षेत्र में जुए की सूचना पर पुलिस की त्वरित कार्यवाही

गुना। कैंट क्षेत्र में जुए की सूचना पर त्वरित कार्यवाही कर 03 जुआरी पकडे जाकर 5,100/- रुपये बरामद किए गए है । उल्लेखनीय है कि गत दिनांक 15 नवंबर 2024 की रात में केंट थाना अंतर्गत पुरापोसर क्रेशर के पास एक खेत में कुछ लोगों के तास पत्तों से रूपयों की हारजीत के दाव लगाकर जुआ खेले जाने की मुखबिर सूचना पर कैंट थाने से पुलिस की एक टीम द्वारा तत्काल पुरापोसर क्रेशर के पास मुखबिर की बताए खेत पर पहुंचकर देखा तो वहां पर 2-3 लोग तास-पत्तों से रुपयों की हारजीत का मांग पत्ती का खेल खेलते दिखे, पुलिस फोर्स द्वारा जिन्हें घेराबंदी कर पकडा गया । जिन्होंने पूछताछ पर अपने नाम 1-भारत पुत्र फूल सिंह लोधा उम्र 30 साल निवासी ग्राम पुरापोसर, 2-गजानंद पुत्र रामभरोसा लोधा उम्र 39 साल निवासी ग्राम पुरापोसर एवं 3-राजकुमार पुत्र वैजनाथ लोधा उम्र 30 साल निवासी ग्राम पुरापोसर के होना बताये ।

भगवान बिरसा मुंडा जयंती पर आयोजित हुए विभिन्न कार्यक्रम

छात्र-छात्राओं ने भगवान बिरसा मुंडा जी के जीवन-चरित्र से प्रेरणा ली

सत्ता सुधार ■ गुना

शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गुना मे लोधा युवा मंडल एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के सहयोग से नेहरु युवा केन्द्र गुना द्वारा जनजाति गौरव दिवस अभियान अंतर्गत भगवान बिरसा मुंडा जी की जयंती के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्राचार्य एच एन जाटव मुख्य अतिथि,विशेष अतिथि राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी विजयकांत राठौर, अध्यक्षता डॉ. गोविंद सिंह मीना, शिक्षक राकेश धाकड़ सहित पुरुषोत्तम सेन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में संगोष्ठी, सांस्कृतिक भाषण,निबंध सहित विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन किया गयाद्य जिसमें युवाओं ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। आयोजित प्रतियोगिताओं में विजेता प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। अतिथि उद्बोधन में भगवान बिरसा मुंडा जी के जीवन पर विस्तार से जानकारियां प्रदान की गईद्य सभी प्रतिभागियों से अनुरोध किया कि वह उनके जीवन चरित्र से आवश्यक जानकारियां ग्रहण कर अपने जीवन में लाभ उठाएं और सामाजिक एवं देशहित के लिए हमेशा तैयार रहेद्य कार्यक्रम के अंत में वृक्षारोपण कर एनएसएस कि डायरी तथा वैच का वितरण किया गया। कार्यक्रम का संचालन टीम लीडर मानसी ओझा एवं पुष्कर नामदेव द्वारा किया गया एवं आभार एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी विजयकांत राठौर द्वारा दिया गया।

गुना जिले के 1100 बूथों पर भाजपा बना रही नवीन बूथ समिति

जामनेर मंडल के ग्राम गावरी के बूथ क्रमांक 120 की बनाई बूथ समिति

सत्ता सुधार ■ गुना

भारतीय जनता पार्टी संगठन पर्व सदस्यता अभियान 2024 के पश्चात गुना जिले के सभी मंडलों में संगठनात्मक चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए संगठन चुनाव प्रक्रिया संपन्न की जा रही है।

भाजपा जिला मिडिया प्रभारी विकास जैन नखराली ने बताया कि गुना जिले के निर्वाचन अधिकारी विनोद गोटिया के निर्देशन में जिले के 19 मंडल एवं मंडलों के सभी 1100 बूथों पर भाजपा की नवीन बूथ समिति का गठन किया जा रहा हे। इसी के तहत जामनेर मंडल चुनाव अधिकारी अरविंद गुप्ता द्वारा जामनेर मंडल में पहुंच ग्राम बरखेड़ी महाराज बूथ क्रमांक 107, गावरी के 120 ओर 121, पीपल खेड़ी के 130 एवं जामनेर के बूथ क्रमांक, 148, 149,150, 151,152 ओर 153 सहित अन्य बूथों पर जाकर बूथ अध्यक्ष, बी एल ए 2 एवं मंत्री सहित 11 प्लस एक की बूथ समिति का गठन कर बूथ का डिजिटाइजेशन किया। इस अवसर पर भाजपा जिला मिडिया प्रभारी विकास जैन नखराली, जामनेर मंडल अध्यक्ष पप्पू सिंह भील सहित बूथ की कमेटी व बूथ पर रहने वाले वरिष्ठ भाजपा जनों की उपस्थिति में निष्पक्षता के साथ बूथ समिति का गठन किया गया। इसी के साथ ही जामनेर में भाजपा कार्यालय पर बूथ बिस्तार अभियान को लेकर आयोजित बैठक में युवा मोर्चा मण्डल अध्यक्ष अमन साहू, सदस्यता अभियान मण्डल प्रभारी अनूप धाकड़ डोवा, लाल सिंह ओझा, रोहित ओझा, पर्वत सिंह धाकड़ गावरी, कमल सिंह भील ग्राम महू, जसमन धाकड़ मुख्य रूप से उपस्तिथ रहे। मंडल चुनाव अधिकारी श्री गुप्ता ने कहा कि जामनेर मंडल के 56 बूथों पर निष्पक्षता एवं सामाजिक समीकरण बैठाकर भाजपा के निष्ठावान और समर्पित कार्यकर्ताओं का ध्यान रखते हुए सामंजस्य के साथ 20 नवंबर तक बूथ कमेटियों का गठन आवश्यक रूप से किया जाना हे। जिसमें सर्व समाज एवं प्रत्येक बूथ पर तीन-तीन महिलाओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के साथ शामिल किया जाएगा ताकि महिलाओं की शक्ति आगे बढ़े और आगामी चुनाव में बुथ पर उनकी महत्वपूर्ण भूमिका हो।

उन्होंने कहा कि भाजपा की विचारधारा सबका साथ सबका विकास, सबका विश्वास और सबका संकल्प के भाव को लेकर काम कर रही है। उन्होंने कहा स्थानीय समितियां का गठन में संगठनात्मक कार्यक्रमों के आयाम के जिसमें बूथ अध्यक्ष, बूथ मंत्री, बीएलए 2, लाभार्थी प्रमुख, मन की बात प्रमुख, व्हाट्सएप ग्रुप की जिम्मेदारी दी जिससे समिति को अवगत कराकर संगठन के विभिन्न कार्यक्रमों प्रत्येक बूथ पर संपन्न कराया जा सके।

दो बाइक सवार युवक मवेशी से टकराए

डायल-100 एफआरव्ही ने अस्पताल पहुँचाया

सत्ता सुधार ■ गुना

गुना के थाना चाचौड़ा क्षेत्र में रानी खेजडा गाँव में एक मोटर साइकिल मवेशी से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई है जिसमें दो व्यक्ति घायल हो गए हैं, पुलिस सहायता की आवश्यकता है। सूचना राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-100 भोपाल में दिनाँक 15-11-2024 को प्राप्त हुई। सूचना प्राप्ति पर तत्काल चाचौड़ा थाना क्षेत्र में तैनात डायल-100 वाहन को मदद के लिए रवाना किया गया। डायल-112/100 स्टाफ आरक्षक प्रवीण मीणा एवं पायलेट देवेंद्र मीणा ने घटना स्थल पर पहुँचकर बताया कि एक मोटर साइकिल मवेशी से टकरा जाने से अनूप विश्वकर्मा उम्र 30 वर्ष तथा अनिल मीणा उम्र 20 वर्ष दोनों निवासी बीनागंज घायल हो गये थे। डायल-112/100 जवानों द्वारा दोनों घायलों को उपचार के लिए शासकीय चिकित्सालय बीनागंज में भर्ती करवाया गया।

बच्चों पर थोड़ी सख्ती जरुरी

बच्चों की सेहत का शुरु से ध्यान रखें क्योंकि कई बच्चे कम वजन के कारण बीमार हैं, वहीं कई बच्चे मोटापे का शिकार हैं। यह दोनो ही स्थितियां परेशानी वाली हैं। दुनिया में मोटापे के शिकार बच्चों की दूसरी सबसे बड़ी तादाद हमारे देश में है और तो और, एनीमिया, विटामिन बी12 और विटामिन डी की कमी के शिकार बच्चे भी हमारे यहां काफी ज्यादा हैं। ये एक जटिल समस्या है और इसे दूर करने के लिए माता-पिता को प्रयास करने होंगे। इसमें स्कूल भी सहायक हो सकता है। अपने बच्चों को एक बेहतर, सेहतमंद और खुशहाल भविष्य देने के लिए हम कुछ छोटे, लेकिन अहम कदम उठा सकते हैं। एक परिवार या समाज के तौर पर जो कदम उठा सकते हैं, उनमें सबसे महत्वपूर्ण 6 बातें यही हैं।

ना कहना सीखें

यूरोपीय यूनियन में किशोरों में मोटापे की बढ़ती समस्या को समझने के लिए वहां पांच साल तक एक अध्ययन किया गया, जिसका नाम था 'आई, फैमिली' इस अध्ययन ने माता-पिता को संदेश दिया है, ना कहना सीखें।

अगली बार जब आपका बच्चा किसी आईपैड, चिप्स के पैकेट, कोला या चॉकलेट के लिए आपको तंग करे, तो आप दृढ़ता के साथ नहीं कहें। अध्ययन के मुताबिक, बच्चों को भविष्य में कार्डियो-मेटाबोलिक सिंड्रोम से बचाने का यही तरीका है। इस सिंड्रोम से ग्रस्त बच्चे मोटापा, डायबिटीज, दिल की बीमारियों या फैटी लिवर के शिकार हो सकते हैं।

बच्चों को खेल-कूद के लिए बढ़ावा दें

पिछले पांच वर्षों से फैटी लिवर का शिकार होने वाले बच्चों की तादाद बढ़ती गई है। ये होता है हाइपरइन्सुलिनीमिया की वजह से, जिसमें शरीर की मांसपेशियां इन्सुलिन से प्रतिक्रिया करना बंद कर देती हैं और जरूरत से ज्यादा बन रहे इस हॉर्मोन का बोझ लिवर पर आ जाता है।

इसलिए जरूरी है कि बच्चों की उम्र के मुताबिक उनकी मांसपेशियों की मजबूती बढ़ाई जाए जिसके लिए बेहतर तरीका है खेल-कूद। इसलिए हर दिन कम से कम 90 मिनट तक बच्चों के खेल-कूद को हर चीज पर प्राथमिकता दें।

खाना पकाना सिखाएं

दुनियाभर में इस बात को माना जा रहा है कि बच्चों को 4 साल की उम्र से ही खाना पकाने के काम में शामिल करना चाहिए और इसे स्कूल के पाठ्यक्रम का हिस्सा होना चाहिए।

बच्चे ये सीखेंगे कि आटे में कितना पानी डालने के बाद वो रोटी बनाने लायक होता है, या कैसे एक चम्मच भर दही हल्के गर्म दूध में डालने से वो आठ घंटे के भीतर दही बन जाता है, तो इससे उनकी कल्पनाशीलता को भी बढ़ावा मिलेगा।

विज्ञापनों में न आएं

कई देशों में बच्चों के लिए पैकेटबंद उत्पादों के विज्ञापन नहीं दिखाए जा सकते। दूसरी तरफ हमारे देश में टीवी स्क्रीन पर मम्मियां अपने बच्चे को कॉर्न सीरप या दूध में प्रिजर्वेटिव भरे पाउडर डालकर पिलाती हैं और बताती हैं कि कैसे इस वजह से उनके बच्चों की याददाश्त या कद बढ़ा है। हम तो ज्यादातर समय कोला, चिप्स, इंस्टैंट नूडल्स वगैरह बेचने के लिए अपने सेलेब्रिटीज को भी जिम्मेदार नहीं मानते और इन प्रोडक्ट के लुभावने विज्ञापनों और गुनगुनाने लायक जिंगल्स के प्रभाव में आ जाते हैं। फूड इंडस्ट्री की हरसंभव कोशिश होती है कि हम उनके रेडीमेड प्रोडक्ट्स खरीदें, लेकिन कुछ सोचें या पकाएं नहीं। काफी हद तक हमारा 'कोलाकरण' हो चुका है। इसलिए जब तक विज्ञापनों के लिए रेगुलेशन नहीं बनते, बच्चों को विज्ञापन के फायदे-नुकसान सिखाने की जिम्मेदारी माता-पिता और स्कूलों की है।

बच्चे को तय समय तक ही करने दें मोबाइल और कम्प्यूटर का उपयोग

आजकल बच्चे और किशोर जिस प्रकार मोबाइल और कम्प्यूटर का इस्तेमाल कर रहे हैं। वह आने वाले समय में इनके लिए घातक हो सकता है। अध्यनकर्ताओं के अनुसार तकनीकी गैजेट्स का लंबे समय तक इस्तेमाल घातक हो सकता है। बच्चे और किशोर मोबाइल और कंप्यूटर पर गेम खेलते समय काफी देर तक एक ही जगह पर बैठे रहते हैं। इससे रीढ़ की हड्डी पर दबाव पड़ता है। एक ही मुद्रा में बैठकर काम करने से रीढ़ की हड्डी को नुकसान पहुंचता है। ऐसे में अभिभावकों को देखना चाहिये की बच्चों तय समय से ज्यादा गैजेट्स का इस्तेमाल न करें। अभिभावक इस मामले में बच्चों और किशोरों को बताये कि यह उनकी सेहत के लिए नुकसानदेह है। उन्हें समझाएं कि जीवनशैली में बदलाव व्यायाम और खानपान सही रख कर ही रीढ़ की हड्डी को होने वाले नुकसान से बच सकते हैं।

रीढ़ की हड्डी को हो रहा नुकसान

डॉक्टरों के अनुसार रीढ़ की हड्डी की बिमारी रिपिटिटिव स्ट्रेस इन्जरी (आरएसआई) को बार-बार एक ही प्रकार की गतिशीलता और ओवर यूज की वजह से मांसपेशियों, टेंडंस और नर्व्स में दर्द के रूप में परिभाषित किया जाता है। इस स्थिति को ओवरयूज सिंड्रोम, वर्क रिलेटेड अपर लिंब डिसॉर्डर या नॉन-स्पेसिफिक अपर लिंब के रूप में भी जाना जाता है.

उन्होंने कहा कि स्क्रीन का इतना लंबा और अनावश्यक एक्सपोजर स्पाइन पर बेकार का तनाव डालता है और इससे लिगामेंट में स्प्रेन का खतरा बढ़ जाता है जो वर्टिब्रा को बांधकर रखता है, ऐसे में मांसपेशियों में कड़ापन आने लगता है और डिस्क में समस्या होने का खतरा बढ़ जाता है।

निष्क्रिय जीवनशैली से युवाओं में बढ़ रहा सर्विकल स्पाइन

इंसान की रीढ़ को मूवमेंट के सपोर्ट के लिए डिजाइन की गई है और अगर यह इस्तेमाल में रहती हैं तो स्वस्थ्य बनी रहती है। आज के युवाओं को समस्या इसलिए हो रही है, क्योंकि वे निष्क्रिय जीवनशैली जी रहे हैं, जिसमें गैजेट पर निर्भरता काफी ज्यादा बढ़ गई है। अधिकतर युवाओं में देखी जा रही आम समस्या है सर्विकल स्पाइन और पीठ की, जैसे कि स्लिप डिस्क, रिपिटिटिव स्ट्रेस इन्जरी, सोर बैक और लिमामेंट की चोट। इस मामले में सबसे जरूरी है समय पर समस्या की पहचान, जिससे मेडिकल और सर्जिकल इंटर्वेशन की जरूरत कम पड़ती है और समस्या का समाधान जीवनशैली में बदलाव लागू किया जा सकता है। इसके तहत अच्छा पोषण, हल्का व्यायाम और नियमित अंतराल में थोड़ी-थोड़ी देर तक टहलकर सिटिंग टाइम को कम करके दिक्कतों को दूर किया जा सकता है।

बच्चा दूध नहीं पीता तो करें ये उपाय

अक्सर देखा जाता है कि माता-पिता इस बात की शिकायत करते दिखते हैं कि उनका बच्चा दूध नहीं पीता है। इस बात को लेकर अभिभावकों का तनाव लेना भी जायज है क्योंकि दूध बच्चों के शारीरिक विकास में काफी मदद करता है। तो अगर आपका बच्चा भी दूध पीने में नखरे करता है तो ये उपाय करें।

दूध में डाले एसेंस

ज्यादातर बच्चों को दूध में से आने वाली गंध पसंद नहीं आती है। इस समस्या को बड़ी आसानी से दूर किया जा सकता है।दूध में थोड़ा सा वनिला या अन्य एसेंस डालें इससे स्वाद बदलने के साथ ही दूध की महक भी दूर हो जाएगी और आपके बच्चा झट से ग्लास खाली कर देगा।

फ्लेवर बदलें

बच्चे को प्लेन मिल्क पसंद नहीं है तो कोई बात नहीं। उसके ग्लास में दूध के साथ बाजार में मिलने वाले उसके पसंद के मिल्क मिक्स डालें। आप चाहें तो घर पर बादाम जैसे ड्राई फ्रूट्स को भी दूध में मिक्स कर सकती हैं। इससे बच्चा दूध पीने में बिल्कुल भी नखरे नहीं करेगा।

कॉर्न फ्लैक्स या सीरियल्स की लें मदद

बच्चा ग्लास से दूध पीने में आनाकानी कर रहा है तो उसे मिल्क कॉर्न फ्लैक्स या सीरियल्स के साथ सर्व करें। चाहे तो आप अलग-अलग फ्लेवर या शेप के सीरियल्स भी दे सकते हैं। इससे फायदा यह होगा कि इनके सेवन के साथ ही बच्चे के पेट में दूध भी चला जाएगा।

गाय या भैंस का दूध

गाय या भैंस के दूध का फ्लेवर अलग-अलग होता है। संभव है कि आपके बच्चे को इनमें से सिर्फ किसी एक का स्वाद पसंद न हो। भैंस और गाय का दूध अलग-अलग दिन बच्चे को देकर देखें, हो सकता है कि उसे किसी एक फ्लेवर से सिर्फ दिक्कत हो और दूसरा फ्लेवर उसे पसंद आ जाए।

युवा कॉलेज में स्टायलिश नजर आने ये टिप्स अपनायें

कालेज जीवन का अलग ही आनंद होता है इसमें अपनी पसंद से कपड़े पहनने का भी अवसर मिलता है क्योंकि स्कूली जीवन में कड़े अनुशासन के बाद बच्चे यहां आते हैं। इसलिए वे कालेज जीवन का भरपूर आनंद लेना चाहते हैं।

अपनी कॉलेज की जिंदगी में सभी युवा स्मार्ट लुक चाहते हैं। उसी को लेकर युवाओं के लिए कुछ अहम टिप्स

वैसे तो टी-शर्ट्स हर सीजन में ही चलन में होती हैं पर हर बार इनका अंदाज कुछ बदल जाता है। जैसे पिछले सीजन में बैलून शेप और लॉन्ग लेंथ टी-शर्ट्स अधिक चलन में थीं लेकिन अब थाई लेंथ टी-शर्ट अधिक चलन में हैं। इसके अलावा स्पैगटी और श्रग भी इस सीजन में काफी चलन में है। लड़कों के लिए फंकी प्रिंट वाले टी-शर्ट भी पहले दिन का एक स्टाइलिश ऑप्शन हो सकता है। इन दिनों ब्रांडेड टी-शर्ट्स का ब्रेज कॉलेज जाने वाले युवाओं में काफी बढ़ा है। कैजुअल वीयर की बात करें तो इस सत्र में ये सबसे स्मार्ट ड्रेसिंग है अच्छी फिट वाली टी-शर्ट के साथ स्पोर्टी चिक शॉर्ट्स। लेयर्ड ड्रेसिंग से बचें तो बेहतर होगा।

नी लेंथ ड्रेसेज जिनमें नी लेंथ टॉप, नी लेंथ टयूनिक, नी लेंथ शॉर्ट्स का चलन इस सीजन में हॉट है। इनमें स्ट्राइप्स या दो कलर वाली पोशाकें होती हैं। लड़कों के लिए नी लेंथ कॉटन शॉर्ट्स या लाइप्रा के शॉर्ट्स भी काफी चलन में है। इसके अलावा, प्लेन वन पीस ड्रेस भी बेहतरीन विकल्प है।

बात जब स्टाइल की हो तो प्रयोगों से पीछे नहीं रहे। ऐसे में इंडियन और वेस्टर्न ड्रेसेज के कांबिनेशन ट्राई करना भी कम दिलचस्प नहीं। लांग टॉप या लांग टी-शर्ट के साथ पटियाला या लेगिन कैजुअल के साथ-साथ ट्रेंडी भी लगता है। इसके साथ मल्टी कलर बैंगल या बीड्स वाली बेल्ट का कांबिनेशन आपको परफेक्ट लुक देगा।

वैसे तो स्टूडेंट्स के लिए काफी समय से स्लीपर, स्ट्राइप्स सैंडल्स आदि काफी समय से चलन में है लेकिन हमारी सलाह है कि आप इंडयिन ड्रेसिंग रखें या वेस्टर्न, फुटवीयर में फ्लैट सिंगल कलर बेली जरूर ट्राई करें। ये ट्रेंडी तो दिखती है ही, साथ ही आराम के पैमाने पर भी बिल्कुल खरी है।

वैसे तो मल्टी कलर वुडेन या प्लास्टिक बैंगल्स और बड़े ईयर आजकर चल रहे है पर रिंग्स की जगह पर छोटे स्टड्स इन दिनों अधिक चलन में हैं। इनके साथ मल्टी कलर बीड्स या स्टोन्स की माला का कांबिनेशन स्मार्ट अपील देता है।

इस पोषक तत्व की कमी के हो सकते हैं कई गंभीर स्वास्थ्य जोखिम

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए रोजाना आहार के माध्यम से हमें कई प्रकार के पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है, पर क्या आप इसकी पूर्ति कर पा रहे हैं? अध्ययनकर्ताओं ने पाया कि शरीर में विटामिन्स और पोषक तत्वों की कमी कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं को बढ़ाने वाली हो सकती है। अक्सर हम सभी प्रोटीन्स और विटामिन्स की तो बात करते हैं, पर अन्य आवश्यक तत्वों पर चर्चा नहीं की जाती है।

मैग्नीशियम शरीर के लिए ऐसा ही एक अति आवश्यक तत्व है, जिसका हृदय स्वास्थ्य से लेकर मांसपेशियों को स्वस्थ रखने, अस्थमा और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी समस्याओं से कम करने में बड़ा योगदान है। क्या आप शरीर के लिए आवश्यक मैग्नीशियम की जरूरतों को पूरा कर पा रहे हैं? अगर नहीं तो सावधान हो जाइए, इसके कई प्रकार के स्वास्थ्य संबंधी दुष्प्रभाव होने का खतरा हो सकता है। मैग्नीशियम की कमी होने की स्थिति कोहाइपोमैग्नेसीमिया भी कहा जाता है, इसके शारीरिक और मानसिक दोनों प्रकार की सेहत पर दुष्प्रभाव होने का खतरा रहता है। आइए मैग्नीशियम की कमी के कारण होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं के बारे में जानते हैं।

शरीर के लिए जरूरी है मैग्नीशियम

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, शरीर में मैग्नीशियम की कमी होने की स्थिति की अक्सर पहचान नहीं हो पाती है, क्योंकि इसके स्पष्ट संकेत आमतौर पर तब तक प्रकट नहीं होते हैं जब तक यह शरीर में गंभीर रूप से कम न हो जाए। मधुमेह, पोषक तत्वों के अवशोषण की समस्या, क्रोनिक दस्त और सीलिएक डिजीज जैसी स्वास्थ्य समस्याओं को भी बढ़ाने वाली हो सकती है। शराब पीने वाले लोगों में इसकी कमी का खतरा बढ़ जाता है।

बच्चों के साथ बैठकर खाना खायें

सुबह का नाश्ता बेहद जरूरी है, यह बात आप कई बार पढ़ चुके होंगे। बीते दिनों हुए एक अध्ययन के अनुसार परिवार अगर साथ में बैठकर खाना खाता है तो इसका सकारात्मक असर बच्चों और टीनेजर्स पर पड़ता है।

शोधकर्ताओं के अनुसार किशोर अपने लुक्स को लेकर सोशल मीडिया के दवाब में रहते हैं। इसके चलते वे कई बार खाने-पीने से जुड़े गलत फैसले लेते हैं और उन्हें ईटिंग डिसॉर्डर जैसी समस्याएं हो जाती हैं।

अध्ययनकर्ताओं ने 12,642 छात्रा पर अध्यान किया जिसके बाद ये परिणाम आये। जो बच्चे नियमित रुप से अपने अभिभावकों के साथ नाश्ता करते थे वे अपनी बॉडी इमेज को लेकर सकारात्मक हैं। सिर्फ ब्रेकफास्ट ही नहीं परिवार के साथ खाना खाने के भी परिणाम सकारात्मक आए हैं।

बच्चों के लिए सेहतमंद नाश्ता बनाना हमेशा एक कठिन काम रहता है और उससे भी ज्यादा मुश्किल होता है बच्चों में सेहतमंद खाने की आदत डालना। ऐसे में जरूरी होता है कि आप बच्चे के लिए जो ब्रेकफास्ट बना रही हैं वो हेल्दी के साथ-साथ टेस्टी भी हो ताकि आपका बच्चा उसे खाने से आना-कानी न करे बल्कि उसे पूरे चाव से खा ले। इतना ही नहीं, बच्चे में हेल्दी ब्रेकफास्ट से जुड़ी आदतें विकसित करने के लिए कुछ जरूरी नियमों का भी पालन किया जाना चाहिए।

जैसे वह उस समय अन्य काम न करे।

टीवी, मोबाइल न देखे।

फालतू समझ सिंक में ना बहाएं रसगुल्ले-गुलाब जामुन की बची चाशनी, ऐसे कर सकते हैं दोबारा यूज

त्यौहार का सीजन आने वाला है- गणेश चतुर्थी के बाद नवरात्रि, दशहरा और दिवाली सब एक के बाद एक आने शुरू हो जाएंगे। ऐसे में मेहमानों के आने-जाने के कारण घरों में रसगुल्ला, गुलाब जामुन का भरमार लगा होता है। कुछ लोग जहां इसे दुकान से खरीदकर लाना पसंद करते है, तो कुछ खुद ही इन्हें घर पर बनाते हैं। लेकिन ये सब में चीनी की चाशनी का बचना बहुत आम बात है। ऐसे में इसका दोबारा यूज कैसे करें यह सोच पाना कई सारे लोगों के लिए बहुत ही मुश्किल हो जाता है। इसलिए कुछ लोग इसे फालतू समझकर फेंक भी देते हैं। यदि आप भी बची हुई चाशनी को फेंक देते है, तो यह लेख आपके लिए है। यहां हम आपको चाशनी के ऐसे यूज बता रहे हैं जिसकी मदद से आप चीनी की बचत कर सकते हैं।एक्स्ट्रा बची चाशनी का इस्तेमाल घर में आप रोज चाय बनाने के लिए कर सकते हैं। इसके अलावा चीनी की जगह शरबत के लिए चाशनी का इस्तेमाल भी आप कर सकते हैं।

नशीली दवा पिलाकर मुझे बेहोश करने की कोशिश की: रश्मि देसाई

हाल ही में एक्ट्रेस रश्मि देसाई ने खुलासा किया कि उन्हें 16 साल की उम्र में कास्टिंग काउच का सामना करना पड़ा था। रश्मि देसाई ने बताया कि, 'इंटरनेट पर पहले ही ऐसी कई कहानियां भरी पड़ी हैं। मुझे याद है कि एक दिन ऑडिशन के लिए बुलाया था। मैं बहुत ज्यादा एक्साइटेड थी। मैं पहुंच गई, लेकिन वहां सिर्फ एक शख्स के अलावा कोई नहीं था।

वहां कोई कैमरा भी नहीं था। उसने मेरी ड्रिंक में नशीली दवा पिलाकर मुझे बेहोश करने की पूरी कोशिश की। मैं कहती रही कि मुझे ये सब नहीं करना है। लेकिन वह मेरे दिमाग को कंट्रोल में करना चाहता था। लेकिन जैसे-तैसे मैं किसी तरह वहां से निकली और घर आकर मां को सबकुछ बता दिया।रश्मि देसाई ने कहा, 'मुझे याद है कि अगले दिन, मैं अपनी मां के साथ उस शख्स से मिलने गई और मेरी मां ने उसे एक तमाचा मारा, ताकि उसे सबक सिखाया जा सके।

कास्टिंग काउच एक हकीकत है। लेकिन हर इंडस्ट्री में अच्छे और बुरे लोग होते हैं। मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे कुछ शानदार लोगों के साथ काम करने का मौका मिला, जिनके साथ मेरा वर्क एक्सपीरियंस काफी अच्छा रहा। भगवान ने मेरी मदद की।' बता दें, रश्मि देसाई टीवी इंडस्ट्री की एक जानी मानी एक्ट्रेस हैं। वो उतरन और दिल से दिल तक जैसे टीवी शो में नजर आ चुकी हैं। अब वो जल्द ही हिंदी फिल्म मिशन लैला, हिसाब बराबर में नजर आएंगी।

घरेलू हिंसा पर आधारित ढाई आखर का ट्रेलर रिलीज

बहुप्रतीक्षित फिल्म ढाई आखर का ट्रेलर हाल ही में रिलीज़ किया गया। इस फिल्म की कहानी घरेलू हिंसा और प्रेम की भावनाओं पर आधारित है। फिल्म की कहानी एक महिला के संघर्ष, उसके आत्म-सम्मान की खोज और उसके जीवन में प्रेम के प्रभावशाली पहलुओं को गहराई से पेश करती है। ढाई आखर की शुरुआत एक प्रेम पत्र की पंक्तियों से होती है-तुम्हारा प्यार मेरे लिए एक हवा के झोंके जैसा है,जो इस फिल्म के रोमांटिक पक्ष को

दर्शाती है। फिल्म के कुछ और संवाद, जैसे क्या रिश्ते का नाम होना जरूरी है? और जहां बंधन होता है, वहां प्यार नहीं होता, और जहां प्यार होता है, वहां बंधन नहीं होता, रिश्तों की जटिलता और फिल्म की थीम को खूबसूरती से व्यक्त करते हैं। इस फिल्म में हर्षिता नाम की महिला की कहानी दिखाई गई है, जो कई वर्षों तक घरेलू हिंसा और अपमानजनक वैवाहिक जीवन का शिकार रहती है। उसके जीवन में एक नया मोड़ तब आता है, जब वह पत्रों के माध्यम से लेखक श्रीधर से जुड़ती है। फिल्म में मृणाल कुलकर्णी, हरीश खन्ना और मराठी अभिनेता रोहित कोकाटे मुख्य भूमिकाओं में हैं। मृणाल हर्षिता का किरदार निभा रही हैं, और उनका मानना है कि यह कहानी समाज में महिलाओं के प्रति दोहरे रवैये को दर्शाती है। फिल्म के संवाद और पटकथा प्रसिद्ध लेखक असगर वजाहत ने लिखे हैं, जबकि संगीत अनुपम रॉय और कविता सेठ का है, जिससे फिल्म के गीत भावनात्मक और सशक्त बने हैं।

ढाई आखर को पहले ही कई फिल्म महोत्सवों में सराहना मिली है। इसे गोवा अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव 2023 और चेन्नई अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में प्रदर्शित किया गया था, और कंबोडिया फिल्म महोत्सव 2024 में इसे स्पेशल जूरी अवार्ड से सम्मानित किया गया। इस फिल्म की शूटिंग उत्तराखंड की खूबसूरत वादियों में की गई है, जो इसके दृश्य पक्ष को और भी सुंदर बनाते हैं। निर्देशक प्रवीन अरोड़ा कहते हैं, यह फिल्म समाज के दोहरे मापदंडों और प्यार की सच्चाई को खूबसूरती से प्रस्तुत करती है।

जिम ट्रेनर के प्यार में पागल हुई ये हसीनाएं

पर्दे पर अपनी अदाकारी से दिल जीतने वाली कुछ हसीनाएं असल जिंदगी में जिम ट्रेनर्स के प्यार में ही पागल हो गई और उनको अपना दिल दे बैठीं। कुछ एक्ट्रेसेस ने तो शादी भी रचा ली और परिवार भी बसा लिया। हम आपको बता रहे है ऐसी बॉलीवुड अभिनेत्रियों और उनके हैंडसम ट्रेनर्स के बारे में। सलमान खान की फिल्म तेरे नाम से लोकप्रिय हुई भूमिका चावला ने अपने योगा टीचर भरत ठाकुर से शादी करके सभी को चौंका दिया था। साउथ सिनेमा में भी धमाल मचाने वाली भूमिका ने भरत ठाकुर से योग सीखते-सीखते प्यार कर लिया। चार साल डेटिंग के बाद दोनों ने 2007 में शादी की और 2014 में अपने पहले बच्चे का स्वागत किया। भूमिका ने साल 2022 में बॉलीवुड में ऑपरेशन रोमियो से वापसी की। वहीं आमिर खान की बेटी आयरा खान अपने पिता के फिटनेस कोच नूपुर शिखर के साथ रिलेशनशिप में आईं। मिशाल कृपलानी से ब्रेकअप के बाद आयरा और नूपुर के बीच नजदीकियां बढ़ीं। कपल ने 2021 में अपने रिश्ते को सार्वजनिक किया और इसी साल शादी कर ली। दोनों सोशल मीडिया पर एक-दूसरे के लिए प्यार का इज़हार करने का कोई मौका नहीं छोड़ते। पूर्व विश्व सुंदरी और बॉलीवुड अभिनेत्री सुष्मिता सेन का दिल भी उनके जिम ट्रेनर और मॉडल रोहमन शॉल पर आ गया था। दोनों के कई वर्कआउट वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे। हालांकि, उनका रिश्ता लंबा नहीं चला और दोनों का ब्रेकअप हो गया। फिर भी सुष्मिता और रोहमन अब दोस्त हैं और अक्सर साथ देखे जाते हैं। टीवी की मशहूर गोपी बहू देवोलीना भट्टाचार्जी ने अपने जिम ट्रेनर शहनवाज शेख से 14 दिसंबर 2022 को शादी की। जिम में पहली मुलाकात के बाद दोनों ने तीन साल तक डेटिंग की और फिर देवोलीना ने ही शादी की पहल की। अब देवोलीना मां बनने वाली हैं, और इस कपल की जिंदगी में जल्द ही नया मेहमान आने वाला है।

हॉरर-कॉमेडी फिल्म भूल भुलैया 3 ने कमाए 200 करोड़

हॉरर-कॉमेडी फिल्म भूल भुलैया 3 ने सिर्फ 10 दिनों में 200 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया। निर्देशक अनीस बज्मी और निर्माता भूषण कुमार की इस फिल्म ने न केवल भारत में, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी शानदार प्रदर्शन किया है। कार्तिक आर्यन, विद्या बालन, माधुरी दीक्षित, और त्रिप्ति डिमरी की स्टारर इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया है। फिल्म की सफलता में प्रमोशनल टूर ने बड़ी भूमिका निभाई है, जिसने दर्शकों के बीच उत्साह को आसमान छूने पर मजबूर कर दिया। प्रमोशन की शुरुआत जयपुर में एक भव्य ट्रेलर लॉन्च के साथ हुई, जिसके बाद टीम ने अहमदाबाद, सूरत, दिल्ली, नोएडा, इंदौर और हैदराबाद जैसे बड़े शहरों में लाइव इवेंट्स किए। इन शहरों में दर्शकों ने फिल्म की टीम का गर्मजोशी से स्वागत किया और फैंस के बीच इसकी लोकप्रियता दिन-ब-दिन बढ़ती गई। पुणे में कार्तिक आर्यन और माधुरी दीक्षित ने वड़ापाव जैसे लोकल स्नैक्स का आनंद लिया, वहीं कोलकाता के हावड़ा ब्रिज पर एक कॉलेज इवेंट में कार्तिक और विद्या के साथ सेल्फी लेने के लिए बड़ी संख्या में प्रशंसक उमड़ पड़े। दुबई में एक भव्य इवेंट के दौरान, मिडिल ईस्ट से हजारों फैंस 'रूह बाबा' कार्तिक आर्यन से मिलने पहुंचे। इस इवेंट ने फिल्म की अंतरराष्ट्रीय लोकप्रियता को साबित कर दिया। अब कार्तिक पटना में अपने फैंस से मिलने के साथ इस प्रमोशनल टूर का समापन करेंगे, जो हिंदी हार्टलैंड में अपनी पकड़ को मजबूत करेगा। कार्तिक आर्यन ने अपने इस सबसे बड़े प्रमोशनल कैंपेन में टीम के साथ कड़ी मेहनत की और हर इवेंट में दर्शकों से सीधा संवाद स्थापित किया। उनकी ऊर्जा और अपने फैंस के साथ जुड़ने की कोशिशों ने फिल्म को बड़े स्तर पर सफलता दिलाई।अब तक फिल्म ने दुनियाभर में 300 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर ली है, जो इस फ्रैंचाइज़ी के लिए एक नया मील का पत्थर है।

तलाक के बाद भी किरण से बेहतर पति बनने की टिप्स मांगता हूं: आमिर

सोलह साल साथ बिताने के बाद एक्टर आमिर खान और किरण राव अब अलग-अलग हो चुके हैं, इसके बावजूद उनके बीच बेहतर बांडिंग देखी जा सकती है। दोनों ने अब हाल ही में अपने सक्सेसफुल कोलैब्रेशन को लेकर बात की। इस बारे में आमिर ने कहा कि तलाक ने उनके पर्सनल और प्रोफेशनल रिलेशनशिप को खराब नहीं किया। उन्होंने कहा कि वह तलाक के बाद भी किरण से बेहतर पति बनने की टिप्स मांगते हैं। वहीं कहते हैं कि अगर किरण मुझसे पूछें तो मैं उन्हें भी अच्छी पत्नी बनने की सलाह दे सकता हूं। दरअसल, एक ताजा इंटरव्यू में किरण ने कहा कि आमिर के साथ काम करके मजा आता है। वह पावरहाउस हैं। वहीं आमिर ने कहा कि तलाक एक अलग टॉपिक है लेकिन क्रिएटिव इंसान की तरह हम साथ में काफी अच्छा करते हैं। हमें एक-दूसरे के आइडिया पसंद आते हैं।

किरण आगे कहती हैं कि कई चीजें हैं जो हमें पसंद हैं। लेकिन जब कोई चीज पसंद नहीं होती तो मैं उनके पास जाती हूं और वह अच्छे से समझाते हैं। हम एक-दूसरे के ओपीनियन की काफी रिस्पेक्ट करते हैं। यही वजह है कि हमारी पार्टनरशिप इतनी लंबी चली। आमिर फिर मस्ती करते हुए कहते हैं कि वह कई बार किरण से अच्छे पति होने की सलाह मांगते हैं। इस पर किरण कई पॉइंट्स बता देती हैं। वह कहती हैं कि मैं बहुत ज्यादा बोलता हूं। अगर हम कहीं बाहर जाते हैं या मेहमान हमारे घर आते हैं तो मैं बहुत बातों में लग जाता हूं और कई स्टोरी सुनाता हूं। किरण फिर पूछती हैं कि अब आप पब्लिकली सब बताओगे तो आमिर बोलते हैं तू चुप रह। आमिर आगे बोलते हैं कि किरण, लेकिन मुझसे नहीं पूछती कि मैं कैसे अच्छी पत्नी बनूं? आप मुझसे पूछो मैं आपको लिस्ट बताता हूं। किरण फिर बोलती हैं कि अच्छी बात यह है कि मैं एक्स वाइफ हूं, इसलिए मुझे नहीं जानना है।

बता दें कि आमिर और किरण ने 4 साल की डेटिंग के बाद साल 2005 में शादी की थी। दोनों का बेटा भी है आजाद। साल 2021 में आमिर और किरण ने अलग होने की घोषणा की थी। बता दें कि आमिर खान और किरण राव का तलाक हो गया है। दोनों ने 16 साल की शादी को साल 2021 में तोड़ दिया था। हालांकि तलाक के बाद भी दोनों के बीच अच्छा बॉन्ड है और हमेशा एक-दूसरे को पर्सनली और प्रोफेशनली सपोर्ट करते हैं। दोनों ने साथ में कई फिल्मों में काम किया है जैसे दंगल, धोबी घाट, पीपली लाइव और लापता लेडीज।

बॉलीवुड के कई सिंगरों ने नाम तो खूब कमाया, फीस को लेकर नहीं हैं खुश

बॉलीवुड के कई जाने जाने सिंगर अरमान मलिक और अरिजीत सिंह यह कह चुके हैं कि उन्हें फिल्मों में पहचान तो मिलती है, लेकिन पैसे कम मिलता है। म्यूजिक कंपोजर्स उन्हें कम फीस पर गाना गाने का मौका देते हैं। हालांकि फिल्म इंडस्ट्री में कुछ दिग्गज सिंगर्स और कंपोजर्स ऐसे भी हैं, जो फीस के मामले में कभी समझौता नहीं करते हैं जिसमें एआर रहमान, जिन्हें म्यूजिक का मसीहा कहा जाता है, बॉलीवुड के सबसे महंगे सिंगर व म्यूजिक कंपोजर हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक एआर रहमान एक गाने के लिए तीन करोड़ रुपए लेते हैं, जो बाकी अन्य सिंगरों की फीस से करीब 12-15 गुना ज्यादा है। एआर रहमान खुद बहुत कम मौकों पर गाने गाते हैं, क्योंकि वे ज्यादातर अपने खुद के कंपोज किए गाने ही गाते हैं। उनके द्वारा इतनी मोटी फीस लेने का कारण यह है कि इस तरह वह अपने लिए गाने का कोई दूसरा अप्रोच न करे। इस सूची में दूसरे नंबर पर श्रेया घोषाल हैं, जो एक गाने के लिए 25 लाख रुपए चार्ज करती हैं। उनके बाद सुनिधी चौहान का नाम आता है, जो 18 लाख रुपए की फीस लेती हैं। इससे पहले 60 के दशक में स्वर कोकिला लता मंगेशकर ने म्यूजिक कंपोजर की फीस के मुकाबले ज्यादा पैसे की मांग कर इंडस्ट्री में हलचल मचा दी थी।

मीरा ने शाहिद की आदतों का किया खुलासा

शाहिद कपूर और मीरा राजपूत बॉलीवुड के सबसे पॉपुलर कपल्स में से एक हैं। दोनों अपनी खास केमिस्ट्री के लिए जाने जाते हैं, लेकिन हाल ही में मीरा ने एक चौंकाने वाला खुलासा किया है, जो सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है। मीरा ने करण जौहर के चैट शो कॉफी विद करण में शाहिद कपूर की एक आदत को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि शाहिद की डकार लेने की आदत उन्हें बहुत परेशान करती है। इसके अलावा, मीरा ने यह भी बताया कि शादी के वक्त वह 21 साल की थीं और शाहिद के साथ उनका जीवन एक नई शुरुआत थी। मीरा के अनुसार, शाहिद बच्चों को बिगाड़ने में माहिर हैं, जबकि वह उन्हें नियंत्रण में रखना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों को बिगाड़ना आसान है, लेकिन उन्हें सही दिशा में लाना थोड़ा मुश्किल होता है। मीरा ने यह भी कहा कि बच्चे के पालन-पोषण में पूरे परिवार का सहयोग अहम होता है। शाहिद और मीरा की शादी 2015 में हुई थी, और उनके दो बच्चे, मीशा और जैन हैं। शाहिद की अगली फिल्म देवा 14 फरवरी, 2025 को रिलीज़ होने वाली है।

डायना पेंटी की स्टाइलिश फैशन जर्नी

खूबसूरत एक्ट्रेस डायना पेंटी अपनी एक्टिंग के साथ-साथ अपने बेहतरीन फैशन सेंस के लिए भी जानी जाती हैं। वह हमेशा अपनी क्लासी और एलिगेंट स्टाइल से फैशन प्रेमियों को आकर्षित करती हैं। डायना पेंटी का हर लुक एक नई पहचान और आत्मविश्वास का प्रतीक होता है। पिछले साल के क्रिसमस सेलिब्रेशन में डायना ने बैकलेस सिल्वर गाउन पहनकर सबका दिल जीत लिया। इस लुक में वह पूरी तरह से फैशन आइकन के रूप में नजर आईं। इसके अलावा, सफेद गाउन में उनका लुक भी बेहद खूबसूरत था, जिसमें वह शो स्टॉपर की तरह चमकीं। उनके नैवी ब्लू पावरसूट का लुक बेहद आकर्षक और शाही था, जो उनके आत्मविश्वास और ग्रेस को उजागर करता है। डायना का शरारा और केप सेट में लुक भी बेहद आकर्षक था, जो उनकी खूबसूरती और शालीनता को दर्शाता है। इन सभी फैशन पलों ने यह साबित किया है कि डायना पेंटी किसी भी लुक को सहजता से कैरी कर सकती हैं।

आई वांट टू टॉक का नया गाना रिलीज

अभिषेक बच्चन स्टारर फिल्म आई वांट टू टॉक का नया गाना गुम हो कहां हाल ही में रिलीज किया गया है। शूजित सरकार द्वारा निर्देशित इस फिल्म का ट्रेलर कुछ दिन पहले लॉन्च हुआ था, जिसने दर्शकों में उत्साह बढ़ा दिया है। इस गाने में अभिषेक बच्चन और कॉमेडियन जॉनी लीवर की भावनात्मक परफॉर्मेंस फिल्म की कहानी को खूबसूरती से दर्शाती है। गुम हो कहां को ताबा चाके ने अपने संगीत डेब्यू के तौर पर गाया और कंपोज किया है, और इसे सोशल मीडिया पर मेकर्स ने शेयर किया है। गाने में खो जाने और खुद को फिर से पाने की थीम को खूबसूरत ढंग से दिखाया गया है। इससे पहले, फिल्म का पहला गाना दिल घबराये रिलीज किया गया था, जिसे दर्शकों से काफी सराहना मिली।

भूल भुलैया 3 की खास स्क्रीनिंग बच्चों संग

फैंस के चहेते रूह बाबा कार्तिक आर्यन ने चिल्ड्रेंस डे पर अपनी सुपरहिट फिल्म भूल भुलैया 3 की विशेष स्क्रीनिंग में शिरकत की। बच्चों के बीच खास तौर पर लोकप्रिय कार्तिक ने इस इवेंट में अपनी युवा ऑडियंस के लिए फिल्म के टाइटल ट्रैक पर सिग्नेचर डांस स्टेप्स किए और बच्चों के साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं। कैजुअल और स्टाइलिश लुक में पहुंचे कार्तिक ने बच्चों से मिलने और उनसे बातचीत करने का आनंद लिया। भूल भुलैया 3 में कार्तिक आर्यन एक बार फिर रूह बाबा के रूप में नजर आ रहे हैं, इस बार उनके साथ त्रिप्ति डिमरी, विद्या बालन और माधुरी दीक्षित भी शामिल हैं। अनीस बज़्मी द्वारा निर्देशित और भूषण कुमार द्वारा प्रोड्यूस की गई इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार प्रदर्शन किया है, रिलीज के बाद से ही यह 200 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुकी है।

दीपिका-रणवीर की 6वीं वेडिंग एनिवर्सरी

बॉलीवुड के सबसे प्यारे कपल्स में से एक, दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह दो दिन पूर्व अपनी 6वीं वेडिंग एनिवर्सरी मनाया। इस खास दिन पर रणवीर ने अपनी पत्नी दीपिका के लिए सोशल मीडिया पर प्यार भरी पोस्ट शेयर की। रणवीर ने दीपिका की कई अनदेखी तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें दीपिका खिलखिलाते हुए हंस रही हैं। तस्वीरों के साथ रणवीर ने लिखा, हर दिन पत्नी प्रशंसा दिवस है, लेकिन आज मुख्य दिन है आई लव यू..... दीपिका और रणवीर की लव स्टोरी बहुत ही फिल्मी रही है। दोनों की मुलाकात फिल्म रामलीला के सेट पर हुई थी, जहां से उनका प्यार शुरू हुआ। उन्होंने 2018 में शादी की थी और पांच साल बाद, 2024 में, उनकी बेटी दुआ का जन्म हुआ।

ब्रीफ न्यूज

मतगणना दलों का प्रशिक्षण 18 एवं 22 नवंबर को

सीहोर। बुधनी विधानसभा उप निर्वाचन की मतगणना के लिए सीहोर के शासकीय कन्या महाविद्यालय में मतगणना दलों के गणना सहायक, गन्ना प्रेक्षक एवं माइक्रो आब्जर्वरों को प्रथम प्रशिक्षण 18 नवंबर को प्रात: 10:30 बजे से 01 बजे तक एवं द्वितीय प्रशिक्षण 22 नवंबर को दोपहर 02 बजे से 05 बजे तक आयोजित किया गया है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी प्रवीण सिंह द्वारा प्रशिक्षण में मतगणना दलों के गणना सहायक, गण्ना प्रेक्षक एवं माइक्रो आर्ब्जवरों को उपस्थित होने के निर्देश दिए। शिक्षण में उपस्थित होने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को अपना बैंक का खाता नम्बर, बैंक का आईएफएससी कोड एवं मोबाईल नम्बर की जानकारी साथ लाने तथा द्वितीय प्रशिक्षण में पासपोर्ट साईज के 2 फोटो साथ लाने के निर्देश दिए गए हैं।

जनजातीय गौरव दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

सीहोर। जनजातीय अधिकारों के प्रहरी एवं महान स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुण्डा की 150 जयंती के अवसर पर बुधनी स्थित एकलव्य आदर्श आवासीय स्कूल एवं सीहोर स्थित शासकीय कन्या शिक्षा परिसर में जनजातीय गौरव दिवस आयोजित किया गया। इस अवसर पर भगवान बिरसा मुण्डा के शौय और वीरता के बारे में छात्र-छात्राओं को जानकारी दी गई। इस अवसर पर भगवान बिरसा मुण्डा के जीवन पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इसके साथ ही छात्रों द्वारा प्रभात फेरी भी निकाली गई। कार्यक्रम में बच्चों को बताया गया कि किस प्रकार भगवान बिरसा मुण्डा विपरीत परिस्थितियों में रहने के बावजूद संघर्ष करके देश हित के लिए आगे आए एवं अंग्रेजों का डटकर सामना किया।

भगवान के प्रति भक्ति गहरी होती है: पंडित शिवम मिश्रा

सत्ता सुधार ■ सीहोर

श्रीमद् भागवत कथा सुनने से मनुष्य का आध्यात्मिक विकास और भगवान के प्रति भक्ति गहरी होती है। भगवान की विभिन्न कथाओं का सार श्रीमद् भागवत है और मनुष्य को मोक्ष प्रदान करने वाली है। श्रीमदभागवत कथा सुनने से प्राणी को मुक्ति प्राप्त होती है। माघ महीने में श्रीमद् भागवत कथा सुनना पुण्यकारी माना जाता है। भागवत का अथज् भक्ति, ज्ञान, वैराग्य और तारण है। उक्त विचार जिला मुख्यालय के समीपस्थ चितावलिया हेमा स्थित निमाणज़धीन मुरली मनोहर एवं कुबेरेश्वर महादेव मंदिर में जारी सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा के छठवे दिवस कथा व्यास पंडित शिवम मिश्रा ने कहे। शनिवार को कथा में भगवान का मथुरा प्रस्थान, कंस का वध, महर्षि संदीपनी के आश्रम में विद्या ग्रहण करना, कालयवन का वध, उधव गोपी संवाद, द्वारका की स्थापना और रुकमणी विवाह के प्रसंग का संगीतमय भावपूणज् पाठ किया गया। भगवान श्रीकृष्ण रुकमणी के विवाह की मनमोहक झांकी ने सभी को खूब भाव विभोर किया। वही शुक्रवार को पंडित शिवम मिश्रा ने भगवान श्री कृष्ण की गोवधज़न लीला का वणज़न किया। गोवधन पूजा करने के साथ वहां भगवान

श्री कृष्ण को छप्पन भोग लगाकर आरती भी की गई। इस अवसर पर श्रद्धालु मौजूद रहे और कथा श्रवण की। हमें कभी अहंकार नहीं करना चाहिए। इंद्र के अभियान को नष्ट करने के लिए ही भगवान श्रीकृष्ण ने गोवधन की पूजा-अर्चना कराई थी। मनुष्य जब अच्छे काम करता है तो पूरी सृष्टि की शक्ति उसका साथ देती है और उसे सफल बनाती है। छल और छलावा ज्यादा दिन नहीं चलता। इसे भगवान भी स्वीकार नहीं करते। भागवत कथा में जीवन का सार मौजूद है केवल आवश्यकता है कि सभी उसे ध्यान से सुनें। इससे मनुष्य को परमानंद की प्राप्ति होती है। भागवत कथा सुनना प्रेतयोनि से मुक्ति दिलाता और इससे मनुष्य के सभी क्लेश दूर होते हैं। कृष्ण की लीला थी कि इंद्र को भी मजबूर कर दिया, उनके ओर से अपनी लीला से जगत का ना सिर्फ पालन किया गया, बल्कि जगत को जीवन जीने की कला भी सिखाई और आज श्रीमद् भागवत में जीवन का सार सम्माहित है। वहीं भागवत को सुनने और समझने की आवश्यकता है, इससे जीवन में परेशानी और कठिनाई दूर हो जाती है। इंद्र के अभियान को नष्ट करने के लिए ही भगवान श्रीकृष्ण ने गोवधन की पूजा-अर्चना कराई थी।

गुरु नानक देव जी का प्रकाश महोत्सव बड़े धार्मिक उत्साह के साथ मनाया गया

महापौर,विधायक, कलेक्टर ने गुरुद्वारे में समाजजनों को दी पर्व की शुभकामनाए

सत्ता सुधार ■ खंडवा

सिख समाज द्वारा गुरु नानक देव जयंती का पर्व धार्मिक उत्साह के साथ मनाया गया। विगत दिनों जहां पर्व को लेकर नगर कीर्तन निकाला गया। वहीं गुरु नानक देव जयंती पर टपाल चाल स्थित प्राचीन गुरुद्वारे में यह पूर्व उत्साह के साथ मनाया गया। समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि अनेकता में एकता यही भारत की विशेषता इस भारत देश में सभी सामाजिक बंधु अपने-अपने त्योहारों को धार्मिक उत्साह के साथ मनाते हैं। सिख समाज के खंडवा नगर में लगभग 700 परिवार है और टपाल चाल स्थित प्राचीन गुरुद्वारे के साथ ही आनंद नगर एवं पंजाब कॉलोनी में भी गुरुद्वारे स्थापित हैं, शुक्रवार को गुरु नानक देव जी के प्रकाश महोत्सव पर्व पर गुरुद्वारा में जहां पूरे परिवार के साथ सामाजिक बंधुओ ने

समापन अवसर पर बड़ी संख्या में समाजजनों के साथ जनप्रतिनिधि एवं नगर वासियों ने गुरुद्वारा पहुंच माथा टेक लंगर में प्रसादी ग्रहण की

गुरुद्वारे में जाकर माथा टेका,वहीं शहर के हजारों श्रद्धालुओं ने भी जाकर माथा टेक कर आयोजित विशाल गुरु लंगर मैं प्रसादी ग्रहण की। सिख धर्म के सबसे महत्वपूर्ण दिनों में से एक गुरु नानक जयंती पर्व है यह पर्व 10 सिख गुरुओं में से पहले और सिख के धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव जी की जयंती का प्रतीक है। इस अवसर पर भक्ति आध्यात्मिक समारोह और सिख धर्म के पवित्र ग्रंथ साहब के भजनों के पाठ के साथ यह पर्व मनाया जाता है। यह दिन न केवल गुरु नानक देव जी के शिष्यों और ज्ञान का सम्मान करता है बल्कि सिख धर्म के मूल सिद्धांतों को मूर्त रूप देते हुए एकता,समानता और निस्वार्थ सेवा को बढ़ावा देता है, समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि प्रकाश उत्सव के इस पर्व पर जनप्रतिनिधियों के साथ ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित हुए,महापौर अमृता अमर यादव, विधायक कंचन मुकेश तनवे, जिला पंचायत अध्यक्ष पिंकी सुदेश वानखेडे, परिषद अध्यक्ष अनिल विश्वकर्मा, सेवादास पटेल, कलेक्टर अनूप कुमार सिंह एसडीएम बजरंग सिंह सुनील जैन, अरुण सिंह मुन्ना, धर्मेंद्र बजाज, राजेश यादव, संदेश गुप्ता, प्रकाश गोस्वामी,विशाल छाबड़ा सहित श्रद्धालुओं ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के समक्ष माथा टेका और आशीर्वाद प्राप्त किया, इस अवसर पर जसवीर सिंह राणा द्वारा संबोधित गुरुवाणी का लाभ भी प्राप्त किया, समाज के पदाधिकारी ने, जनप्रतिनिधियों का स्वागत किया इस अवसर पर महापौर विधायक ने सभी समाज जनों को पर्व की शुभकामनाएं प्रेषित की।

वृद्ध महिला की हत्या में शामिल आरोपियों को जल्द पकडे पुलिस : अहिरवार समाज संघ

सत्ता सुधार ■ सीहोर

बीते दिनों आष्टा क्षेत्र के ग्राम गुडारिया रूपचंद में खेत पर काम कर रही एक वृद्ध महिला मोतन बाई की अज्ञात चोरों ने हत्या कर दी थी और पैर काट कर चांदी के जेवरात चुरा ले गए थे। घटना को लेकर लोगों में काफी आक्रोश हैं। शनिवार को अहिरवार संघ के पदाधिकारियों ने घटना के विरोध में पुलिस अधीक्षक के नाम ज्ञापन सौंपा। घटना में शामिल आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार का कठोर से कठोर सजा की मांग संघ ने की है। संघ के प्रदेश सचिव विनोद बडोदिया ने कहा कि इस प्रकार की घटना से कानून व्यस्था पर सवाल खडे होते हैं। ऐसा लगता है अपराधियों को पुलिस का डर ही नहीं। वह दिन दहाडे इस प्रकार की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं और इतने दिन बीत जाने के बाद भी कानून की पहुंच से बाहर हैं। इस घटना से क्षेत्र में डर का माहौल बना है पूरा परिवार सदमें हैं और मानसिक पीडा से गुजर रहा है। समाज में घटना को लेकर काफी आक्रोश है। संघ ने मांग करते हुए कहा कि शीघ्र अति शीघ्र आरोपियों को गिरफ्तार कर कठोर से कठोर सजा से दण्डित किया जाना चाहिए। जिससे पीडित परिवार को न्याय मिल सके। इस दौरान अहिरवार समाज संघ के वरिष्ठ सदस्य मंशाराम अहिरवार और नर्बदा प्रसाद अहिरवार भी उपस्थित रहे।

लाभांश की राशि से खेल एवं जागरूकता कार्यक्रम

सत्ता सुधार ■ हरदा

मध्य प्रदेश शासन वन विभाग वन मंडल हरदा सामान्य द्वारा वनग्राम के युवाओं में खेलों एवं वन सुरक्षा, वन्य प्राणी सुरक्षा, अग्नि सुरक्षा आदि के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से वन परिक्षेत्र मगरधा के वनग्राम बड़झिरी में लाभांश की 20त्न राशि से खेल एवं जागरूकता कार्यक्रम अंतर्गत वन सुरक्षा समिति स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 15 नवंबर को किया गया। कबड्डी प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि श्री रामविलास कासडे सरपंच ग्राम पंचायत बड़झिरी, श्रीराम जामुनकर वन सुरक्षा समिति अध्यक्ष बड़झिरी एवं मुकेश रघुवंशी वन परिक्षेत्र अधिकारी मगरधा सामान्य द्वारा खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर एवं टॉस कराकर खेल का शुभारंभ कराया।

इस प्रतियोगिता में वन सुरक्षा समिति मुरलीखेड़ा, बंशीपुरा, बड़झिरी, लाखादेह, जामन्याकलां, बिटिया, सिंगोडा तथा इंद्रपुरा की कबड्डी टीमों ने हिस्सा लिया। सभी टीमों ने अच्छे खेल का प्रदर्शन किया, कबड्डी प्रतियोगिता रात 9:00 बजे तक चली। वन सुरक्षा समिति सिंगोडा की टीम विजेता रही एवं वन सुरक्षा समिति इंद्रपुरा की टीम उपविजेता रही। विजेता टीम को 5100 रुपए एवं उपविजेता टीम को 3100 रूपए की राशि का पुरस्कार वन सुरक्षा समिति बड़झिरी एवं लाखादेह की ओर से दिया गया। प्रतियोगिता के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का चयन किया गया जो कि वनमंडल स्तर पर वन परिक्षेत्र मगरधा की ओर से वनमंडल स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में भाग लेंगे। प्रतियोगिता के उपरांत समस्त अतिथियों, प्रतिभागियों एवं ग्राउंड स्टाफ को भोजन कराया गया। प्रतियोगिता के आयोजन में लक्ष्मी नारायण गोंड परिक्षेत्र सहायक मगरधा, जोहन सिंह परते परिक्षेत्र सहायक लाखादेह एवं समस्त स्टाफ वन परिक्षेत्र मगरधा सामान्य का विशेष योगदान रहा। आगामी वन सुरक्षा समिति स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 19/11/24 को वनग्राम बापचा में कराया जाएगा।

आज महोत्सव के रूप में मनाया जाएगा विधायक सुदेश राय का जन्म दिन, रात्रि को कवि सम्मेलन का होगा आयोजन

सत्ता सुधार ■ सीहोर

सीहोर विधानसभा क्षेत्र के शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में अरबों रुपए की विकास की सौगात देने वाले जनप्रिय नेता भाजपा के सीहोर विधानसभा क्षेत्र के विधायक सुदेश राय का जन्म दिन क्षेत्र के आस्थावान नागरिकों के द्वारा उत्साह के साथ मनाया जाएगा। इस मौके पर सीहोर विधानसभा स्थित कायाज़्लय में सुबह 11 बजे से शाम पांच बजे तक कार्यकताओं और क्षेत्रवासियों से भेंट करेंगे, वहीं रात्रि को विशाल भव्य राष्ट्रीय कवि सम्मेलन में देश के जानेमाने हास्य कवियों को आमंत्रित किया गया। जो देश भक्ति के साथ हास्य कविता का पाठ करेंगे। इसके अलावा अहमदपुर देवीपुरा में क्षेत्रवासियों के द्वारा रामधुन यात्रा का आयोजन सुबह दस बजे किया जाएगा। चांदबड़ श्यामपुर, दोराहा, अहमदपुर देवीपुरा,चरनाल सीहोर सहित ग्रामीण अंचलों के बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी रैली के रूप में रविवार दोपहर में सीहोर पहुंचकर विधायक सुदेश राय को जन्मदिवस की बधाई शुभकामनाऐं देंगे। इसके अलावा हर समाज और हर वर्ग के नागरिक भी परम्परानुसार बधाई देने आऐंगे।

विधायक सुदेश राय के

जन्मदिन महोत्सव के उपलक्ष्य में नागरिकों ने शहर के हर चौक चौराहे को दुल्हन की तरह सजा दिया है। बैनर पोस्टर स्वागत द्वार लगाकर महोत्सव का आगाज कर दिया है। गांव-गांव में ग्रामवासियों के द्वारा भी साज सज्जा कर कार्यक्रम आयोजित किए जाऐंगे। शहर के हर वार्ड मोहल्ले में फूलों की मालाऐं सजाई जाएंगी जोरदार आतिशबाजी की जाएगी। लीसा टॉकिज मैदान पर विशाल भव्य राष्ट्रीय कवि सम्मेलन होगा और गल्ला मंडी से विशाल स्वागत वाहन रैली का शुभारंभ भी किया जाएगा। भाजपा कार्यकताओं ने भी भव्य आयोजन की विशेष तैयारियां शुरू कर दी है। शुभ आयोजन को लेकर युवा भाजपा नेता राजकुमार रिंकू जायसवाल ने बताया की विधायक जी ने अपने कार्यकाल में अरबों रूपये के निर्माण कार्यो की बड़ी सौगात विधानसभा क्षेत्र की जनता को दी है यही कारण है कि विधायक जी के जन्मदिवस को महोत्सव के रूप में मनाने के लिए आम नागरिक और भाजपा कार्यकर्ता समर्थक इंतजार कर रहे है, लीसा टॉकिज मैदान पर रविवार की रात आयोजित विशाल भव्य राष्ट्रीय कवि सम्मेलन में देश के जानेमाने हास्य कवियों को आमंत्रित किया गया है। मंडी स्थित मैदान पर चांदबड़ श्यामपुर, दोराहा, अहमदपुर देवीपुरा, चरनाल सहित ग्रामीण अंचलों से रैली में सम्मिलित होने वाले हमारे परिवार के सदस्य समर्पित कार्यकर्ता और सम्मानीय नागरिक एकत्रित होंगे। भव्य विशाल स्वागत वाहन रैली का शुभारंभ मंडी से होगा। रैली मंडी के प्रमुख मार्गो से होकर लुनिया चौराहा, भोपाल नाका, इंग्लिशपुरा रोड, कोतवाली चौराहा,मेन रोड पान चौराहा, बड़ा बाजार, लीसा टाकिज चौराहा से हजारों कार्यकर्ता लीसा टाकिज मैदान पर ढोल ढमाके डीजे के साथ पहुंचेगें। विधायक जी लीसा टाकिज मैदान पर उपस्थित होकर आयोजित कार्यक्रम में समस्त नागरिकों जनप्रतिनियिों शुभचिंतकों से बधाई शुभकामनाऐं स्वीकार करेंगे।

बी -1 का वाचन, राजस्व महाअभियान किसानों ने की सराहना

सत्ता सुधार ■ हरदा

मध्य प्रदेश शासन द्वारा किसान हित में चलाएं जा रहे राजस्व महाअभियान 3.0 के तहत जिले में प्रतिदिन कलेक्टर आदित्य सिंह के निर्देशानुसार ग्रामों पटवारियों द्वारा बी 1 का वाचन किसानों को सूचना देकर किया जा रहा है । इसी कड़ी में आज हंडिया तहसील के नीमगांव में पटवारी राजीव जैन ने किसानों की उपस्थित में श्री जम्भेश्वर मंदिर प्रांगण में बी 1 का वाचन किया ओर किसानों के वारसाना हक, विक्रय

पत्र सहित अविवादित नामांतरण /बंटवारा के मामलों की जानकारी सूचीबद्ध की।

नीमगांव के पटवारी राजीव जैन ने चर्चा करते हुए बताया कि राजस्व महाअभियान-3.0 को लेकर प्रशासन सजगता से कार्य कर रहा है । कलेक्टर से लेकर एसडीएम एवं तहसीलदार सतत् समीक्षा कर रहे है। प्रतिदिन कलेक्टर ओर तहसील कार्यालय पर मोबाइल पर दिन भर की गतिविधियों की जानकारी ओर संख्या देना होती है जिले के सभी पटवारी प्रतिदिन ग्राम का भ्रमण कर राजस्व महाअभियान-3.0 का कार्य कर रहे है। राजस्व महाअभियान-3 .0 को लेकर एसडीएम एवं तहसीलदारों ने अपने अधिनस्थ पटवारियों की बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश अभियान शुरू होने के पूर्व ही प्रसारित कर दिये थे, पटवारियों द्वारा उसी के अनुरूप कार्य किया जा रहा है ।

प्राचीन भवानी माता मंदिर में कार्तिक पूर्णिमा पर छप्पन भोग के साथ विशाल भंडारे का आयोजन संपन्न

खंडवा। नगर के प्राचीन भवानी माता मंदिर में प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी कार्तिक शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा के दिन विशाल भंडारे का आयोजन संपन्न हुआ, बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर माताजी के दर्शन कर अन्नकूट भंडारे में प्रसादी ग्रहण की, समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि आयोजित कार्यक्रम में शुक्रवार को प्रातः पूर्णिमा के दिन मंदिर के पुजारी गौरव राजेंद्र सिंह चौहान द्वारा माताजी का विशेष आकर्षक श्रृंगार के साथ छप्पन भोग लगाया गया, बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं मंदिर पहुंचकर माताजी एवं छप्पन भोग के दर्शन किए, महापौर अमृता अमर यादव विधायक कंचन मुकेश तनवे,जिला पंचायत अध्यक्ष पिंकी सुरेश वानखेडे, धर्मेंद्र बजाज, सुनील जैन, तिलोक यादव,मंगल यादव ,संदेश गुप्ता, सुनील बंसल, लोकेंद्र गौड, अखिलेश शर्मा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने माता जी के दर्शन कर अन्नकूट में प्रसादी ग्रहण की।

खंडवा को संभाग मुख्यालय बनाने हेतु प्रेस वार्ता कर कांग्रेस ने उठाई मांग

खण्डवा को संभाग बनाने के विषय में भाजपा का सहयोग करने में भी हम परहेज नही करेंगे: डॉ मुनीश मिश्रा

खंडवा को संभाग का दर्जा मिलने पर खंडवा सहित अन्य जिलों का होगा विकास

सत्ता सुधार ■ खंडवा

मध्यभारत का निमाड़ क्षेत्र पहले खानदेश में समाहित था। 1956 में जब प्रदेशों का पुनर्गठन किया गया और मध्यभारत को मध्यप्रदेश में विलय करके निमाड़ क्षेत्र का हेडक्वार्टर बनाया गया, तब 1956 में 1 नवंबर को खंडवा जिले का जन्म हुआ । परंतु ब्रिटिश शासन काल में पहले से ही खंडवा का एक महत्वपूर्ण स्थान रहा है और उनका यही से दक्षिण जाने का दरवाजा खुलता था।

डॉ मुनीश मिश्रा ने बताया कि

पौराणिक काल में खंडवा जिले का वर्णन हमारे ग्रंथो में मिलता है बहुत सारी रचनाये पांडवों के काल में यहां रचित की गई थी, आधुनिक काल की हम बात करें तो स्वतंत्रता संग्राम से लेकर देश के कई विभूतियों ने अपनी कर्मभूमि इसी क्षेत्र को बनाया जैसे- माखनलाल चतुर्वेदी, पंडित बाबूलाल तिवारी, रायचंद नागडा जैसे निर्भीक स्वतंत्रता संग्रामी, धार्मिक और आध्यात्मिक लोगों जैसे- धुनीवाले दादाजी, संत सिंगाजी महाराज, दाताशाह मालगांव, ब्रह्मगीर महाराज का साथ मिला। गीत, संगीत, कला साहित्य के साधक भी यहां पर्याप्त रूप से मिलते रहे है। प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग ओंकारेश्वर, ममलेश्वर और मध्य प्रदेश की भाग्य रेखा नर्मदा नदी निमाड़ के बीच से होती हुई अरब सागर में मिलती है। इसी नर्मदा नदी के ऊपर देश के बड़े बांधों में शामिल नर्मदा बांध बना हुआ है।

विडम्बना यह है कि प्राकृतिक रूप से संपन्न होने के बाद भी हमारे द्वारा नर्मदा के जल का कोई उपयोग नहीं किया जा रहा है, ना ही पड़ोसी जिलों की हमारे द्वारा दिए गए जल का कोई रिटर्न हमें मिल पाया है।

नर्मदा सागर पर बनाए गए बांध से उत्पादित बिजली और थर्मल पावर होने के बावजूद भी खंडवा जिले के जो प्रतिसाद के रूप में औधोगिक क्षेत्र में और व्यापारिक क्षेत्र में जो प्रगति मिलनी थी वह नहीं मिल पाई। पिछले 30 सालों में हमारे यहां की नगद फसले जैसे कपास, गन्ना, प्याज, अदरक, अरबी भी यहाँ से विलुप्त सी हो गई है। राजनीतिक रूप से भी और सामाजिक, सांस्कृतिक रूप से भी एक ठहराव सा जिले में महसूस किया जा रहा है। साथ इस ठहराव के कारण खंडवा जिले का लगभग शोषण सा हो रहा है। भौगोलिक, राजनीतिक तथा प्रशासनिक के परिसीमन के आगमन की आहट सुनकर इस बार खंडवा जिले की जनता बहुत दृढ़ता से अपने जागरूक होने का परिचय दे रही है।

शहर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ मुनीश मिश्रा ने कहा कि निमाड़ जिले का पूरा कांग्रेस संगठन इस बात के लिए दृढ़ प्रतिज्ञ है कि यदि प्रशासनिक स्तर पर कोई संभाग का निर्माण होता है तो इसका मुख्यालय खंडवा को बनाना चाहिए । निमाड़ क्षेत्र के इस हिस्से की विकास की गाथा तभी पूरी लिखी जा सकेगी जब खंडवा शहर को संभाग का मुख्यालय बनाया जाएगा ।

यहां पर आधारभूत सारी रचनाए जैसे- हवाईपट्टी, रेलवेस्टेशन, भरपूरजल, भरपूर विद्युत और वे सुविधाए उपलब्ध है जो संभाग स्तर पर होना चाहिए । अतेव नवीन बनने वाले संभाग का मुख्यालय खंडवा को ही बनना चाहिए । इसमें कोई दोमत नहीं है कि खंडवा के संभाग बनाए जाने में दलगत राजनीति से उठकर हम सब लोग इस मॉग के लिए एक है, और प्रयास करेंगे कि हम सब एकजूट होकर सफलता दिलाये। प्रेसवार्ता के अवसर पर शहर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ मुनीश मिश्रा ने सभी उपस्थित प्रेस के साथियों को राष्ट्रीय प्रेस दिवस की शुभकामनाएं प्रेषित की। प्रेसवार्ता को शहर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ मुनीश मिश्रा ने संबोधित किया इस अवसर ओर उनके साथ अमरेश पांडे,कुन्दन मालवीय,सलीम पटेल, अज़ीज़ मदनी, पार्षद शब्बीर कादरी, लव जोशी,सुनील यादव, शैलेष पालीवाल, सहित अन्य कांग्रेसजन मौजूद थे। प्रेस वार्ता का संचालन शांतनु दीक्षित ने किया। उक्त जानकारी जिला कांग्रेस प्रवक्ता प्रेमांशु जैन ने दी।

ब्रीफ न्यूज

मैनकाइंड फार्मा ने भारत सीरम्स का हिस्सा गिरवी रखा

नई दिल्ली। मैनकाइंड फार्मा ने अपनी सहायक भारत सीरम्स ऐंड वैक्सीन्स लिमिटेड (बीएसवी) के लिए 5,000 करोड़ रुपये के गैर-परिवर्तनीय ऋणपत्र जारी किए हैं। इसके लिए कम्यूनिकेशन कंपनी कैटलिस्ट ट्रस्टीशिप लिमिटेड के साथ 39.68 फीसदी हिस्सेदारी का कदम उठाया गया है। यह कदम 10 अक्टूबर को तीन डिबेंचर ट्रस्ट डीड्स की व्यवस्था के तहत किया गया। गिरवी करार को 14 नवंबर को औपचारिक रूप दिया गया है। इससे मैनकाइंड फार्मा को एनसीडी जारी करने की संभावना है। कंपनी ने सितंबर में घोषणा की थी कि उन्होंने अपने निजी नियोजन के आधार पर 10,000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बनाई है। इसके तहत, 23 अक्टूबर को उन्होंने बीएसवी के पूर्ण स्वामित्व का अधिग्रहण किया था। गिरवी के लिए किसी रकम का खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन इसके संदर्भ में कोई सौदा नहीं है। कंपनी ने नियामकीय सूचना में इसे स्पष्ट किया है। इस गिरवी से मैनकाइंड फार्मा की रणनीतिक पहल और वृद्धि योजना को सहारा मिलने की उम्मीद है। इसके जरिए कंपनी कि विकास की गति में मदद मिलेगी।

नेटवेब के सीएफओ और सीएचआरओ ने इस्तीफा दिया

नई दिल्ली। भारतीय आइटी कंपनी नेटवेब् टेक्नोलॉजी इंडिया ने बड़ी घोषणा की है कि कंपनी के चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर (सीएफओ) और चीफ ह्यूमन रिसोर्स ऑफिसर प्रवल जैन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। जनवरी 2025 से प्रवल जैन अपने बाहरी करियर को शुरू करेंगे। कंपनी ने बताया कि प्रवल जैन के इस्तीफे को स्वीकार किया गया है, और उन्होंने यह जिम्मेदारी संभाली रहने की योजना बनाई है ताकि कंपनी की संचालन प्रक्रिया में कोई खिलाफ ना हो। सीएफओ के पद पर अंतरिम चिह्नित किए गए अंकित कुमार सिंघल ने यह जिम्मेदारी संभाली है। उन्होंने कंपनी के फाइनेंशियल कंट्रोल में अहम भूमिका निभाई है और नए सीएफओ की नियुक्ति तक यही जिम्मेदारी निभाएँगे। नेटवेब का शेयर बाजार में 14 नवंबर को 0.21 फीसदी की गिरावट के साथ 2669.65 रुपये पर बंद हो गया। कंपनी ने बताया कि निवेशकों को मल्टीबैगर रिटर्न देने में सफल रही है। सितंबर 2024 तिमाही में कंपनी की कमाई और नेट लाभ में वृद्धि हुई है, जिसका परिणाम शेयर बाजार में दी गई प्रतिक्रिया से दिखाई दी है। कंपनी के दिन पर दिन विकसित होने का प्रयास चलता रहेगा, और कंपनी की भविष्य में भी बढ़ोतरी की उम्मीद की जा रही है।

आगामी वर्षों में आईटी खर्च में तेजी से बढ़ोतरी का अनुमान

नई दिल्ली। गार्टनर द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार, भारत में आईटी खर्च में आगामी वर्षों में तेजी से बढ़ोतरी का अनुमान है। भारत का आईटी खर्च 2025 तक 160 बिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है, जो 2024 से 11.2 प्रतिशत अधिक होगा। यह वृद्धि मुख्य रूप से एप्लीकेशन और इंफ्रास्ट्रक्चर सॉफ्टवेयर बाजार में हो रही वृद्धि के कारण होगी। गार्टनर के उपाध्यक्ष और विश्लेषक नवीन मिश्रा के मुताबिक, 2025 तक भारतीय सीआईओ जेनरेटिव एआई पर भी खर्च बढ़ाएंगे।

एप्पल ने भारत में 4 मिलियन यूनिट शिप किए, जो एक रिकॉर्ड शिपमेंट

एप्पल ने तीसरी तिमाही में सबसे बड़ी शिपमेंट की रिपोर्ट दर्ज की

एजेंसी ■ नई दिल्ली

एप्पल ने तीसरी तिमाही में भारत में अब तक की सबसे बड़ी शिपमेंट की रिपोर्ट दर्ज की है। रिपोर्ट के अनुसार, जुलाई से सितंबर के बीच एप्पल ने भारत में 4 मिलियन यूनिट शिप किए, जो एक रिकॉर्ड शिपमेंट है। इस अवधि में भारत में कुल स्मार्टफोन शिपमेंट 46 मिलियन यूनिट तक पहुंच गया, जो सालाना आधार पर 5.6 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। भारत का स्मार्टफोन बाजार 2024 में एकल अंक की वार्षिक वृद्धि के साथ समाप्त होने की संभावना है।

आईडीसी एशिया पैसिफिक में डिवाइस रिसर्च की वरिष्ठ शोध प्रबंधक, उपासना जोशी के अनुसार, इस तिमाही में स्मार्टफोन शिपमेंट में बढ़ोतरी के पीछे ऑनलाइन और ऑफलाइन चैनलों में आकर्षक डिस्काउंट्स, मल्टीपल फाइनेंसिंग ऑप्शंस, बढ़ी हुई वारंटी और कैशबैक ऑफर्स जैसी कई रणनीतियाँ रही हैं। साथ ही, नए 5जी स्मार्टफोन्स के लॉन्च ने भी इस वृद्धि को बढ़ावा दिया है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि जुलाई-सितंबर के बीच लगभग 38 मिलियन 5जी स्मार्टफोन शिप किए गए, जिनकी हिस्सेदारी पिछले साल की तीसरी तिमाही के 57 प्रतिशत से बढ़कर 83 प्रतिशत हो गई। ऑनलाइन चैनल्स पर शिपमेंट में 8 प्रतिशत की वृद्धि हुई, और अब यह शिपमेंट का 51 प्रतिशत हिस्सा बन चुका है।

इस तिमाही में एप्पल ऑनलाइन चैनल्स पर दूसरे सबसे बड़े प्लेयर के रूप में उभरा, जिसमें आईफोन 15 और आईफोन 13 सबसे अधिक शिप किए गए डिवाइस थे। वहीं, ऑफलाइन चैनल्स पर भी शिपमेंट में 3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। वीवो ने लगातार तीसरी तिमाही में स्मार्टफोन बाजार में अपनी बढ़त बनाए रखी, जबकि ओप्पो ने किफायती नए लॉन्च जैसे ए3एक्स/के12एक्स और रेनो 12 सीरीज के कारण टॉप 5 ब्रांड्स में सबसे अधिक वृद्धि दर्ज की। मोटोरोला और आईक्यूओओ के बाद, नथिंग ने भी सबसे अधिक वृद्धि देखी।

सैमसंग कर रही चिप बनाने में देरी का सामना

नई दिल्ली। ऐपल की प्रतिद्वंद्वी सैमसंग ने बताया कि वह अपनी आगामी मोबाइल सीरीज गैलेक्सी एस25 के लिए एक्सीनोस 2500 चिप बनाने में देरी का सामना कर रही है। इसके पीछे कंपनी का मानना है कि दक्षिण कोरिया में प्रति सप्ताह 52 घंटे का कार्य सीमा है, जिसके कारण वे अपने उत्पादन लक्ष्यों को पूरा करने में विफल रहे है। सैमसंग ने अपने चिप प्रोडक्शन में देरी के कारणों का अजीब तर्क देते हुए कर्मचारियों की वर्किंग ऑवर्स को जिम्मेदार ठहराया है। सैमसंग का दावा है कि 52 घंटे की यह कार्य सीमा, जिसमें 12 घंटे का ओवरटाइम शामिल है, चिप उत्पादन की मांगों को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है। कंपनी के अनुसार, कार्य सीमा की वजह से उनके इंजीनियर जरूरत के समय भी काम बंद कर देते हैं, जिससे उत्पादन अधूरा रह जाता है। रिपोर्ट के अनुसार, सैमसंग के कई कर्मचारियों को बिना अतिरिक्त भुगतान के ओवरटाइम करना पड़ता है ताकि कंपनी अपने लक्ष्यों को हासिल कर सके। इसी के मद्देनजर, सैमसंग ने अधिक कार्य की अनुमति प्राप्त करने के लिए दक्षिण कोरिया के सांसदों से नीति परिवर्तन की चर्चा शुरू की है। हालांकि, सैमसंग के इस तर्क पर कई आलोचक सवाल उठा रहे हैं। प्रतिस्पर्धा में मौजूद ताइवान की टीएसएमसी जैसी अन्य कंपनियाँ सप्ताह में 48 घंटे के कार्यकाल में भी अपने लक्ष्यों को समय पर पूरा कर रही हैं। इसके अलावा, दक्षिण कोरिया की एसके हायनिक्स भी इन्हीं घंटों में काम कराकर अपने उत्पादन को पूरा कर रही है।

अक्टूबर महीने में दोपहिया वाहनों की बिक्री में 14.2 प्रतिशत की हुई वृद्धि

अक्टूबर 2023 में यह आंकड़ा 18.96 लाख यूनिट था

एजेंसी ■ नई दिल्ली

अक्टूबर 2024 में देश में दोपहिया वाहनों की बिक्री में 14.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इस दौरान कुल 21.64 लाख यूनिट दोपहिया वाहन बिके, जबकि अक्टूबर 2023 में यह आंकड़ा 18.96 लाख यूनिट था। यह जानकारी सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) द्वारा जारी किए गए आंकड़ों में दी है। सियाम के महानिदेशक राजेश मेनन ने बताया कि इन त्योहारों ने ऑटो इंडस्ट्री की परफॉर्मेंस को महत्वपूर्ण बढ़ावा दिया। अक्टूबर 2024 में यात्री वाहनों की बिक्री भी बढ़ी, जिसमें कार और एसयूवी की बिक्री मिलाकर कुल 3.93 लाख यूनिट तक पहुंच गई, जो अक्टूबर 2023 के 3.9 लाख यूनिट के उच्च आंकड़े से 0.9 प्रतिशत अधिक है। यह वृद्धि वाहन रजिस्ट्रेशन डेटा में भी दिखाई दी, जिसमें दोनों प्रकार के वाहनों (यात्री और दोपहिया) के रजिस्ट्रेशन में 30 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई। हालांकि, तिपहिया वाहनों की बिक्री में 0.7 प्रतिशत की मामूली गिरावट आई और यह अक्टूबर 2024 में 0.77 लाख यूनिट रही। वहीं, रजिस्ट्रेशन में 11 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। बाजार विश्लेषकों का मानना है कि दोपहिया वाहनों की बिक्री में वृद्धि का प्रमुख कारण ग्रामीण आय में वृद्धि है। इस वर्ष सामान्य मानसून के कारण फसल की पैदावार बेहतर हुई, जिससे कृषि क्षेत्र में आय में वृद्धि हुई और ग्रामीण क्षेत्रों में उपभोग वस्तुओं की मांग में भी इजाफा हुआ। इसके अतिरिक्त, सरकार द्वारा फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि से किसानों की आय में और भी बढ़ोतरी हुई। यह ट्रेंड केवल ऑटोमोबाइल क्षेत्र में ही नहीं, बल्कि भारत के फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स (एफएमसीजी) सेक्टर में भी देखने को मिला है। नील्सनआईक्यू के सर्वेक्षण के अनुसार, जुलाई-सितंबर तिमाही में एफएमसीजी वस्तुओं की बिक्री में मूल्य के हिसाब से 5.7 प्रतिशत और मात्रा के हिसाब से 4.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह वृद्धि लगातार तीसरी तिमाही में ग्रामीण मांग के कारण हुई, जो शहरी बाजारों की तुलना में अधिक तेजी से बढ़ी है। बताया जा रहा है कि बिक्री में बढ़ोतरी का मुख्य कारण देश में दशहरा और दीपावली जैसे प्रमुख त्योहारों का एक ही महीने में आना था, जो उपभोक्ता मांग में वृद्धि का कारण बने।

त्योहारी सीजन में वाहनों की मांग बढ़ी

नई दिल्ली। देश में यातायात सेवाओं की मांग में भारी बढ़ोतरी के बाद विविध वाहनों की बिक्री में भी वृद्धि दर्ज की गई है। डीलरों के संगठन ने जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार इस वर्ष 42 दिन की त्योहारी अवधि में वाहनों का पंजीकरण 12 प्रतिशत तक बढ़कर 42,88,248 इकाई हो गई है। इसमें यात्री वाहनों की बिक्री में भी सात प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। वाहन डीलर संघों के अध्यक्ष ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में मांग का अद्भुत उछाल देखने को मिला है, जिसने दोपहिया वाहनों की बिक्री में 14 प्रतिशत की वृद्धि को प्रेरित किया है। सिमित अवधि में ट्रैक्टर की बिक्री में कमी दर्ज की गई है, जबकि स्कूटर की बिक्री में वृद्धि दर्ज की गई है। उद्योग संगठन सियाम ने बताया कि अक्टूबर में यात्री वाहनों की थोक बिक्री में मामूली वृद्धि दर्ज की गई है। इसके साथ ही, दोपहिया वाहनों की बिक्री में बढ़ोतरी भी देखने को मिली है। स्कूटर की बिक्री में भी अवधि के तुलना में वृद्धि की गई है। यह आंकड़े देशभर के राज्यीय परिवहन कार्यालयों से एकत्र किए गए हैं, जो वाहन वाणिज्य के स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव दर्शाते हैं।

जियो ने बिना नीलामी सैटेलाइट संचार कंपनियों को स्पेक्ट्रम आवंटन का विरोध किया

एजेंसी ■ नई दिल्ली

रिलायंस जियो ने बिना नीलामी के सैटेलाइट संचार (सैटकॉम) कंपनियों को स्पेक्ट्रम आवंटित करने के प्रस्ताव का विरोध किया है। कंपनी ने कहा कि बिना नीलामी के स्पेक्ट्रम आवंटन से स्थानीय संस्थाएं सीधे विदेशी सैटेलाइट कंपनियों से प्रतिस्पर्धा कर सकेंगी। दूरसंचार नियामक ट्राई को लिखे पत्र में कंपनी ने बताया कि एलन मस्क की स्टारलिंक और अमेजन की कुइपर के संयुक्त उद्यम ने पिछले कुछ वर्षों में तीनों प्रमुख भारतीय दूरसंचार कंपनियों की तुलना में अधिक क्षमता सृजित की है। जियो ने कहा, नीलामी के माध्यम से स्पेक्ट्रम आवंटन भारतीय संस्थाओं को सीधे विदेशी कंपनियों से प्रतिस्पर्धा करने का अवसर प्रदान करेगा। विदेशी कंपनियों ने आईटीयू (अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ) के पहले आओ, पहले पाओ मानदंड के आधार पर प्राथमिकता सूची को अवरुद्ध कर दिया है और अपनी खुद की समूह योजना बनाई है। कंपनी ने उल्लेख किया कि स्पेक्ट्रम आवंटन/प्राथमिकता में पारदर्शिता और निश्चितता के बिना, कोई भी भारतीय संस्था कभी भी अपना स्वयं का एनजीएसओ (गैर-भूस्थिर उपग्रह कक्षा) समूह शुरू नहीं कर पाएगी।

उल्लेखनीय है कि 2023 के दूरसंचार अधिनियम में सैटकॉम कंपनियों को बिना नीलामी के प्रशासनिक रूप से स्पेक्ट्रम आवंटित करने का उल्लेख किया गया है। इसका कारण यह है कि सैटेलाइट कंपनियां आवंटित रेडियो फ्रीक्वेंसी को साझा स्पेक्ट्रम मानती हैं और उनका मानना है कि सैटकॉम इकाइयों को अलग-अलग फ्रीक्वेंसी आवंटित करना तकनीकी रूप से संभव नहीं है। जियो ने भी इस तर्क को यह कहते हुए खारिज कर दिया है कि सैटकॉम सेवाएं उन दूरसंचार सेवाओं की पूरक होंगी जहां कोई नेटवर्क कवरेज मौजूद नहीं है।

लोन की रकम के दुरुपयोग का आरोप केनरा बैंक ने जारी किया नोटिस

अनिल अंबानी की कंपनी की चूक की चर्चाएं तेज

एजेंसी ■ नई दिल्ली

रिलायंस कम्युनिकेशंस के मालिक अनिल अंबानी की मुसीबतें दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही हैं। केनरा बैंक ने दावा किया है कि रिलायंस कम्युनिकेशंस और उसकी सहायक कंपनी रिलायंस टेलीकॉम के लोन अकाउंट को फ्रॉड घोषित करने के लिए एक नोटिस जारी किया गया है। केनरा बैंक ने 28 अक्टूबर को नोटिस जारी किया था, जिसमें बताया गया कि कंपनी को साल 2017 में 1,050 करोड़ रुपये का लोन दिया गया था। इस लोन को चुकाने में रिलायंस कम्युनिकेशंस विफल रही। नोटिस के अनुसार बैंकों से मिलाकर कंपनी को कुल 31,580 करोड़ रुपये का लोन दिया गया था, जिसमें से करीब 13,668 करोड़ रुपये का इस्तेमाल लोन और अन्य भुगतानों के लिए किया गया था। इसके अलावा, बैंक दावा कर रहा है कि रिलायंस कम्युनिकेशंस ने लोन की मंजूरी की शर्तों का भी उल्लंघन किया है। ऑडिट में पाया गया है कि कंपनी ने लोन के एक भाग का इस्तेमाल अनअथॉराइज्ड उद्देश्यों के लिए किया गया था। रिलायंस कम्युनिकेशंस ने बैंक के इस नोटिस का अभी तक जवाब नहीं दिया है। दिवालिया हो चुकी कंपनी ने दावा किया है कि वह दिवालियापन समाधान प्रक्रिया में है और किसी भी डांट के प्रति मुकदमा सुरक्षित है। इस विवाद की चर्चा व्यापक है और अनिल अंबानी की कंपनी के भविष्य पर प्रश्न खड़े कर रही है। रिलायंस कम्युनिकेशंस की पक्ष और केनरा बैंक की भूमिका की समीक्षा जारी है, जो इस मामले का समाधान तय करेगी।

ईजमाईट्रिप प्लैनेट एजुकेशन ऑस्ट्रेलिया का करेगी अधिग्रहण

नई दिल्ली। यात्रा बुकिंग प्लेटफॉर्म ईजमाईट्रिप ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह प्लैनेट एजुकेशन ऑस्ट्रेलिया प्राइवेट लिमिटेड की 49 प्रतिशत चुकता शेयर पूंजी का अधिग्रहण करेगी। यह अधिग्रहण ईजमाईट्रिप के ग्राहक आधार, एजेंट नेटवर्क, तकनीकी क्षमताओं और प्लैनेट एजुकेशन के वैश्विक शिक्षा नेटवर्क के बीच तालमेल को मजबूत करेगा। यह डील प्लैनेट एजुकेशन की वृद्धि की सार्वजनिक श्रेणी में महत्वपूर्ण कदम होगा। सिडनी में मुख्यालय वाली प्लैनेट एजुकेशन वैश्विक स्तर पर 25 कार्यालयों में उपस्थित है और 350 से अधिक विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग कर रही है। इस समान्वयन से प्लैनेट एजुकेशन और ईजमाईट्रिप की गति और गुणवत्ता में सुधारित होगा। ईजमाईट्रिप के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि हर साल लाखों छात्र उच्च शिक्षा के लिए विभिन्न देशों में जाते हैं। उन्होंने कहा प्लैनेट एजुकेशन के अधिग्रहण से हमें अंतरराष्ट्रीय अध्ययन पर्यटन के क्षेत्र में एक प्रमुख खिलाड़ी बनने का सामर्थ्य मिलेगा। यह आलेख संदेश करता है कि ईजमाईट्रिप का प्लैनेट एजुकेशन का अधिग्रहण किया जाना साथ संयुक्त शक्ति का उत्कृष्ट उदाहरण है जो उच्च शिक्षा एजेंसियों के लिए एक नया परिदृश्य स्थापित करेगा।

डरने की जरुरत नहीं निवेशक को बहुत जल्द नए रिकार्ड बनाएगा भारतीय शेयर बाजार

एजेंसी ■ मुंबई

भारतीय शेयर बाजार के बारे में एक बाजार जानकार ने एक अहम भविष्यवाणी की है। जानकार ने कहा कि जब विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) वापस आएंगे, तब निफ्टी इंडेक्स 30,000 तक पहुंच सकता है। बाजार जानकार का मानना है कि भारत की मजबूत आर्थिक बुनियाद और विकास क्षमता एफआईआई को आकर्षित करेगी, जो भारतीय बाजारों में निवेश करने के लिए वापस लौट सकते हैं। हाल ही में, चीन की ओर बढ़ते हुए विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजारों से पैसा निकाला, जिसके बाद भारतीय बाजारों में गिरावट देखने को मिली। चीन ने अपनी अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए बड़े प्रोत्साहन पैकेज का ऐलान किया, इसके बाद कई विदेशी निवेशक चीनी बाजारों में निवेश करने लगे। लेकिन जानकार का मानना है कि यह केवल एक अस्थायी रुझान है।और एक बार जब एफआईआई की भारत में वापसी होगी, तब निफ्टी इंडेक्स के लिए नया बुल रन शुरू हो सकता है।

जानकार ने भारत को अमेरिका के साथ दुनिया के केवल दो ग्लोबल बाजारों में से एक के रूप में प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि भारतीय बाजार हमेशा अपने निवेशकों को भरोसेमंद रिटर्न प्रदान करता है और यह बाजार दीर्घकालिक निवेश के लिए बेहतर है। उन्होंने स्वीकार किया कि हमेशा निवेशक चीन और कोरिया जैसे अन्य एशियाई बाजारों में डायवर्सिफिकेशन लाते हैं, लेकिन भारत की आर्थिक स्थिरता और विकास की गति फिर विदेशी निवेशकों को आकर्षित करेगी। भारतीय निवेशकों को सलाह दी कि वे बाजार के उतार-चढ़ाव से डरने के बजाय पूरी तरह से निवेश बनाए रखें। उनके अनुसार, भारत की ऊंची कंपाउंडिंग क्षमता को देखते हुए लंबी अवधि के निवेश से अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। उन्होंने कहा, निवेशित रहें और कंपाउंडिंग को अपना जादू चलाने दें।

कारोबार

निफ्टी 26 अंक गिरकर 23,532 पर बंद

शेयर बाजार में दूसरे सप्ताह भी गिरावट रही, सेंसेक्स 110 अंक गिरकर 77,580 पर बंद

एजेंसी ■ मुंबई

घरेलू शेयर बाजार में लगातार दूसरे सप्ताह भी गिरावट दर्ज की गई। सोमवार को सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट देखने को मिली जिसके बाद मंगलवार को मजबूती के बावजूद फिसला। बुधवार और गुरुवार को भी शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिली। गुरुनानाक जयंती पर शुक्रवार को बाजार बंद रहा। शेयर बाजार में बीते कुछ समय से जारी गिरावट का सिलसिला सोमवार को भी जारी रहा। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 484.98 अंक गिरकर 79,001.34 पर खुला और 9.83 अंक की मामूली बढ़त के साथ 79,496.15 पर बंद हुआ। निफ्टी 143.6 अंक फिसलकर 24,004.60 के स्तर पर खुला और 6.90 अंक गिरकर 24,141.30 पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को मजबूत शुरुआत के बावजूद फिसल गया। शुरुआती सत्र में हरे निशान पर करोबार करने के बाद बैंकिंग और ऑटो सेक्टर के शेयरों में बिकवाली से बेंचमार्क सूचकांक फिसल गए। सेंसेक्स 675.23 अंकों की गिरावट के साथ 78,820.92 पर खुला और 820.97 अंक टूटकर 78,675.18 पर बंद हुआ। निफ्टी 221.10 टूटकर 23,920.20 पर खुला और 257.85 अंक फिसलकर 23,883.45 पर बंद हुआ। भारतीय शेयर बाजार के प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक, सेंसेक्स और निफ्टी 50 बुधवार को तिमाही परिणामों में कंपनियों की आय में मंदी और कमजोर वैश्विक संकेतों के बीच एक बार फिर लाल निशान पर खुले। बीएसई सेंसेक्स 78,495.53 पर खुला और 984 अंक या 1.25 प्रतिशत की गिरावट के साथ 77,691 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 23,822.45 पर खुला और 324 अंक की गिरावट के साथ 23,559 अंक पर बंद हुआ। गुरुवार के कारोबारी दिन भारतीय शेयर बाजार के प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी मामूली गिरावट के साथ सपाट खुले। सेंसेक्स 254.5 अंक चढ़कर 77,945.45 पर खुला और 110.64 अंक गिरकर 77,580.31 पर बंद हुआ। निफ्टी 86.25 अंक चढ़कर 23,645.30 पर खुला और 26.35 अंक की गिरावट के साथ 23,532.70 अंक पर बंद हुआ।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 675.65 अरब डॉलर पर

एजेंसी ■ मुंबई

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार पिछले सप्ताह 6.48 अरब डॉलर घटकर 675.65 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया है, जो सप्ताह के दौरान कम हो गया है। रिजर्व बैंक के हाल ही में बयान के मुताबिक विदेशी मुद्रा आस्तियों में 4.47 अरब डॉलर का घाटा होकर 585.38 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया है। विदेशी मुद्रा भंडार का बदलाव बहुत महत्वपूर्ण है और इसका सीधा प्रभाव मुद्रा बाजारों पर होता है। विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट की यह सूचना देश की अर्थव्यवस्था पर भी प्रभाव डाल सकती है। विदेशी मुद्रा भंडार में गोल्ड रिजर्व की भी गिरावट हुई है, जो 1.94 अरब डॉलर घटकर 67.81 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया है। अत- विदेशी मुद्रा भंडार में प्रमुख गिरावट और इसके प्रभाव की जांच आवश्यक है। साथ ही अंतरराष्ट्रिय मुद्राकोष के पास भारत का आरक्षित भंडार भी 1.4 करोड़ डॉलर घटकर 4.30 अरब डॉलर पर आ गया है। यह भी एक महत्वपूर्ण विकेन्द्रित विषय है जिसे अधिक जानकारी और विश्लेषण की आवश्यकता है। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार घटनाएं दर्शाती हैं कि कारोबारी समृद्धि और अर्थव्यवस्था को लेकर मुद्रा बाजार में उतार-चढ़ाव की संभावना है।

ब्रीफ न्यूज

गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425 रूपये, गत वर्ष से 150 रूपये अधिक

मुरैना। भारत सरकार द्वारा वर्ष 2025-26 के लिये गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 2425 रूपये घोषित किया गया है। यह गत वर्ष से 150 रूपये अधिक है। रबी विपणन वर्ष 2025-26 के लिये अब किसानों से समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के लिये विभाग द्वारा तैयारी प्रारम्भ कर दी गई है। इसके अंतर्गत गेहूं उपार्जन के लिए बारदाना, भंडारण, परिवहन की व्यवस्था की जा रही है। साथ ही भारत सरकार द्वारा निर्धारित एफएक्यू मापदण्ड के गेहूं उपार्जन के लिए केन्द्रों पर मैकेनाइज्ड क्लीनिंग व्यवस्था की जाएगी।

मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिये विशेष कैम्प आरम्भ

मुरैना। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मुरैना जिले में मतदाता सूची का प्रारूपँ कार्यक्रम कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अंकित अस्थाना की उपस्थिति में जारी हो चुका है। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 6 जनवरी 2025 को किया जायेगा। इस क्रम में शनिवार 16 व रविवार 17 नवम्बर को विशेष कैम्प आयोजित किये जायेंगे। इसलिये जो मतदाता, मतदाता सूची में नाम जुड़वाने से वंचित है, वे अपने नाम विशेष कैम्प में जुड़वा सकते है। दावे एवं आपत्तियों का निराकरण 24 दिसंबर को किया जायेगा। एक जनवरी 2025 को नामावली के हैल्थ पैरामीटर को जांचना और अंतिम प्रकाशन के लिये आयोग की अनुमति प्राप्त करना रहेगा तथा डेटाबेस को अपडेट करना और परिशिष्टों को मुद्रित करना रहेगा।

डीएपी खाद की 800 बोरी आई, लगी लंबी लाइन

मुरैना। मध्य प्रदेश सरकार में प्रदेश के कृषि मंत्री के गृह जिले में डीएपी खाद का संकट लगातार कायम है और लोगों को ब्लैक में डीएपी खाद खरीदना पड़ रहा है। बताया जाता है की मात्र 800 बोरी डीएपी खाद की उपलब्ध हुई है, जिसके लिए हजारों लोगों की लाइन वितरण केंद्र पर लगी हुई है। किसानों का कहना है कि इतनी खाद ऊंट के मुंह में जीरे के समान है।

बटालियन ग्वालियर में पदस्थ घायल एएसआई ने पुलिस पर कार्रवाई न करने का लगाया आरोप

जमीन बंटवारे को लेकर छोटे भाई और उसके लड़कों ने किया हमला, दो भाई गंभीर रूप से घायल

सत्ता सुधार ■ मुरैना

जिले के पोरसा थाना अंतर्गत जोई के पास स्थित रावत का पुरा गांव में शुक्रवार की सुबह जमीन बंटवारे के मामले को सुलझाने के लिए 14वीं बटालियन ग्वालियर में पदस्थ एएसआई गांव पहुंचा तो जमीन के लिए खून के प्यासे बने छोटे भाई एवं उसके लड़कों ने बड़े भाई एवं छोटे भाई पर पहले ट्रैक्टर चढ़ाने का प्रयास किया और बाद में हथियारों से लैस होकर उनकी जबरदस्त मारपीट कर तमाम फैक्चर कर डाले। दोनों भाई घायल होकर जिला अस्पताल में इलाज करा रहे हैं। घायल पुलिसकर्मी का कहना है कि पोरसा थाना पुलिस द्वारा इस मामले में अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है तथा वह पुलिस की कार्रवाई से असंतुष्ट है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अशोक सिंह पुत्र भारत सिंह तोमर 58 निवासी पोरसा, हाल ग्वालियर एसएसफ 14 बटालियन एएसआई का जमीन बंटवारे को लेकर अपने छोटे भाई रघुराज सिंह उर्फ भूरे सिंह तोमर से विवाद चल रहा है। अशोक सिंह का आरोप है कि रघुराज सिंह लगातार जमीन को जोत रहा है और आए दिन कुछ ना कुछ उपद्रव करता रहता है। वह छुट्टी लेकर इस मामले को निपटाने के लिए गांव गए थे और मामला निपटाने में लगे थे, लेकिन इससे पहले ही शुक्रवार की सुबह 9:30 बजे घर से 100 मीटर की दूरी पर खेत में जब वह अपने छोटे भाई राजेंद्र के साथ खड़े थे, तभी रघुराज एवं उसके लड़कों ने ट्रैक्टर चढाकर कुचलने का प्रयास किया। वे किसी तरह जान बचाकर वहां से निकले और आरोपी वहां से चले गए। तब वहां दोनों भाई शीशम के पेड़ के नीचे बैठ गए। कुछ देर बाद रघुराज एवं उसके लड़के संदीप, मोहित, लाला तोमर एवं रघुराज की पत्नी संजू हथियारों से लेस होकर आए और लाठी डंडा कुल्हाड़ी से दोनों पर प्राण घातक हमला कर दिया, जिससे दोनों बुरी तरह घायल हो गए और खेत में बेहोश छोड़कर आरोपी भाग निकले। कुछ देर पश्चात अशोक के बड़े भाई का लड़का एवं बहू वहां पहुंचे तथा दोनों घायलों को उपचार के लिए स्थानीय अस्पताल ले गए। यहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस हमले में घायल अशोक सिंह एवं राजेंद्र सिंह 46 वर्ष दोनों के कई फैक्चर आए हैं तथा पुलिस द्वारा अभी तक इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की गई है और आवेदन लेकर कहा है कि एमएलसी रिपोर्ट आने के बाद मामला दर्ज किया जाएगा। पुलिस की इस कार्रवाई को लेकर बटालियन में पदस्थ एएसआई अशोक सिंह ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

दो ठगों ने सर्राफा की दुकान से 200 ग्राम सोना किया गायब, तीसरे दिन चला पता

घटना सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड, पुलिस को आवेदन देकर की कार्रवाई की मांग

सत्ता सुधार ■ मुरैना

सिटी कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत पंचायती धर्मशाला के सामने स्थित एक सर्राफा व्यापारी की दुकान पर 12 नवंबर की दोपहर दो ठग आए और सोने की बाली दिखाने के चक्कर में 100-100 ग्राम के बाली के दो पैकेट गायब कर ले गए तथा व्यापारी को घटना का पता भी नहीं चला स शुक्रवार को जब बाली खरीदने अन्य ग्राहक आए और व्यापारी ने अपना डिब्बा देखा तो उसमें से दो पैकेट गायब मिले। इसके बाद सीसीटीवी कैमरे चेक किए गए और उसमें पैकेट गायब करते दो आरोपी कैद हो गए। अब शनिवार को पीड़ित व्यापारी ने सर्राफा एसोसिएशन के साथ कोतवाली पहुंचकर आवेदन दिया है और कार्रवाई की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पंचायती धर्मशाला के ठीक सामने टीटू ज्वेलर्स के संचालक दिनेश चंद्र बंसल की सराफा की दुकान है। 12 नवंबर की दोपहर 1:00 बजे जब दिनेश चंद्र बंसल अकेले दुकान पर बैठे हुए थे, तब दो लोग आए जिनमें से एक बाहर बैठा रहा और एक अंदर स ठग ने पेडल दिखाने के लिए कहा तो दिनेश बंसल ने कहा कि पेंडल नहीं है तो ठग बोला चांदी का ताबीज दिखा दीजिए और एक ताबीज खरीद कर 500 रूपए दिए, इसके बाद व्यापारी इन 350 रूपए उसे वापस कर दिए। फिर ठग ने बोला बच्ची के लिए सोने की बाली दिखाओ। सोने की बाली देखने दिखाने के चक्कर में एक ठगने हाथ की सफाई दिखाते हुए बाली के बॉक्स में रखे 100-100 ग्राम के दो पैकेट गायब कर दिए और बातें बनाते हुए वहां से खिसक लिए। व्यापारी को इतना भी एहसास नहीं हुआ कि उसके साथ कोई चीटिंग हुई है। पीड़ित के पुत्र टीटू ने बताया कि पिता दिनेश ने कहा था कि दो ठग आए थे लेकिन मैं बच गया, कोई कुछ नहीं ले जा पाया, लेकिन शुक्रवार की दोपहर जब एक अन्य ग्राहक वाली खरीदने के लिए पहुंचा और दिनेश चंद्र बंसल ने बाली वाला बॉक्स निकालकर उसमें पैकेट देखे तो 100-100 ग्राम के दो पैकेट गायब मिले। इसके बाद व्यापारी के होश उड़ गए और उसने अपने पुत्र को घटना से अवगत कराया स व्यापारी के अनुसार 200 ग्राम सोने की कीमत लगभग 8,00,000 है। व्यापारी इस घटना से गहरे सदमे में है तथा शनिवार की शाम सर्राफा एसोसिएशन के पदाधिकारी के साथ कोतवाली पुलिस को आवेदन देने पहुंचे और चोरी करने वाले ठग गिरफ्तार करने की मांग की।

स्कूली बच्चों को डेंगू-चिकुनगुनिया के बचाव से बचने दी गई जानकारी

सत्ता सुधार ■ मुरैना

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पदमेश उपाध्याय के निर्देशन में सहायक मलेरिया अधिकारी डॉ. महेन्द्र यादव ने मच्छर के काटने से बचने एवं बीमारी को रोकने के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी देते हुए बताया कि घर में जमा पानी में मच्छर अपने अंडे देता है। इसलिए जरूरी है कि घर में कहीं भी पानी जमा न होने दें। पानी जमा होने वाले बर्तन, सामान को प्रत्येक सप्ताह खाली करें, अगर जरूरी हो तो सुखाकर पुनः उपयोग में लाए। सहायक मलेरिया अधिकारी डॉ. महेन्द्र यादव ने बताया कि घर व आसपास तथा छतों पर विभिन्न प्रकार के खुले पड़े जलपात्रों जैसे पानी की टंकी, टायर, गमले, कूलर, मिट्टी के दिये, छत, मटके, पाइप, गढ्ढें, मनी प्लांट के पॉट, प्लास्टिक की बोतल, कप, गिलास, टूटा-फूटा सामान, खिलौने, कनस्तर व अन्य सामान में भरा पानी मच्छरों के पनपने के प्रमुख स्थान ब्रीडिंग सोर्स हैं। इनमें मच्छर अण्डे देते हैं। इनसे 2-3 दिवस में लार्वा निकलता है, 3-4 दिन बाद प्यूपा में बदलकर 3 दिन बाद मच्छर बनकर उड़ जाता है। इस प्रकार 7 से 12 दिवस के भीतर मच्छर अपना उत्पत्ति चक साफ व रुके पानी में पूर्ण करते हैं। इनकी रोकथाम के लिये जलपात्रों में भरा पानी शीघ्र खाली करें व नियमित रुप से 7 दिवस के भीतर जलपात्रों में भरा पानी खाली करें। डेंगू का मच्छर सामान्यतः दिन में काटता है व उत्पत्ति स्थल के 400 मीटर के दायरे में सक्रिय रहता है तथा घरों में नमी व अंधेरे वाले स्थानों में छुपकर विश्राम करता है। उन्होंने बताया कि एडीज मच्छर डेंगू मरीज को काटने पर संक्रमित होकर अन्य स्वस्थ्य व्यक्तियों को काटकर डेंगू बीमारी का प्रसार करते है और स्वस्थ्य व्यक्ति डेंगू से बीमार हो जाते है। डेंगू संक्रमित व्यक्ति को प्रारम्भिक लक्षण जैसे कमजोरी, तेज बुखार, सिर व हाथ पैर में दर्द हो सकता है। इसके पश्चात् मरीज के शरीर, आंखों में रक्त के चकर्त्त दिखना, नाक, मसूड़े या अन्य स्थान से रक्तस्राव होने व उल्टी के लक्षण दिखायी देते है। उपचार में विलम्ब से बीमारी की गंभीरता में मरीज को चक्कर आना, मूर्छित होना, सोंक में चले जाने की स्थिति बन सकती है। उक्त लक्षण होने पर तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र या चिकित्सक से परामर्श लेकर उचित उपचार लेना चाहिये। जिले में डेंगू व चिकुनगुनिया की जांच जिला निःशुल्क की जाती है। जांच में डेंगू की पुष्टि होने पर मरीज को पूर्ण उपचार के साथ फलों का रस, नारियल पानी, दाल का पानी, ओ.आर.एस. का घोल व पानी पर्याप्त मात्रा में पीने से शीघ्र लाभ मिलता है।

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतें समय पर न काटने पर एक दर्जन अधिकारियों, कर्मचारियों को जारी किये नोटिस

कर्मचारी अपने विभागों की शिकायतें कटवायें अन्यथा संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी

सत्ता सुधार ■ मुरैना

नगर निगम कमिश्नर सत्येंद्र धाकरे ने शुक्रवार को आयुक्त बंगले पर सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान निगम कमिश्नर सत्येंद्र धाकरे ने पाया कि अधिकतर अधिकारियों-कर्मचारियों द्वारा सीएम हेल्पलाइन शिकायतों को कटवाने में गंभीरता नहीं दिखाई जा रही है, जिसके कारण शिकायतें काफी लंबित है। निगम आयुक्त ने स्वास्थ्य अधिकारी जगदीश टैगोर को निर्देश दिये कि सबसे ज्यादा सीएम हेल्पलाइन की शिकायत स्वास्थ्य शाखा की पेंडिंग है। इन शिकायतों को तत्काल निराकरण करें, अन्यथा स्वच्छता निरीक्षक से लेकर दरोगा तक कार्रवाई की जाएगी। इसी प्रकार जलकर शाखा, राजस्व शाखा में भी काफी संख्या में सीएम हेल्पलाइन लंबित है। राजस्व शाखा के प्रभारी दर्शन दंडोतिया एवं कमरुद्दीन खान बैठक में मौजूद नहीं हुये। इस पर निगम कमिश्नर ने नाराजगी व्यक्त करते हुए दोनों कर्मचारियों का तीन दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए। निर्माण विभाग में भी काफी संख्या में सीएम हेल्पलाइन पेंडिंग है, तकनीकी विभाग के कार्यपालन यंत्री को भी नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। इसके अतिरिक्त विजय धोलकर, जगदीश टैगोर, दाताराम पीपल, शिवम उपाध्याय, मनीष यादव का एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिये कि सभी विभाग प्रमुख अपने-अपने विभाग की सीएम हेल्पलाइन अधिक संख्या में कटाएं, अन्यथा संबंधित अधिकारी, कर्मचारी अधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय में किया बाल दिवस का आयोजन

मुरैना। बाल दिवस के अवसर पर पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पंडित जवाहरलाल नेहरू की तस्वीर पर माल्यार्पण से हुई। विद्यालय के प्राचार्य सतीश कुमार ने बाल दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बच्चों को पंडित नेहरू के आदर्शों पर चलने की प्रेरणा दी। इस दिन प्राथमिक विभाग के बच्चों के लिए विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं आयोजन किया गया। वहीं कक्षा छठवीं से लेकर बारहवीं तक के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय विज्ञान प्रदर्शनी लगाई। इन कार्यक्रमों में बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

परेशानी

नेताओं के इशारे पर चल रही कार्यवाही

गांव से गोवंश भरकर शहर में छोड़ रहा निगम, आतंक से जनता परेशान

सत्ता सुधार ■ मुरैना

जिले के प्रभारी मंत्री कुछ महीने पहले एक बैठक में प्रशासन एवं नगर निगम के अधिकारियों को खुली खुली चेतावनी देकर गए थे कि शहर में आवारा गोवंश नहीं दिखाई देना चाहिए, लेकिन नगर निगम अब इसके उल्टे विपरीत काम कर रहा है तथा नेताओं के इशारे पर गांव-गांव से गोवंश भरकर शहर में छोड़े जा रहे हैं। ऐसा ही नजारा शनिवार को मुरैना शहर में देखने को मिला तो मीडिया ने इसे हाईलाइट कर दिया, जिसके बाद नगर निगम के अधिकारी बचते हुए फिर रहे हैं। गौरतलब है कि मुरैना जिला मुख्यालय सहित तहसीलों में आवारा गोवंश के आतंक के कारण अब तक डेढ़ दर्जन से अधिक लोगों की जान जा चुकी है तथा एक सैकड़ा से अधिक लोग घायल हो चुके हैं और कई लोग जीवन भर के लिए अपाहिज हो गए हैं, लेकिन इसके बावजूद नगर निगम, नगर पालिका एवं नगर परिषदों द्वारा आवारा गोवंश को उनके नियत स्थान पर नहीं पहुंचाया जा रहा है। आवारा सांड एवं गोवंश के कारण आए दिन लोग इनका शिकार हो रहे हैं तथा हाल ही में शहर के एक वरिष्ठ साहित्यकार एवं कवि भगवती प्रसाद कुलश्रेष्ठ को आवारा गोवंश ने मौत के घाट उतार दिया था। इससे पूर्व भी तमाम घटनाएं हो चुकी हैं तथा आए दिन शहर की सड़कों पर आवारा सांड एवं गोवंश लड़ते हुए जनहानि आर्थिक हानि पहुंचा रहे हैं। कुछ महीने पूर्व जब जिले के प्रभारी मंत्री ने जिला प्रशासन एवं सभी विभाग के अधिकारियों की बैठक ली थी, तब नगर निगम मुरैना एवं अन्य नगर पालिका नगर परिषदों को चेतावनी दी थी कि शहर में आवारा गोवंश दिखाई नहीं देना चाहिए, लेकिन इस पर कोई काम नहीं हुआ। कुछ दिन खाना पूर्ति चलती रही और अब कहीं कोई कार्रवाई होती दिखाई नहीं दे रही।

शहर के मुख्य मार्गों पर लगा रहता है जाम

आवारा गोवंश के शहर के प्रमुख मार्गों पर विचरण करने एवं बैठने के कारण सड़कों पर दिनभर जाम की स्थिति बनी रहती है और कई बार आवारा गोवंश के बीच सड़क पर बैठने के कारण दुर्घटनाएं भी हो रही हैं। शहर में कोई भी इलाका ऐसा शेष नहीं है, जहां आवारा गोवंश विचरण न कर रहा हो। शहर के प्रमुख मार्ग सहित तमाम इलाकों में लोग आवारा गोवंश के आतंक से परेशान हैं।

ग्राम बंदपुरा में पशुपालन की केसीसी एवं पशु स्वास्थ्य शिविर सम्पन्न

सत्ता सुधार ■ मुरैना

कलेक्टर अंकित अस्थान के निर्देशानुसार पशुपालन की केसीसी एवं वृहद पशु स्वास्थ्य शिविर का आयोजन विगत दिवस विकासखंड पहाड़गढ़ के ग्राम बंदपुरा संपन्न हुआ। यह शिविर जिला पंचायत अध्यक्ष के प्रतिनिधि वरिष्ठ समाजसेवी कन्हैया लाल गुर्जर की मौजूदगी में फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री दिल्ली एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन जिला पंचायत मुरैना के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया था। शिविर में कन्हैयालाल ने समस्त स्व-सहायता समूह की दीदियों और पशुपालकों को बताया कि बहुत कम ब्याज दर पर पशुपालन केसीसी का ऋण बैंकों द्वारा पशुपालकों को दिया जाता है। पशुपालन केसीसी की नियमित समीक्षा कलेक्टर द्वारा प्रति सप्ताह टीएल बैठक में की जाती है। सीआईआई कंपनी दिल्ली के प्रतिनिधि सैयद फारूक हसन ने बताया कि हर क्षेत्र में दूध उत्पादन को बढ़ाने के लिए यह पशु स्वास्थ्य शिविर पशुपालन विभाग द्वारा लगाए जा रहे हैं। जिसमें पशुपालन विभाग के उप संचालक डॉ. आरएम स्वामी, ब्लॉक वेटनरी ऑफिसर पहाड़गढ़ डॉ. सियाराम जाटव, वरिष्ठ पशु चिकित्सा कैलारस डॉ. केपी गुप्ता और पशुपालन विभाग के समस्त कैलारस और पहाड़गढ़ विकासखंड की पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी एवं पूरी टीम ने अथक परिश्रम से शिविर संपन्न कराए। शिविर में 97 पशुपालन केसीसी के आवेदन भरे गए, 205 पशुओं का उपचार किया गया।

ब्रीफ न्यूज

जनजातीय गौरव दिवस के पर आयोजित किया गया स्वास्थ्य शिविर, लगाई गई प्रदर्शनी

शहडोल। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर शहडोल के बाणगंगा में आयोजित राज्य स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस समारोह में कलेक्टर डॉ.केदार सिंह के मार्गदर्शन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर राजेश मिश्रा के निर्देशन में स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य शिविर व विभागीय प्रदर्शनी लगाई गई । स्वास्थ्य शिविर लगभग 274 लोगो का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया जिसमे 9 टीवी के संभावित मरीजों की एस्पुटम स्लाइड, 7 लोगों की सिकल सेल एनीमिया की जांच की गई। साथ ही स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयुष्मान कार्ड, कुष्ठ, क्षय, 70 वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्तियों का आयुष्मान कार्ड बनाने जैसे अन्य योजनाओं से संबंधित का प्रदर्शनी लगाकर स्वास्थ्य विभाग के अमले द्वारा लोगों को योजनाओं की जानकारी दी गई व स्वास्थ्य विभाग से संबंधित योजनाओं के पंपलेट भी वितरित किए गए। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, स्टॉफ नर्स सहित अन्य चिकित्सकीय अमला उपस्थिति था।

पुलिस ने मादक पदार्थ बरामद सहित गांजा तस्करी करते आरोपी गिरफ्तार

शहडोल। थाना पपौंध क्षेत्रांतर्गत पपौंध पुलिस को एक विश्वसनीय मुखबिर सूत्र से सूचना प्राप्त हुई कि फुल्ली उर्फ शिव प्रसाद साकेत पिता रामदास साकेत, उम्र 32 वर्ष निवासी ग्राम पथरेही, थाना पपौंध गांजा विक्रय के उद्देश्य से एक सफेद प्लास्टिक पन्नी में मादक पदार्थ गांजा लेकर हिरवार तिराहे से अपने घर की ओर जा रहा है। सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए सउनि.मदन सिंह, सउनि. गुलाब सिंह, प्र.आर. रतन सिंह, देवराज सिंह, आर. शोभनाथ यादव, संतोष सोलंकी पपौंध पुलिस टीम ने हिरवार तिराहे पर एक संदिग्ध व्यक्ति हिरवार की तरफ जाता हुआ दिखा जिसे घेराबंदी कर रोका गया एवं पूंछताछ करने पर अपना नाम फुल्ली उर्फ शिवप्रसाद साकेत बताया। जिसकर आरोपी शिव प्रसाद साकेत साक्षियों की उपस्थिति में तलाशी ली गई, जिसमें आरोपी के पास से 210 ग्राम गांजा कीमती 2,000 रु. बरामद हुआ। आरोपी मादक पदार्थ रखने के लिए किसी भी प्रकार के वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने में असमर्थ रहा।

महिलाओं के द्वारा बाल दिवस का कार्यक्रम रंगारंग तरीके से बच्चों के साथ मनाया गया

दमोह। 14 नवंबर को बाल दिवस के उपलक्ष्य पर पंजाबी महिला विकास समिति, दमोह की महिलाओं के द्वारा बाल दिवस का कार्यक्रम रंगारंग तरीके से शहर के बीच स्थित ÷संगीत प्रशिक्षण केंद्र÷ में जाकर वहां उपस्थित बच्चों के साथ मनाया गया। पंजाबी महिला विकास समिति के द्वारा बच्चों को ÷म्यूजिक सिस्टम÷ गिफ्ट किया गया। बच्चों ने बहुत ही शानदार गायन प्रस्तुतियां दी। बच्चों के द्वारा केक कटवाया गया एवं उन्हें कई गेम्स भी खिलाएं गए।

मां नर्मदा की आरती के साथ महेश्वर में निमाड़ उत्सव का हुआ शुभारंभ

सत्ता सुधार ■ खरगोन

संस्कृति विभाग एवं खरगोन जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में पुण्य सलिला मां नर्मदा के किनारे बसी धार्मिक नगरी महेश्वर में 15 से 17 नवंबर तक तीन दिवसीय निमाड़ उत्सव का आयोजन किया गया है।

प्रसिद्ध भजन गायक दिनेश शर्मा एवं उनकी टीम द्वारा मां नर्मदा की आरती कर निमाड़ उत्सव का शुभारंभ किया गया।इसमें विधायक श्री राजकुमार मेव, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अनुबाई तंवर, जनपद पंचायत महेश्वर के अध्यक्ष श्री अशोक डाबर, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती अलका गजराज यादव, कमिश्नर श्री दीपक सिंह, आईजी श्री राकेश गुप्ता,

कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा, पुलिस अधीक्षक श्री धर्मराज मीणा, संस्कृति विभाग के निदेशक श्री धर्मेन्द्र पारे, श्री विक्रम पटेल, जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं आमजन शामिल हुए।

विधायक श्री राजकुमार मेव ने कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि महेश्वर में निमाड़ उत्सव के आयोजन से इस क्षेत्र में पर्यटन को प्रोत्साहन मिलेगा और स्थानीय कलाकारों को मंच मिलेगा।

कमिश्नर श्री दीपक सिंह ने कहा कि आने वाले समय में निमाड़ उत्सव में अधिक संख्या में स्थानीय कलाकारों को अवसर दिया जाना चाहिए।

कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा ने इस दौरान बताया कि 2021 के बाद 2024 में निमाड़ उत्सव का आयोजन हो रहा है। प्रदेश में लोकमाता अहिल्या बाई की 300वीं जयंती मनाई जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की घोषणा के अनुरूप महेश्वर में अहिल्या लोक निर्माण के लिए जिला प्रशासन ने प्रयास शुरू कर दिए हैं।

संस्कृति विभाग के निदेशक श्री धर्मेन्द्र पारे ने कहा कि मां नर्मदा ने अन्य स्थानों की रचना की है, लेकिन महेश्वर ने मां नर्मदा को सुंदर स्वरूप प्रदान किया है। महेश्वर में निमाड़ उत्सव का यह 31 वां वर्ष है। इसमें लोक जनजातीय एवं शास्त्रीय संगीत के कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे।

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला ने शहडोल में आयोजित सम्मान समारोह को किया संबोधित

शहडोल संभाग की भूमि 'वरदानी भूमि'

सत्ता सुधार ■ शहडोल

प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं शहडोल जिले के प्रभारी मंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि शहडोल संभाग की भूमि वरदानी भूमि है यहां मां नर्मदा का उद्गम स्थल है यहां खनिज संपदा का अपार भंडार है। उन्होंने कहा कि सरकार के खजाने में शहडोल संभाग का बहुत बड़ा योगदान है, शहडोल संभाग में अपार खनिज संसाधन है, जो सरकार को वित्तीय क्षेत्र में मजबूत बनता है। उन्होंने कहा है कि हमारी सरकार ने भी शहडोल संभाग के विकास के क्षेत्र में कई कार्य किए हैं। उन्होंने कहा कि जब शहडोल जिले से उमरिया जिले को बनाया गया तब शहडोल जिला छोटा न लगे इस कारण से शहडोल को संभाग बनाया गया तथा शहडोल को उमरिया, कटनी एवं रीवा से जोड़ने के लिए सड़कों का निमार्ण कराया गया। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं शहडोल जिले के प्रभारी मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल शुक्रवार को शहडोल में आयोजित सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि हमारी सरकार विंध्य क्षेत्र के विकास के लिए भी कईअनेक कार्य कर रही है उन्होंने कहा कि हमारे विंध्य क्षेत्र के बाणसागर बांध में आईलैंड बनाया है जो की शहडोल जिले के सरसी ग्राम में बनाया गया है। उन्होंने कहा कि विंध्य क्षेत्र के

लोग मालदीप एवं लक्षद्वीप ना जाकर इस सरसी रिसोर्ट में मालदीप एवं लक्षद्वीप जैसे माहौल का आनंद ले सकेंगे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ऐसे ही कई अनेक निरंतर कार्य विंध्य क्षेत्र के लिए करती रहेगी और एक दिन विंध्य क्षेत्र हिंदुस्तान में सबसे विकसित क्षेत्र में आगे रहेगा। उन्होंने कहा कि बिंध्य क्षेत्र के रीवा में एशिया का सबसे बड़ा सोलर प्लांट लगाया गया है। जब विध्य क्षेत्र के रीवा में सोलर प्लांट लगाया गया तब इस सोलर प्लांट की प्रशंसा अमेरिका एवं ब्रिटेन के बड़े-बड़े अखबारों में भी की गई थी, जो हमारे विंध्य क्षेत्र के लिए बड़े गर्व की बात है।

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं शहडोल जिले के प्रभारी मंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि सरकार बनने के बाद मुझे जब प्रभारी मंत्री का प्रभार दिया जा रहा था तब मैंने शहडोल जिले का प्रभार लेने का निर्णय किया था। उन्होंने बताया कि मैं इससे पहले भी मैं शहडोल जिले का प्रभारी मंत्री रहा हुं उस समय मुझे शहडोल की जनता ने काफी प्यार और इस्नेह दिया था, मुझे वही प्यार और इस्नेह फिर से यही खींच लाया और मैंने शहडोल जिले का प्रभार लिया।

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि हमारा देश प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में निरंतर प्रगति की ओर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था स्थिति में हमारा देश 11वीं रैंक से 5वीं रैंक पर आ गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारा देश 2047 तक आर्थिक महाशक्ति का धनी होगा। श्री मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार गांव एवं शहर के हर घर में नल से जल देने का कार्य कर रही है। जिससे जनमानस को पानी की समस्या का सामना न करना पड़े और सुगमता के साथ पानी उपलब्ध हो। आयोजित कार्यक्रम सम्मान समारोह का संचालन समाजसेवी श्री संतोष लोहानी कर रहे थे।

आयोजित सम्मान समारोह में विधायक जयसिंहनगर श्रीमती मनीषा सिंह, कलेक्टर डॉ. केदार सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री कुमार प्रतीक, जिला योजना समिति सदस्य श्री कमल प्रताप सिंह, डीन मेडिकल कॉलेज डॉ.गिरीस बी रामटेके, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ राजेश मिश्रा, डॉ एससी त्रिपाठी, जनअभियान परिसद के जिला समन्वयक श्री विवेक पाण्डेय, समाजसेवी श्री रोजश्वर उदानिया, सहित काफी संख्या में अन्य समितियों के सदस्यगण, समाजसेवी, चिकित्सक उपस्थित रहे। समारोह में शहडोल जिले के गणमान्य नागरिकों द्वारा उप मुख्यमंत्री एवं शहडोल जिले के प्रभारी मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल को सम्मानित किया गया।

ओजश्विनी स्कूल पार एक्सीलेंस में हुआ मेगा इवेंट का आयोजन

सत्ता सुधार ■ दमोह

शहर के इंग्लिश मीडियम स्कूल ओजाश्विनी पार एक्सीलेंस मे अतुल भारत की थीम पर मेगा इवेंट का आयोजन किया गया जिसमें भारत के सभी राज्यों को विशेष रूप से उनके वेशभूषा, संस्कार,गायन, भोजन, संस्कृति, भाषा को ध्यान में रखते हुए झांकिया तैयार की गई, अतुल्य भारत के मेगा इवेंट का सफल निर्देशन, पूजा मलैया,रति मलैया जी के सफल निर्देशन में और साथ में स्कूल की प्राचार्य अंजलि सुंदरम के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश शासन के पशुपालन मंत्री लखन पटेल,दमोह विधायक जयंत मलैया, ओजस्वनी समदर्शी न्यास की अध्यक्ष डॉक्टर सुधा मलैया, विवेक सेंडेय जी , एकलव्य विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉक्टर पवन कुमार जैन, कुलसचिव डॉक्टर प्रफुल्ल शर्मा, ओजस्विनी महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. शमा जे पी खानम, की गरिमायी में उपस्थिति रही, अतुल्य भारत की थीम में राज्यों की जो झांकियां बनाई गई थी उसमें महाराष्ट्र प्रथम स्थान पर रहा,. इस कार्यक्रम में समस्त स्टाफ की का कर्मचारियों की सलाहनीय उपस्थिति रही, कार्यक्रम का सफल मंच संचालन भारत राय ने किया।

पुलिस की त्वरित कार्यवाही से नर्मदा नदी पुल से कूदे व्यक्ति की बची जान

सत्ता सुधार ■ खरगोन

शनिवार को चौकी खलटाका पर सूचना प्राप्त हुई कि, एबी रोड पर खलघाट - खलटाका नर्मदा नदी के पुल एक व्यक्ति अपनी मोटरसाइकल रोककर पुल की रेलिंग से नीचे कूद गया है । सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुए चौकी प्रभारी खलटाका श्री राजेन्द्र अवास्या अपने साथ पुलिस टीम लेकर स्वयं तत्काल खलघाट - खलटाका नर्मदा नदी के पुल पर पहुंचे जहां पर युवक की सीडी डिलक्स मोटर सायकल चाबी लगी हुई खड़ी दिखाई दी ।

उसके बाद नर्मदा जी में देखा तो 2 मछली पकडने वालों से पूछने पर उन्होंने ईशारो मे बताया कि अभी एक लडका कूदा है जिसे मछुआरों ने पकड़ लिया है और उसे किनारे पर ला रहे है । पुलिस टीम के द्वारा युवक को बाहर निकाल कर देखा तो उसकी हल्की - हल्की सांस चल रही थी तो उसके सीने पर पंपिंग की तो मुंह से पानी बाहर आ गया । जिसके बाद चौकी खलटाका शासकीय वाहन से ष्टाष्ट धामनोद हॉस्पिटल ले गए है, जहां पर उसको भर्ती कराया गया, परिजनो के आ जाने पर उनसे कुदने वाले लडके का नाम पता पुछा तो विनोद पिता कैलाश मुवेल उम्र 30 साल निवासी अवलीपुरा उमरबन थाना मनावर का बताया, विनोद का सी एच सी धामनोद मे ईलाज चल रहा है डाक्टर द्वारा विनोद का स्वास्थ्य सामान्य होना बताया है, परिजनों ने पुलिस का आभार व्यक्त किया है ।

उक्त की गयी कार्यवाही में थाना प्रभारी बलकवाड़ा निरीक्षक श्री थाना प्रभारी निरीक्षक श्री रितेश यादव, चौकी प्रभारी राजेंद्र अवास्या, आर 798 नीरज यादव, चालक आर.813 नरेन्द्र जाट, 857 देवी सिंह चौहान व मछली पकडने वाले - मनोहर सोलंकी निवासी ग्राम खलटाका एंव राजु मानकर निवासी साला का विशेष योगदान रहा ।

जनजातीय गौरव दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

दमोह। संस्कृति संचालनालय भोपाल के मार्गदर्शन में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन ग्राम ढूला में किया गया ।जिसमें सर्व प्रथम भगवान विरषा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की ।इसके बाद उपस्थित अतिथियों का पुष्प हार से स्वागत किया गया ।इसके बाद मिशन जन जागृति युवा मंडल कार्यक्रम समन्वयक द्वारा कार्यक्रम के संवंध में जानकारी दी गई ।जे एस राजपूत जी ने भगवान विरषा मुंडा द्वारा भारत की आजादी में दिए गए योगदान के बारे में जानकारी देकर सभी ग्रामवासियों से कहा कि सामाजिक कुरूतियों के उन्मूलन, नशा मुक्ति एवंअपने बच्चों को अच्छी शिक्षा और संस्कार देने से ही ग्रामों का विकास संभव है ।इसके बाद स्थानीय बुंदेलखंडी भजनों,लोकगीतों की प्रस्तुतियां स्थानीय कलाकारों एवं ग्राम की कला मंडलियों द्वारा की गई ।कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागियों एवं उपस्थित अतिथियों को नशा मुक्त भारत अभियान अंतर्गत शपथ दिलाई गई ।अंत मे सभी कला मंडलियों के प्रतिभागियों को पुरुस्कार वितरित किये गए एवं अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किये गए ।इस अवसर पर श्रीमती रेवा रानी, प्रवेश, बबलू आदिवासी,रामसरोवन आदिवासी, गोरेलाल आदिवासी, बृजलाल आदिवासी,आनंद विश्वकर्मा के साथ बांसातारखेड़ा नेहरू युवक मंडल से जे एस राजपूत आदि उपस्थिति रही।

अवैध गांजा खेती करने वालों के विरुद्ध खरगोन पुलिस की बड़ी कार्यवाही

भारी मात्रा में अवैध गांजे के पौधे जप्त

थाना महेश्वर पर किए अवैध गांजे के 2 प्रकरण पंजीबद्ध, पुलिस ने जब्त किए 671 गांजे के पौधे कुल वजनी 3 क्विंटल 20 किलो 200 ग्राम की कीमत लगभग 16 लाख

सत्ता सुधार ■ खरगोन

पुलिस महानिरीक्षक इंदौर जोन इन्दौर (ग्रामीण) श्री अनुराग एवं उप पुलिस महानिरीक्षक निमाड रेंज खरगोन श्री सिद्धार्थ बहुगुणा के द्वारा अवैध मादक पदार्थों की तस्करी करने वालों एवं मादक पदार्थों की खेती करने वालों के विरुद्ध कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया था । वरिष्ठ अधिकारियो से प्राप्त निर्देशों के परिपालन में पुलिस अधीक्षक खरगोन श्री धर्मराज मीना व अति.पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) श्री मनोहरसिंह बारीया ने जिला खरगोन के समस्त अनुविभागीय अधिकारी पुलिस व समस्त थाना प्रभारियों को प्रभावी कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया था । इसी तारतम्य मे चौकी काकड़दा थाना महेश्वर पर पुलिस टीम के द्वारा अवैध मादक पदार्थ गांजे की खेती करने वालों के विरुद्ध कार्यवाही की गई है ।

घटना का संक्षिप्त विवरण : दिनांक 14.11.2024 को चौकी काकड़दा थाना महेश्वर पर मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि, ग्राम भुवनतलाई के विक्रम एवं सोमलाल ने अपने- अपने खेतों मे कपास, तुवर की फसल के बीच अवैध मादक पदार्थ गांजे के पौधे लगाये है । मुखबिर की सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन मे थाना महेश्वर व चौकी काकड़दा से 02 पुलिस टीम का गठन किया गया व पुलिस टीम को मुखबिर के बताए स्थान पर रवाना किया गया । पुलिस टीम ने मुखबीर के बताए स्थान ग्राम भुवनतलाई मे विक्रम एवं सोमलाल के खेत मे पृथक-पृथक दबिश दी गई जिसमे पुलिस टीम को विक्रम के खेत मे कपास की फसल के बीच से कुल 83 गांजे के पौधे कुल वजन 60 किलो 200 ग्राम कीमती करीबन 3,00,000/- रुपये के मिले जिसे पुलिस टीम के द्वारा नियमानुसार विधिवत जप्त किया गया है ।

इसी प्रकार पुलिस की दूसरी टीम के द्वारा भी ग्राम भुवनतलाई मे सोमलाल के खेत मे घेराबंदी कर दबिश दी गई जिसमे सोमलाल के खेत मे पुलिस टीम को कपास- तुवर की फसल के बीच से कुल 588 गांजे के पौधे कुल वजन 02 क्विंटल 60 किलो कीमती करीबन 13,00,000/- रुपये के मिले जिसे पुलिस टीम के द्वारा नियमानुसार विधिवत जप्त किया गया है ।

जयंती — राज्यमंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी, जिला पंचायत अध्यक्ष, विधायक सहित अन्य जनप्रतिनिधि हुए सम्मिलित

गौरव दिवस के रूप में मनाई गई भगवान बिरसा मुंडा जयंती

सत्ता सुधार ■ दमोह

जनजातीय समाज के अमर शहीदों को लेकर सरकार निरंतर बात कर रही हैं, लगातार ऐसे अमर शहीदों को आगे लाने का काम कर रही है। प्रधानमंत्री जी ने बिरसा मुंडा जी की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। यह कार्यक्रम केवल मध्य प्रदेश में नहीं, पूरे देश में जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मना रहे हैं। इस आशय की बात प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेन्द्र सिंह लोधी भगवान बिरसा मुंडा जी की जयंती पर महादेव घाट पर आयोजित गरिमामय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। राज्यमंत्री श्री लोधी ने कहा तेंदूखेड़ा में शंकर शाह और रघुनाथ शाह की मूर्ति स्थापित करने का काम भी किया जायेगा। एक करोड़ रूपये की लागत से चौरई में बड़ा देव का मंदिर बनकर तैयार हो रहा है, जिसका काम अभी जारी है, जल्द ही उसका भी उद्घाटन किया जायेगा।

राज्यमंत्री श्री लोधी ने कहा भगवान बिरसा मुंडा जी की जयंती को सरकार ने जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया और यहां पर भगवान बिरसा मुंडा जी के जीवन पर आधारित नाटिका प्रस्तुत की गई, जिसमें भगवान बिरसा मुंडा जी के जीवन पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने कहा यहां पर आने वाले समय में भगवान बिरसा मुंडा जी की मूर्ति स्थापित करने का काम भी किया जाएगा। उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा जी की जयंती के अवसर पर जनजातीय गौरव दिवस की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा निरंतर हम अपने अमर शहीदों को याद कर रहे हैं और जनजातीय गौरव के रूप में भगवान बिरसा मुंडा, रानी दुर्गावती जी, शंकर शाह, रघुनाथ शाह को याद कर रहे हैं। जनजातीय समाज, आदिवासी समाज का देश की आजादी और संस्कृति को बचाने में बहुत महत्वपूर्ण योगदान रहा है। जहां शंकर शाह, रघुनाथ शाह और बिरसा मुंडा जी ने अंग्रेजों से लोहा लेने का काम किया, वहीं रानी दुर्गावती ने उस समय अकबर को टक्कर देने का काम

किया, ऐसी रानी दुर्गावती जी को भी सम्मानित करने का काम कर रहे हैं।

इस अवसर पर हटा विधायक उमादेवी खटीक ने कहा आज बिरसा मुंडा जयंती का कार्यक्रम जबेरा विधानसभा में आयोजित किया गया हैं। उन्होंने कहा केंद्र और प्रदेश की सरकार हर समुदाय, जाति, वर्ग और उनके विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। देश और प्रदेश में किस प्रकार से जागरूकता लाई जाए, लोग कैसे जागरूक हो, इसलिए यह कार्यक्रम शासन की मंशा अनुरूप किए जाते हैं। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष रंजीता गौरव पटेल ने कहा भगवान बिरसा मुंडा जी एक महान क्रांतिकारी और स्वतंत्रता सेनानी थे, उन्होंने अंग्रेजों से जंगल और अपनी जमीन बचाने के लिए डटकर मुकाबला किया था। श्रीमती पटैल ने सभी आदिवासी भाई-बहनों से आग्रह करते हुए कहा हमारे पांच तत्व जल, जीवन, पृथ्वी, वायु इन सभी को बचाने में हमारी मदद करें और ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाए।

भाजपा जिला अध्यक्ष प्रीतम सिंह लोधी ने कहा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने जनजातीय गौरव दिवस के रूप में भगवान बिरसा मुंडा जी की जयंती मनाने का काम पूरे देश भर में किया है। निश्चित ही हमारे आदिवासी भाइयों का गौरव बढ़ाने का काम सरकार ने किया है, इसके लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने आदिवासी समाज को ऊपर लाने का काम किया है। आयोजित इस कार्यक्रम में महादेव घाट रौड़ में जनजातीय गौरव दिवस भगवान विरसा मुंडा जी की 150वीं जन्म जयंती को मनाया गया जिसमें स्वराज संस्थान संचालनालय संस्कृति विभाग मध्य प्रदेश शासन के द्वारा भगवान बिरसा मुंडा जी के जीवन चरित्र पर आधारित नाट्य की प्रस्तुति की गई। कार्यक्रम के पश्चात जनजातीय समाज के वरिष्ठ जनों एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुति दे रहे कलाकारों का राज्यमंत्री ने अंग वस्त्र एवं पुष्प मालाओं से सम्मानित किया। कार्यक्रम में उपस्थित भाजपा जिला अध्यक्ष प्रीतम सिंह लोधी, हटा विधायक उमा देवी खटीक,खड़क सिंह मासाब, रूपेश सेन, विक्रम सिंह सहित बड़ी संख्या में जनजातीय समाज के लोग और ग्रामीण जन, अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

जयंत मलैया सहजता, सरलता एवं ईमानदार व्यक्तित्व के धनी : राज्यमंत्री पटेल

एकलव्य विश्वविद्यालय में संस्थापक दिवस पर भव्य आयोजन

सत्ता सुधार ■ दमोह

एकलव्य विश्वविद्यालय दमोह के संस्थापक पूर्व वित्तमंत्री एवं दमोह विधायक जननायक माननीय श्री जयंत मलैया के जन्मदिन के अवसर पर एकलव्य विश्वविद्यालय परिसर में भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश राज्यमंत्री पशुपालन एवं डेयरी विभाग माननीय श्री लखन पटेल, संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री नोहटा विधायक माननीय श्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी, हटा विधायक श्रीमती उमा देवी खटीक, मध्यप्रदेश शासन के पूर्व मंत्री माननीय श्री राजा पटेरिया, भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठतम कार्यकर्ता डॉ. रमा शंकर राजपूत, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रंजीता गौरव पटेल, एकलव्य विश्वविद्यालय की कुलाधिपति डॉ. सुधा मलैया, श्री सिद्धार्थ मलैया, प्रति कुलाधिपति श्रीमती पूजा मलैया एवं श्रीमती रति मलैया, कुलगुरू प्रो.डॉ. पवन कुमार जैन, कुलसचिव डॉ. प्रफुल्ल शर्मा, अधिष्ठाता अकादमिक डॉ. अर्चना पाठक, कार्यक्रम समन्वयक एवं अधिष्ठाता डॉ. निधि असाटी के साथ ही दमोह जिले के विभिन्न क्षेत्रों में सिद्धहस्त लोगों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्या की अधिष्ठात्री देवी माँ सरस्वती के चरणों में दीप जलाकर किया गया। इसके बाद अतिथियों का स्वागत साल, श्रीफल एवं पौधा देकर किया गया। स्वागत उद्बोधन कुलगुरू प्रो.डॉ. पवन जैन द्वारा किया गया।

ब्रीफ न्यूज

बीना में वार्षिक अधिवेशन और चुनाव संपन्नः

बीना/सागर। बीना में एससीएसटी एशो मुख्य शाखा का वार्षिक अधिवेशन और चुनाव संपन्न हुए। जिसमें अध्यक्ष दिनेश कुमार, सचिव संतोष कुमार पारोचे, कोषाध्यक्ष नरेन्द्र कुमार जाटव निर्विरोध चुने गए।चुनाव अधिकारी नरेंद्र श्रीवास ने बताया कि 6 नवंबर को फार्म का वितरण किया गया था। 10 नवंबर को फार्म जमा हुए। 11 नवंबर को फार्म की जांच कर तीनों को निर्विरोध चुना गया।

महाविद्यालय में भारतीय ज्ञान परम्परा से संबंधित अकादमिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का होगा आयोजन

देवरी/सागर। म.प्र. शासन उच्च षिक्षा विभाग मंत्रालय, भोपाल के निर्देषानुसार शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय देवरी में दिनांक 19 एवं 23 नवम्बर 2024 को भारतीय ज्ञान परम्परा से संबंधित अकादमिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के अंतर्गत् निबंध, भाषण, पोस्टर, लोकनृत्य, लोकगीत एवं सामान्य ज्ञान प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा।

सोलह वर्षीय आदिवासी किशोरी की मौत लापरवाही के बाद हाईवे पर आधा घंटे जाम

मामले में अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही के आरोप लगाते हुए परिजनों और जयस संगठन ने प्रदर्शन किया

सत्ता सुधार ■ बक्सवाहा/छतरपुर

सुनवाहा निवासी 16 वर्षीय जानकी आदिवासी की इलाज के दौरान हुई मौत ने स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली को उजागर कर दिया। मामले में अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही के आरोप लगाते हुए परिजनों और जयस संगठन ने प्रदर्शन किया। घटना का क्रमवार विवरण 1. मंगलवार, सुबह 11 बजे जानकी आदिवासी को उल्टी-दस्त और पेट फूलने की शिकायत के बाद सुनवाहा से बक्सवाहा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। 2. दोपहर 1 बजे प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने जानकी की हालत गंभीर बताते हुए दमोह जिला अस्पताल रेफर कर दिया। 3. दोपहर 1 से शाम 7 बजे एम्बुलेंस के लिए छह घंटे तक इंतजार किया गया। परिजनों ने बार-बार अस्पताल प्रबंधन से मदद की गुहार लगाई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। 4. शाम 7 बजे एम्बुलेंस पहुंचने से पहले ही जानकी ने दम तोड़ दिया। शव को स्वास्थ्य केंद्र के फ्रीजर में रखवाया गया। 5. बुधवार सुबह जयस संगठन के कार्यकर्ता और परिजन बक्सवाहा स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। उन्होंने नर्स गीता शैलजा पर दुर्व्यवहार और इलाज में लापरवाही के आरोप लगाए। दोषियों पर कार्रवाई की मांग शुरू हो गई। 6. सुबह 11.50 बजे आक्रोशित परिजनों ने शव को स्वास्थ्य केंद्र से उठाकर बक्सवाहा बस स्टैंड तिराहे पर रख दिया। कुछ ही देर में भीड़ इकट्ठा हो गई, जिससे हाईवे पर जाम की स्थिति बन गई। 7. पुलिस और प्रशासन की कार्रवाई तहसीलदार भरत पांडे घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंचे और परिजनों को समझाने का प्रयास किया। उन्होंने दोषियों पर सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया।

नगर निरीक्षक कृपाल सिंह मार्को छुट्टी पर होने और भोपाल में पत्नी का इलाज कराने के बावजूद उन्होंने फोन के माध्यम से पूरे मामले को संभाला।नैनागिर चौकी प्रभारी कदर खान और बम्होरी चौकी प्रभारी-दोनों ने परिजनों और जयस कार्यकर्ताओं को शांत कराने में अहम भूमिका निभाई। 8. आधा घंटे बाद-प्रशासन की समझाइश के बाद परिजन शव को सुनवाहा ले जाने के लिए राजी हुए। जाम हटाया गया, और स्थिति सामान्य हो गई।

तहसीलदार का बयान-तहसीलदार भरत पांडे ने कहा, नेशनल हाईवे पर जाम की स्थिति न बनने दी गई। मामले की पूरी जांच होगी और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस प्रशासन का समन्वय-नगर निरीक्षक कृपाल सिंह मार्को ने भोपाल से फोन के माध्यम से मोर्चा संभाला। स्थानीय चौकी प्रभारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया। स्वास्थ्य सेवाओं की लापरवाही का दर्दनाक परिणाम जानकी की मौत ने स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाल स्थिति को उजागर किया है। समय पर इलाज और एम्बुलेंस मिलती, तो जान बचाई जा सकती थी। परिजनों और ग्रामीणों ने उच्चस्तरीय जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

राधे राधे प्रभात फेरी मंडल द्वारा दीप दान कर कार्तिक पूर्णिमा की विदाई

राधे राधे प्रभात फेरी मंडल द्वारा कार्तिक माह में सभी कार्यक्रम हुए, धूमधाम से आयोजित

सत्ता सुधार ■ बीना/सागर

राधे राधे प्रभात फेरी मंडल ने कार्तिक माह की अंतिम दिवस भगवान लड्डु गोपाल, शालक राम जी, एवं तुलसी जी की पूजा अर्चना कर दीपदान कर कार्तिक माह की विदाई।और जमकर भक्तगण नाचे गए। कार्तिक मास, हिंदू धर्म में बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है।यह चातुर्मास का आखिरी महीना होता है,भगवान विष्णु 4 माह से झीर सागर में सयन कर रहे, देवउठनी एकादशी को जगत के पालनहार भगवान श्री विष्णु को उठो देव के जयकारों के साथ जगाया जाता है। शास्त्रों के अनुसार जालंधर का वध करने के बाद भगवान विष्णु चार माह आराम करने के लिए चले जाते हैं देवशयनी एकादशी के बाद से शुभ कार्य बंद हो जाते, लेकिन चार माह बाद देवउठनी एकादशी पर भगवान एक बार फिर उठते हैं भगवान विष्णु के जागते ही विवाह, नीव पूजन, गृह प्रवेश, वाहन खरीददारी व्यापार या नया कार्य शुरू करने का शुभ माना जाता है इसलिए एकादशी को वर्ष भर में पढ़ने वाली एकादशी तिथियां में सबसे श्रेष्ठ माना गया और कार्तिक पूर्णिमा को दीपदान कर कार्तिक माह की विदाई की जाती है। कार्तिक मास के अंतिम दिवस भगवान विष्णु की पूजा-अर्चना दीपदान करने के पश्चात सभी ने एक दूसरी को बधाई दी एवं मिठाइयां बांटी और जमकर भक्तगण नाचे गए।राधे राधे प्रभात फेरी मंडल कार्तिक मास में सूर्योदय से पहले स्नान के पश्चात सभी सुबह 5.00 बजे उठकर मां जागेश्वरी धाम से प्रभात फेरी निकाली गई।पूरे कार्तिक मास में स्नान-दान, तुलसी पूजन, गोपाष्टमी, ऐसे अनेक कार्यक्रम पूरे माह चलते रहे आयोजित किए गए।

केन्द्रीय विद्यालय में हर्षोल्लास के साथ मनाया बाल दिवस

सत्ता सुधार ■ सागर

केन्द्रीय विद्यालय क्र. 4 में बड़े हर्षोल्लास के साथ बाल दिवस मनाया गया। कार्यक्रम काशुभारंभ प्रातःकालीन सभा में देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरु की प्रतिमा पर मालार्पण से किया गया ढ्ढ छात्रों ने इस अवसर पर विभिन्न रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी, जिसमें बचपन पर आधारित कविता, नृत्य, भाषण आदि कार्यक्रम शामिल रहे जिसका संचालन विद्यालय के शिक्षक आनंद कुमार जैन ने किया। तत्पश्चात प्राथमिक कक्षाओं के लिए विभिन्न प्रकार के खेलों का आयोजन किया गया जिसका प्रारंभ विद्यालय के प्राचार्य श्री राजेंद्र सिंह वर्मा एवं वरिष्ठ शिक्षिका अनीता डोंगरे ने हरी झंडी दिखा कर कियाढ्ढ खेलों में विभिन्न प्रकार के खेल जैसे की नींबू दौड़ , बोतल दौड़, रस्साकशी आदि खेल शामिल रहे जिसमें छात्र-छात्राओं ने बहुत ही उत्साहपूर्वक भाग लिया एवं अपने सहपाठी प्रतिभागियों को प्रोत्साहित भी किया ढ्ढछात्रों के मनोरंजन के लिए विद्यालय में मनोज कुमार नेमा के मार्गदर्शन में बाल मेले का भी आयोजन किया गया जिसमें उच्चमाध्यमिक कक्षाओं के छात्रों ने अपने अपने स्टाल लगाए जिसमें स्वास्थवर्धक खाने पीने की वस्तुएं, खेल आदि के स्टाल शामिल रहेढ्ढ इस बाल मेले का न केवल विद्यार्थियों ने बल्कि विद्यालय के प्राचार्य सहित सभी शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने भरपूर आनंद लिया।कार्यक्रम के अंत में सभी विद्यार्थियों को उपहार स्वरुप विद्यालय द्वारा मिष्ठान वितरण भी किया गयाढ्ढ बाल-दिवस का आयोजन, विद्यालय के प्राचार्य के मार्गदर्शन एवं शिक्षकों और विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी से सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ।

सागर। महापौर प्रतिनिधि डा सुशील तिवारी ने नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष बाबू सिंह यादव के बड़े भाई संतोष सिंह के निधन पर उनके निज निवास ग्राम सिलेरा पहुंचकर उनके श्रद्धांजलि अर्पित की,साथ में रिशांक तिवारी और सूर्यांश तिवारी मौजूद रहे।

व्यवस्था

पुलिस के सहयोग से आउट कमांड में पहुचेगा पानी , कार्यवाही की जायेगी

टेल में सिंचाई परियोजना का पानी पहुचाने जल संसाधन विभाग ने बनाई व्यवस्था

सत्ता सुधार ■ शाहगढ़/सागर

बीला बांध बृहद परियोजना से रवि फसल 2024 -25 की सिंचाई के लिए नहरों में पानी किसानों की मांग पर क्षेत्रीय विधायक वीरेंद्र सिंह लोधी के प्रयास से 9 नवंबर को चालू किया गया है जिससे शाहगढ़ क्षेत्र के किसानों को समय पर रवि फसल की बोवनी करने का अवसर मिल गया वही सिंचाई विभाग ने समय समय पर सिंचाई के लिए नहरें चालू करने की बात कही है।जलसंसाधन विभाग ने बीला बांध सिंचाई परियोजना से सभी किसानो को पानी उपलब्ध कराने के लिए व्यवस्था बनाई है विभाग द्वारा टेल के ग्रामो को समय पर सिंचाई का पानी पहुचाने के लिए जिम्मेदार अधिकारियो को निगरानी करने क्षेत्र में भेजा

है एवं जल संसाधन विभाग ने 14 नवंबर से 21 नवंबर तक टेल के ग्राम बमनोरा,सेवार,कुटौरा,कचरा,घुवारा आदि ग्रामो के 3500 हेक्टेयर रकवे की सिंचाई के लिए जल प्रवाह करने की व्यवस्था सुनिश्चित की है,व्यवस्था के अनुसार विभाग ने बीला बांध की एलबीसी नगर की कुल दूरी में से 13.50 किलोमीटर तक एक सप्ताह भरपूर पानी दिया है। विभाग के अनुविभागीय अधिकारी जी एस चौधरी ने बताया कि व्यवस्था के अनुसार बीला बांध की एलबीसी नहर की कुल लंबाई 26.50 किलोमीटर में से 13.50 किलोमीटर के ग्राम कानीखेड़ी, नरवा, खौरो, रामटौरिया, गररोली, डोंगरपुर उपनहरो के गेट 21 नवंबर तक बंद रहेंगे।अनुविभागीय अधिकारी जीएस चौधरी ने बताया कि इस वर्ष बीला बांध पूर्ण रूप से 54.0 मिलियन घन मीटर क्षमता के साथ भरा हुआ है जिससे इस वर्ष शासन ने शाहगढ़ क्षेत्र में बीला बांध एवं चंदिया डेम से 19500 हेक्टेयर रवि सिंचाई का लक्ष्य रखा है जिसे पूर्ण करने की जिम्मेदारी जल संसाधन विभाग की है इसलिए टेल में जल प्रवाह सख्ती से पुलिस की सहायता से किया जा रहा है।

इनका कहना है

जल है तो कल है,जल ही जीवन है इसे व्यर्थ बर्बाद न करे एलबीसी नहर के अनाधिकृत कुलावो पर आउट कमांड में जल प्रवाह के लिए कार्यवाही की जायेगी एवं अनाधिकृत पंप,ट्रेक्टर जो कृषकों द्वारा रखे गए है जब्त कर पुलिस कार्यवाही की जाएगी।वही कृषकों से अपील है कि अपना सिंचित रकवा पूर्ण कर कुलावे को बंद कर दे।

जी.एस. चौधरी अनुविभागीय अधिकारी शाहगढ़

डॉ हरि सिंह गौर को भारत रत्न दिलाने संकल्प लिया

सागर। मप्र कांग्रेस पिछडा वर्ग विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष रमाकांत यादव के नेतृत्व में आज तीन बत्ती गौर मूर्ति के निकट सभी ने हाथ में भारत रत्न के प्रतीक पीपल का पत्ता लेकर संकल्प लिया।रमाकांत यादव ने बताया कि जनजागरण के तहत यह क्रम जारी रहेगा उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान निर्मात्री सभा के सदस्य कानून निर्माता और अपने जीवन की सर्वस्व कमाई पूंजी को दान में देकर विश्वविद्यालय का निर्माण करवाने वाले डा गौर को भारत रत्न क्यों नहीं जबकि चंदा एकत्र कर विश्वविद्यालय बनाने वालो को सरकार ने भारत रत्न दे दिया।इस अवसर पर भैयन पटेल हीरालाल चौधरी लीलाधर सूर्यवंशी रवि सोनी, दास रैकवार गब्बर पठान कुंजीलाल लड़ियां बाबू मच्छंर कौशल चौरसिया आदि सभी उपस्थित थे।

ब्रीफ न्यूज

सैममन ने मारा छक्का, गेंद महिला के चेहरे पर लगी, क्रिकेटर ने मांगी माफी

जोहान्सबर्ग। दक्षिण अफ्रीका और भारत के बीच चौथे टी-20 मैच में तिलक वर्मा और संजू सैमसन अफ्रीकी गेंदबाजों की जमकर धुलाई कर रहे थे, वहीं दर्शक दीर्घा में बैठी एक महिला सैमसन के हिट की गई गेंद उसे जाकर लगी और वह घायल हो गई। 10वें ओवर की दूसरी गेंद पर संजू सैमसन ने छक्का लगाया तो गेंद भीड़ में खड़ी एक महिला के चेहरे पर जा लगी। गेंद सबसे पहले मैदान की रेलिंग पर लगी और फिर सुरक्षा कर्मी के कंधे से टकराने के बाद महिला के जबड़े पर लगी। महिला का गेंद की ओर ध्यान नहीं था इसलिए वह बचाव नहीं कर पाई। महिला ने रोना शुरू कर दिया। उसका रोता हुआ चेहरा टीवी स्क्रीन पर भी दिखाया गया। भीड़ में से किसी ने घायल हिस्से पर मलने के लिए आइस पैक दे दिया। इस दौरान एक व्यक्ति उसके चेहरे पर इसे लगाते हुए देखा गया, जबकि उसकी आंखों में आंसू थे। वहीं, सैमसन को भी इसका तुरंत पता चला तो उन्होंने तुरंत हाव-भाव से विनम्र पूछताछ की और बाद में एक अवांछित गलती के लिए उन्हें माफी मांगते हुए देखा गया।

भारतीय टीम इस बार भी ऑस्ट्रेलिया में बेहतर प्रदर्शन करेगी: शार्दुल

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर को उम्मीद है कि इस बार भी भारतीय टीम बॉर्डर-गावस्कर सीरीज में बेहतर प्रदर्शन कर मेजबानों की जीत का सपना तोड़ देगी। शार्दुल ने पिछली बार ब्रिस्बेन टेस्ट भारतीय टीम की जीत में अपने ऑलराउंड प्रदर्शन से निर्णायक भूमिका निभाई थी। शार्दुल ने उक्त मुकाबले में सात विकेट लेने के अलावा शानदार 67 रन भी बनाए थे। वहीं दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका में पहले टेस्ट में खराब प्रदर्शन के बाद भारतीय टीम से उन्हें बाहर कर दिया गया था शार्दुल का कहना है कि इस बार भी भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया को गाबा जैसा झटका देगी। शार्दुल 2020-21 सीरीज की यादें अब भी ताजा हैं। इस खिलाड़ी ने कहा, मैं केवल एकदिवसीय टीम का हिस्सा था, लेकिन मैंने तीनों प्रारूप खेले और आखिरी टेस्ट भी खेला।

सीएसके से ट्रायल के बुलावे को लेकर उत्साहित हैं आयुष

नई दिल्ली। सलामी बल्लेबाज आयुष म्हात्रे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के ट्रायल के लिए बुलावे को लेकर उत्साहित हैं। आयुष के युएई में अंडर-19 टीम की ओर से शानदार प्रदर्शन को देखते हुए सीएसके ने उसे सीनियर टैलेंट स्काउट के साथ ट्रायल के लिए बुलाया है। आयुष का प्रदर्शन रणजी में भी काफी अच्छा रहा है। इसे बल्लेबाज ने यहां मुम्बई की ओर से खेलते हुए दूसरा प्रथम श्रेणी शतक लगाया है। आयुष सीएसके के पूर्व कप्तान दिग्गज महेंद्र सिंह धोनी के साथ खेलना चाहता है। इस युवा ने कहा कि सीएसके ने उससे आईपीएल ट्रायल के लिए संपर्क किया था जिससे अब उससे पीली जर्सी पहनने का अवसर मिल सकता है। साथ ही कहा कि अभी मेरा ध्यान रणजी में अच्छे प्रदर्शन को बनाये रखना है।

जकार्ता गेलोरा बुंग कार्नो मेन स्टेडियम में सॉकर फुटबॉल विश्व कप एशियाई क्वालीफायर के तीसरे राउंड में ग्रुप सी के इंडोनेशिया बनाम जापान मैच के दौरान इंडोनेशिया के विटान सुलेमान और इंडोनेशिया के जोर्डी अमाट जापान के रेओ हटेट के साथ एक्शन में।

करनाली याक्स टीम से जुड़े शिखर, फिर लगाएंगे मैदान पर छक्के-चौके

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत के पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन फिर से क्रिकेट मैदान पर चौके छक्के लगाते नजर आएंगे। धवन करनाली याक्स टीम में शामिल हो गए हैं। वह नेपाल प्रीमियर लीग (एनपीएल) के उद्घाटन सत्र में खेलते नजर आएंगे। उनका यह फैसला इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजी पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) द्वारा उन्हें 2025 मेगा-नीलामी से पहले रिलीज करने के बाद आया है। आईपीएल 2024 में शिखर धवन ने पांच मैचों में पंजाब किंग्स फ्रेंचाइजी का प्रतिनिधित्व किया और 125.62 की स्ट्राइक रेट से 152 रन बनाए थे। घायल होने के बाद वह नहीं खेल पाए थे।

करनाली याक्स ने धवन से जुड़ाव का ऐलान करते हुए एक्स पर लिखा- करनाली याक्स नेपाल प्रीमियर लीग में गब्बर की प्रचंड ऊर्जा शिखर धवन ला रहे हैं! अपने आप को संभालो क्योंकि गब्बर आ गया है। इससे पहले अगस्त में शिखर धवन ने अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। अपने फैसले की घोषणा करने के लिए एक भावनात्मक संदेश में धवन ने अपने शानदार करियर पर पर्दा डाला। उन्होंने सभी प्रारूपों में भारत का प्रतिनिधित्व किया, लेकिन वनडे उनकी खासियत थी। उन्होंने 167 वनडे में 44.1 की औसत से 6,793 रन बनाए जिसमें 17 शतक और 39 अर्द्धशतक शामिल हैं। टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने मुरली विजय के साथ शानदार खेल खेला है। धवन ने 34 मैचों में 40.6 की औसत से 2,315 रन बनाए। उनके टेस्ट करियर में सात शतक और पांच अर्धशतक शामिल रहे। टी20ई प्रारूप में धवन ने 68 मैच खेले और 27.9 की औसत से 1,759 रन बनाए, जिसमें 11 अर्द्धशतक शामिल हैं।

आईपीएल नीलामी : मल्लिका सागर का नाम हुआ फाइनल करेंगी होस्ट

नीलामी के लिए देश-विदेश के 1574 खिलाड़ियों ने कराया था पंजीकरण

एजेंसी ■ नई दिल्ली

आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी 24 और 25 नवंबर को जेद्दा (सऊदी अरब) में होगी, जिसमें मल्लिका सागर इस नीलामी की होस्ट होंगी उनका नाम कंफर्म हो गया है। 17वें सीजन की शुरुआत से पहले आईपीएल की महिला नीलामीकर्ता बनीं मल्लिका सागर 20 साल से भी ज्यादा समय से अलग-अलग नीलामी का हिस्सा रही हैं। वह महिला प्रीमियर लीग और प्रो कबड्डी लीग की नीलामी में भी शामिल हो चुकी हैं। उन्होंने पिछले साल की मिनी-नीलामी में ह्यू एडमीडेस की जगह ली थी। मल्लिका सागर मुंबई की रहने वाली हैं और खेल जगत में एक जाना माना नाम है। 25 साल से कर रही हैं नीलामी मल्लिका आधुनिक और समसामयिक भारतीय कला की विशेषज्ञ हैं। 26 साल की उम्र में वह क्रिस्टीज के लिए पहली भारतीय नीलामी होस्ट चुनी गई थीं। मल्लिका सागर ने मुंबई में पुंडोले की आर्ट गैलरी में कई नीलामियों का नेतृत्व किया है।

आईपीएल 2025 मेगा नीलामी के लिए 1574 खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया था, लेकिन आईपीएल और फ्रेंचाइजी के बीच परामर्श के बाद उस सूची में कटौती की जाएगी। नीलामी की आखिरी सूची छोटी होगी जो अभी जारी नहीं की गई है, लेकिन इसमें भारत और विदेशों के बड़े खिलाड़ी शामिल होंगे। इस नीलामी में भारतीय खिलाड़ियों में मोहम्मद शमी, ऋषभ पंत, केएल राहुल, श्रेयस अय्यर, ईशान किशन, मोहम्मद सिराज, आर अश्विन, युजवेंद्र चहल, हर्षल पटेल, अर्शदीप सिंह, खलील अहमद, दीपक चाहर, वेंकटेश अय्यर, अवेश खान, मुकेश कुमार, भुवनेश्वर कुमार, प्रसिद्ध कृष्णा, टी नटराजन, देवदत्त पडिक्कल, क्रुणाल पंड्या, वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, उमेश यादव शामिल हैं।

वहीं विदेशी खिलाड़ियों में डेविड वार्नर, जोस बटलर, मिशेल स्टार्क, ग्लेन मैक्सवेल, फाफ डु प्लेसिस, कैगिसो रबाडा, डेविड मिलर, डेवोन कॉनवे, टिम डेविड, रचिन रवींद्र, क्विंटन डी कॉक, मार्कस स्टोइनिस, सैम कुरेन, जॉनी बेयरस्टो, लियाम लिविंगस्टोन।

हरेक टीम के पास कुल 120 करोड़ रुपए का पर्स है

हरेक टीम के पास कुल 120 करोड़ रुपए का पर्स है। पंजाब किंग्स के पास मेगा नीलामी में खर्च करने के लिए सबसे बड़ा 110.5 करोड़ का पर्स है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के पास 83 करोड़, दिल्ली कैपिटल्स के पास 73 करोड़, गुजरात टाइटंस के पास 69 करोड़, लखनऊ सुपर जायंट्स के पास 69 करोड़, चेन्नई सुपर किंग्स के पास 55 करोड़, कोलकाता नाइट राइडर्स के पास 51 करोड़, मुंबई इंडियंस के पास 45 करोड़, सनराइजर्स हैदराबाद के पास 45 करोड़ और राजस्थान रॉयल्स के पास 41 करोड़ रुपए बाकी हैं।

केएल राहुल की वापसी का लक्ष्य: आईपीएल में प्रदर्शन से नई राह की उम्मीद

एजेंसी ■ पर्थ

खराब फॉर्म के बावजूद भारतीय बल्लेबाज केएल राहुल ने तीनों प्रारूपों में खेलने की अपनी महत्वाकांक्षा को दोहराया है। आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को वह टी20 टीम में वापसी का जरिया मान रहे हैं। राहुल, जिन्होंने 2022 से अब तक टेस्ट में संघर्ष किया है, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला में रोहित शर्मा की अनुपस्थिति में ओपनिंग का मौका मिलने की उम्मीद कर सकते हैं। राहुल ने कहा, मैं भारत के लिए तीनों प्रारूपों में खेलना चाहता हूं। पिछले कुछ समय से मैं टी20 टीम से बाहर हूं, लेकिन मुझे पता है कि वापसी के लिए क्या करना है। आईपीएल के नए सत्र का इंतजार कर रहा हूं ताकि अपने प्रदर्शन से टी20 टीम में फिर से जगह बना सकूं। राहुल का हालिया फॉर्म चिंता का विषय रहा है। उन्होंने 2022 से 12 टेस्ट मैचों की 21 पारियों में केवल 514 रन बनाए, जिसमें उनका औसत 25.7 रहा। इसके बावजूद राहुल ने जोर देकर कहा कि वह व्यक्तिगत आंकड़ों की बजाय टीम के लिए खेलने को प्राथमिकता देते हैं। राहुल ने कहा, हमेशा से मेरी प्राथमिकता टीम रही है। व्यक्तिगत प्रदर्शन से ज्यादा टीम के लिए योगदान देना मायने रखता है। अगर मैं टेनिस खेल रहा होता, तो स्थिति अलग होती, लेकिन क्रिकेट में टीम के लिए अलग-अलग भूमिकाएं निभानी पड़ती हैं। राहुल का मानना है कि आईपीएल उनके लिए मंच प्रदान करेगा, जहां वह अपने फॉर्म को सुधारकर राष्ट्रीय टीम में जगह पक्की कर सकते हैं। भारतीय टीम में वापसी के लिए राहुल के पास आईपीएल के अलावा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भी खुद को साबित करने का मौका होगा।

विराट ऑस्ट्रेलिया में सफल रहेंगे पर उन्हें रहना होगा सतर्क : शास्त्री

एजेंसी ■ मुम्बई

पूर्व क्रिकेटर और कोच रहे रवि शास्त्री ने कहा है कि विराट कोहली का प्रदर्शन भले ही हाल के दिनों मे अच्छा नहीं रहा हो पर वह ऑस्ट्रेलिया दौरे में सफल रहेंगे। शास्त्री ने कहा कि कोहली उस अब देश में खेलेगा जहां उसे बल्लेबाजी करना और रन बनाना बहुत पसंद है पर उसे सतर्क भी रहना होगा। शास्त्री ने कहा, 'कोहली अब वहां खेलेगा जहां वह बहुत अच्छा प्रदर्शन करता है। मैं उन्हें बस इतना ही बताऊंगा कि जब आप ऑस्ट्रेलिया में अपने अंदाज में धमाकेदार तरीके से बल्लेबाजी करने उतरते हैं तो यह हमेशा आपके प्रतिद्वंद्वी के दिमाग में रहता है।' शास्त्री ने इस प्रकार ऑस्ट्रेलिया में कोहली के शानदार प्रदर्शन का जिक्र कर रहे थे जिसमें उन्होंने 2011-12 में अपने पहले टेस्ट दौरे में एडिलेड में शतक लगाया था।. 2014 के दौरे के दौरान चार टेस्ट मैच में 692 रन बनाए थे और 2018-19 सीरीज के दौरान पर्थ में 123 रन की शानदार पारी खेली थी। तब कोहली ने टीम की कप्तानी की थी। उन्होंने कहा, 'जब आप जोश में हो और आप उत्साहित हैं जो विराट के साथ होता है। तो आपको कुछ शांत भी रहना चाहिए क्योंकि कई बार आप मैदान पर उतरकर पहला दाव मारने के लिए बहुत उत्साहित होते हैं।' उन्होंने कहा, ''लेकिन मुझे लगता है कि जब वह बल्लेबाजी करने उतरे तो पहला आधा घंटा या फिर सीरीज की पहली तीन पारियों में उसका शांत रहना बेहद अहम होगा। इससे वह अपनी लय हासिल कर बेहतर खेल पायेंगे।'शास्त्री ने कहा कि विराट इस स्तर के खिलाड़ी है कि खराब दौर से बाहर निकलना जानते हैं। उन्हें इस बारे में कुछ सिखाने की जरुरत नहीं है। पिछले कुछ महीनों में कोहली सभी प्रारूपों में खराब दौर से गुजरे हैं।

किसी भी क्रम पर खेल सकता हूं : आशुतोष

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पिछले सत्र में पंजाब किंग्स की ओर से निचले क्रम पर अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सभी को प्रभावित करने वाले आशुतोष शर्मा ने कहा कि वह किसी भी क्रम पर बल्लेबाजी कर सकते हैं। ऐसे संभावना है कि आशुतोष को आईपीएल 2025 के लिए होने वाली मेगा नीलामी में कई टीमें शामिल करने के लिए बोली लगाएंगी। आशुतोष ने कहा कि जो भी टीम उन्हें शामिल करती है वह उसकी ओर से अवसर मिलने पर शीर्ष क्रम में अच्छा प्रदर्शन करने का प्रयास करेंगे। साथ ही कहा कि टीम जरुरतों के अनुसार वह किसी भी क्रम पर खेल सकते हैं। पिछले सत्र में विशेषज्ञ बल्लेबाजों के विफल रहने के बाद टीम की ओर से आशुतोष ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए निचले क्रम में 167.25 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए थे। आशुतोष ने कहा कि मेरा सोचना है कि टीम को जहां भी मेरी जरूरत होगी मैं वहां बल्लेबाजी कर सकता हूं।

कोपेनहेगन में सॉकर फुटबॉल - नेशंस लीग में डेनमार्क बनाम स्पेन मैच के दौरान डेनमार्क के मोर्टेन हजुलमंड और स्पेन के मिकेल ओयारज़ाबल मैड्स क्लॉस रासमुसेन के साथ एक्शन में।

विवाद गंभीर ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले पोंटिंग की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया दी

गंभीर और पोंटिंग में विवाद व्यक्तिगत कारणों से है : ब्रैड हैडिन

एजेंसी ■ नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग और भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर के बीच चल रहे विवाद से माहौल गरमा गया है। ताजा विवाद की शुरुआत तब हुई जब गंभीर ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले विराट कोहली की खराब फॉर्म पर पोंटिंग की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया दी। इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए गंभीर ने पोंटिंग को ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी, जिसके बाद पोंटिंग ने गंभीर को एक चिड़चिड़ा व्यक्ति बताते हुए तीखा पलटवार किया। पूर्व क्रिकेटर ब्रैड हैडिन ने इस विवाद के पीछे की वजह का खुलासा किया है और बताया कि यह कुछ व्यक्तिगत कारणों से जुड़ा हो सकता है। हैडिन के अनुसार, गंभीर की प्रतिक्रिया हम बनाम वे मानसिकता पर आधारित थी, और यह उम्मीद की जाती है कि एक कोच खिलाड़ियों का समर्थन करेगा। हैडिन ने कहा, गंभीर हमेशा अपनी टीम से दबाव हटाने के लिए ऐसी मानसिकता अपनाते हैं। उनकी प्रतिक्रिया तीखी थी, और यह स्थिति को और जटिल बना सकती थी। उन्होंने यह भी कहा कि गंभीर का यह रवैया टीम को एकजुट करने की बजाय तनावपूर्ण माहौल पैदा कर सकता है। हैडिन ने बताया कि गंभीर और पोंटिंग के बीच की कहानी पुरानी है, और इसका एक हिस्सा आईपीएल के दौरान 2018 में हुआ था, जब गंभीर पोंटिंग की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेले थे। उस दौरान गंभीर ने केवल आधे मैच खेले थे और बाकी में श्रेयस अय्यर को टीम की कप्तानी सौंपी गई थी। हैडिन ने इसे एक अप्रत्यक्ष संदर्भ के रूप में प्रस्तुत किया, और कहा कि यह विवाद उस समय की घटना का हिस्सा हो सकता है। हैडिन ने गंभीर की तुलना ऑस्ट्रेलियाई रग्बी कोच वेन बेनेट से भी की, जो अपनी टीम से दबाव हटाने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा, गंभीर ने अपनी टीम से दबाव हटा लिया है और अब सब कुछ उनके बारे में है। वह इस स्थिति का उपयोग अपनी टीम के लिए मानसिक तैयारी करने के लिए कर रहे हैं। हैडिन ने कहा, क्या यह गंभीर का भावनात्मक प्रतिक्रिया है या वह जानबूझकर अपनी टीम से ध्यान हटाने के लिए ऐसा कर रहे हैं, यह तो समय ही बताएगा। इस विवाद ने क्रिकेट जगत में चर्चा छेड़ दी है, और अब यह देखना दिलचस्प होगा कि गंभीर और पोंटिंग के बीच की यह चिड़चिड़ी जंग कैसे आगे बढ़ेगी।

सैमसन, तिलक ने खेली 210 रनों की सबसे बड़ी साझेदारी

जोहान्सबर्ग। तिलक वर्मा और संजू सैमसन की जोड़ी ने अभिषेक शर्मा का विकेट गिरने के बाद टीम इंडिया को एक विकेट के नुकसान पर 283 रन के विशाल स्कोर तक पहुंचाया। दोनों के बीच 210 रनों की साझेदारी हुई जिसके लिए उन्होंने 86 गेंदें खेलीं। यह भारत के लिए किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भी सबसे बड़ी साझेदारी है। दूसरे विकेट के लिए भी यह ओवरऑल बेस्ट पार्टनरशिप रही।

इन्होंने खेली भारत के लिए बड़ी साझेदारी

210* - सैमसन/तिलक बनाम साऊथ अफ्रीका
190* - रोहित/रिंकू बनाम अफगानिस्तान
176 - हुडा/सैमसन बनाम आयरलैंड
173 - सैमसन/सूर्या बनाम बांग्लादेश
165 - रोहित/राहुल बनाम श्रीलंका
165 - जयसवाल/गिल बनाम वेस्टइंडीज
160 - रोहित/धवन बनाम आयरलैंड
158 - रोहित/धवन बनाम न्यूजीलैंड

बिहार के बक्सर में ईसाई समुदाय के लोग ग्रामीण इलाकों में धर्म प्रचार के लिए अभियान चला रहे हैं। इस सिलसिले में गंगा नदी में लोगों को नहलाकर धर्म परिवर्तन कराने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया है। हिंदू संगठनों ने इस वीडियो पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है और हंगामा किया है।

झांसी अग्निकांड... डीएनए टेस्ट के बाद सौंपे जाएंगे शिशुओं के शव

उपमुख्यमंत्री ने दिए त्रिस्तरीय जांच के आदेश, एक बेड पर तीन से चार बच्चे भर्ती थे, जरूरी इंतजाम तो बच जाती मासूमों की जान

सत्ता सुधार ■ झांसी

झांसी मेडिकल कॉलेज के एसएनसीयू में शुक्रवार देर रात को शॉर्ट सर्किट से ऑक्सीजन कंसट्रेटर में लगी आग में झुलसकर 10 बच्चों की मौत हो गई। इस मामले में स्थिति का जायजा लेने उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक शनिवार सुबह पांच बजे मेडिकल कॉलेज पहुंचे। उन्होंने त्रिस्तरीय जांच के आदेश जारी कर दिए हैं। डिप्टी सीएम ने कहा तीनों जांच का मुख्य बिंदु आग लगने की वजह और जिम्मेदार को चिह्नित करके सख्त कार्रवाई करना है। साथ ही कहा कि डीएनए टेस्ट कराने के बाद मृत शिशुओं के शव परिजनों को सौंपे जाएंगे। मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी पहुंचे उपमुख्यमंत्री ने सबसे पहले ऑपरेशन थियेटर में आग से झुलसकर मरे 10 नवजात के शवों को देखा। उन्होंने नवजातों को बचाने का प्रयास करने वाले कर्मियों से पूछताछ की। इसके बाद एसएनसीयू में आग लगने के बाद यहां से वार्ड नंबर-5 के नीकू में शिफ्ट किए गए 16 बच्चों का हाल देखा।

तीन स्तर की होगी जांच

उपमुख्यमंत्री ने बताया कि 10 नवजातों की मौत को शासन ने काफी गंभीरता से लिए है। मुख्यमंत्री पूरे मामले पर नजर बनाए हुए हैं। मामले की एक जांच शासन स्तर से स्वास्थ्य विभाग की टीम करेगी। दूसरी जांच पुलिस और फायर बिग्रेड करेंगी और तीसरी मजिस्ट्रेट जांच होगी। तीनों जांच का मुख्य बिंदु एसएनसीयू में आग लगने की वजह का पता लगाना है। लापरवाही सामने आएगी तो जिम्मेदारी तय करके सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। खामी का निदान कराया जाएगा।

सात बच्चों की शिनाख्त

फरवरी में मेडिकल कॉलेज की फायर सेफ्टी ऑडिट हुई थी और जून में सरकार के आदेश पर मॉक ड्रिल किया गया। इसके बावजूद आग लगने की घटना होना बेहद दुखद है। इससे लापरवाही का पता लगता है। बचाए नवजातों और उनकी माताओं को गुणवत्तापूर्ण उपचार दिया जा रहा है। मृत 10 नवजात में से सात की शिनाख्त हो गई है। अन्य की शिनाख्त के प्रयास जारी है।

ब्रीफ न्यूज

ताजमहल देखने आईं म्यांमार की पर्यटक की मौत

आगरा। ताजमहल देखने आईं म्यांमार की 67 वर्षीय महिला पर्यटक आईमिंट की शनिवार को मौत हो गई। आईमिंट सुबह ताजमहल देखने पहुंची थीं। वह चमेली फर्श के नजदीक स्थित बाबड़ी के समीप बेहोश होकर गिर गईं। उन्हें व्हीलचेयर पर बैठाकर लेबर गेट से बाहर लाया गया। डिस्पेंसरी से उन्हें शांति मांगलिक अस्पताल भेजा गया। यहां भर्ती नहीं किए जाने पर अस्पताल ले जाया गया। वहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

दहेज के लिए विवाहिता को पीटा एसपी से कार्रवाई की मांग

बस्ती। दहेज को लेकर उत्पीड़न की शिकार ओपेक चिकित्सालय कैली में भर्ती विवाहिता ने एसपी को पत्र देकर पति राहुल, सास सावित्री, ननद संगीता, सुनीता, संगीता के पुत्र सचिन उर्फ लड्डू, पुत्री मानसी उर्फ पूजा, निधि, सुनीता की पुत्री प्रिया, खुशी, जेठ राजकुमार, उनके पुत्र सोनू और मोनू के विरुद्ध समुचित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर कार्रवाई, गिरफ्तारी और अपने व 7 वर्षीया पुत्री आस्था के जान माल की गुहार लगाई है। एसपी को दिए पत्र में लालगंज थाना क्षेत्र के बनकटी बाजार निवासिनी सुमित्रा ने कहा है कि उसका विवाह राहुल पुत्र स्व.रामसहाय के साथ 14-02-2013 को हुआ था। उसके पिता नगर थाना क्षेत्र के कस्बा नगर थाना नगर निवासी शिवशंकर ने काफी दहेज देकर विवाह सम्पन्न कराया था।

बाइक की टक्कर के बाद दो पक्षों के बीच खूनी संघर्ष

मऊ। उत्तर प्रदेश के मऊ जिले में कोतवाली क्षेत्र के बड़ागांव के पास एक बाइक की टक्कर के बाद दो पक्षों के बीच विवाद का माहौल गहरा गया। यह विवाद इतना बढ़ गया कि चाकूबाजी और पथराव का मसला उत्पन्न हो गया। घटना के अनुसार इस चोट के मौके पर भारी पुलिस तैनात की गई, जिससे मामले को शांत करने का प्रयास किया गया। लेकिन दोनों पक्षों के बीच आमने-सामने में हिंसक संघर्ष शुरू हो गया, जिसमें कोतवाल और सीओ भी घायल हो गए। स्थानीय प्रशासन के अधिकारी ने घटना को तोड़ने के लिए ठोस कदम उठाए और मुश्किल में आए लोगों को शांत करने के लिए कड़ी कार्रवाई की। पुलिस ने तीन घंटों के अंदर मामले को नियंत्रित किया और हालात को स्थिर किया। स्थानीय अधिकारियों ने लोगों से आपसी भाईचारे को बनाए रखने की अपील की है और अफवाहों में ध्यान न देने की सलाह दी है। भावात्मक हालात में सुधार की उम्मीद जताई जा रही है।

कथावाचक देवकीनंदन बोले- घटता हुआ हिन्दू भारत के लिए खतरा

अब हम बटेंगे नहीं और कटेंगे नहीं, जो हमें काटना चाहेंगे उसे देख लेंगे...

दिल्ली में धर्म संसद में कहा : सनातन धर्म बोर्ड के माध्यम से गुरुकुल की परंपरा वापस लौटेगी

हलाल सर्टिफिकेट लेकर माल बेचने वाली कंपनियों का हो बहिष्कार

सरकारी अधिकारियों को पूजा और विधि का कोई ज्ञान नहीं, हमें एक बोर्ड की जरूरत

सत्ता सुधार ■ लखनऊ/ नई दिल्ली

पूर्वी दिल्ली के पांचवें पुश्ता पर सनातन धर्म संसद का आयोजन शनिवार को किया गया। यह धर्म संसद कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर महाराज के नेतृत्व में हुई। इसमें सनातन बोर्ड की मांग की गई है। गौरतलब है कि पहली धर्म संसद देवकीनंदन के नेतृत्व में 25 फरवरी, 2024 को दिल्ली और दूसरी धर्म संसद 23 जून, 2024 को ऋषिकेश में आयोजित हुई थी। सनातन धर्म संसद के अवसर पर पंडाल में हजारों की संख्या में सनातनी मौजूद रहे। पूरा पंडाल जय श्रीराम-जय श्रीराम के जयकारों से गूंजता रहा। इस मौके पर अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी महाराज, श्री रामजन्म भूमि ट्रस्ट, अयोध्या के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरी महाराज, महामंडलेश्वर नवल किशोर महाराज, चक्रपाणि महाराज, अहिंसा विश्व भारती और विश्व शांति केंद्र के संस्थापक जैन आचार्य श्रीलोकेश मुनि, इंद्रेश उपाध्याय व अन्य संत मौजूद रहे। कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर ने कहा कि कुछ मंदिरों में हाल ही में प्रसाद में पशुओं की चर्बी पाई गई। यह घटना दोबारा न हो, इसलिए हम सनातन धर्म बोर्ड चाहते हैं। अधिकतर मंदिर सरकार के अधीन हैं। सरकारी अधिकारियों को पूजा और विधि का कोई ज्ञान नहीं है, उन्हें मंदिर और धर्म का क, ख, ग, घ... भी नहीं आता है, ऐसे में वे कैसे मंदिरों की देखरेख और रक्षा करेंगे।

हिंदू बच्चियों के विवाह हिंदू परिवारों में होना चाहिए

कथावाचक ने कहा कि सनातन धर्म बोर्ड के माध्यम से गुरुकुल की परंपरा वापस लौटेगी। घटता हुआ हिन्दू भारत के लिए खतरा है, इसलिए हिंदू की संख्या बढ़नी चाहिए। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मथुरा की मुक्ति के लिए, तिरुपति मंदिर के प्रसाद में मिलावट करने वालों को कड़ी सजा हो। इसके लिए बोर्ड के गठन की मांग करते हैं। हिन्दू बच्चियों के विवाह हिन्दू परिवारों में होना चाहिए, यह नियम बनना चाहिए। हलाल सर्टिफिकेट लेकर माल बेचने वाली कम्पनियों का बहिष्कार हो।

हिंदू हक अब लेकर रहेंगे...

देवकीनंदन ने एक नारा भी दिया। उन्होंने कहा- बहुत सह लिया, अब न सहेंगे, हिंदू हक अब लेके रहेंगे। अब हम बटेंगे नहीं और कटेंगे नहीं और जो हमें काटना चाहेंगे उसे देख लेंगे। देवकीनंदन ठाकुर ने कहा- जिंदगी जब तक रहेगी फुर्सत न मिलेगी काम से, कुछ समय निकालिए, जिसमें प्रेम करिए राम से। वहीं जैन मुनि श्री लोकेश मुनि महाराज ने कहा कि सनातन धर्म बोर्ड का गठन देश की जरूरत है। जैन समाज सनातनियों के साथ तन, मन, धन व हर रूप से खड़ा मिलेगा। अहिंसा को कमजोर न समझा जाए।

संतों ने भी भरी हुंकार

जब लोग संतों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलेंगे तो तत्काल ही सनातन धर्म बोर्ड का गठन होगा। वर्तमान में हमारे संस्कारों और विचारों की सरकार है। देवकीनंदन ठाकुर महाराज के नेतृत्व में जल्द ही गठन का बोर्ड होने की मांग करते हैं।

– हनुमानगढ़ी से राजू दास महाराज

राष्ट्र बचाने की जिम्मेदारी अब लोगों की है। लोगों को जागना होगा। सनातनियों के लिए अपने सदस्यों की, स्वयं की, परिवार की, राष्ट्र की रक्षा प्राथमिकता है। शास्त्रों और शस्त्रों का साथ बनाकर चलना होगा।

– पंडित प्रदीप मिश्रा, कथावाचक

सनातनियों को दूसरे समुदाय के बजाय विपक्षी नेताओं से अधिक खतरा है। अबकी बार अपने मत का प्रयोग कर ऐसी सत्ता लाएं कि जो हमें काटे, हम उसे काटकर देश से बाहर कर दें। वैसे न हम किसी को काटते हैं न ही डांटते हैं, लेकिन हमें बांटने वाले और काटने वालों को हम छोड़ेंगे नहीं।

– गोविंद देव गिरी महाराज

हिन्दू राष्ट्र, हिंदू धर्म के जयकारों से संबोधन शुरू। वक्फ बोर्ड ऐसा बोर्ड है, जिसकी भारत की भूमि से कोई लेना देना नहीं है। यह बोर्ड पूरा असंवैधानिक है। सनातन बोर्ड होगा, लेकिन वक्फ बोर्ड का नामोनिशान नहीं होगा। सनातन बोर्ड के गठन से कोई का माई का लाल नहीं रोक सकता है। यदि समय से होगा तो बढ़िया है, अन्यथा साम, दाम, दंड, भेद की नीति अपनानी होगी।

– साध्वी सरस्वती

हमारा नारा- सबका साथ सबका विकास और एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे

बंटेंगे तो कटेंगे से डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने किया किनारा, बोले

एजेंसी ■ कानपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कानपुर की सभा में एक बार फिर बंटोगे तो कटोगे का नारा दोहराया। वहीं मंझवा उपचुनाव के प्रचार के बाद एक खास बातचीत के दौरान डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने कहा कि वह मुख्यमंत्री के बंटेंगे तो कटेंगे बयान पर अपनी कोई टिप्पणी नहीं करना चाहते। मौर्य ने कहा कि वह नहीं जानते कि मुख्यमंत्री ने यह बात किस संदर्भ में कही है, इसलिए वह कोई टिप्पणी नहीं करेंगे, लेकिन नारा जो पीएम मोदी ने दिया है- सबका साथ सबका विकास और एक है तो सेफ है.. यही नारा हमारा नारा है। केशव मौर्य ने कहा मुख्यमंत्री ने जो बात कही है उन्होंने कुछ सोचकर कहा होगा। किस संदर्भ में उन्होंने बातें कही है यह मैं नहीं जानता, लेकिन मेरा इस पर कोई टिप्पणी करना ठीक नहीं है।

नारे से खुद को किया अलग

साफ तौर पर केशव मौर्य ने बंटोगे तो कटोगे के नारे पर खुद को मुख्यमंत्री योगी की लाइन से अलग कर लिया। झांसी अस्पताल में बच्चों की मौत को अत्यंत दुखद बताते हुए केशव मौर्य ने कहा कि इस घटना ने अंदर तक मर्माहत कर दिया है, लेकिन अगर इस मामले में कोई लापरवाही या गलती पाई गई तो सरकार किसी को बक्शने नहीं जा रही बहुत कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

आयोग मानेगा छात्रों की मांग

यूपीपीसीएस और आरो-एआरओ की परीक्षा कॉल लेकर मचे बवाल के बाद केशव मौर्य ने कहा कि सरकार की मंशा कभी छात्रों के नुकसान की नहीं थी। यूपीपीएसी एससी के छात्रों की मांगों को मान लिया गया है। उनका समाधान कर लिया गया है। जल्द ही अब आरो-एआरओ के परीक्षार्थियों की मांगे भी मान ली जाएगी।

आतंकी हमले की धमकी के बाद अभेद्य किले में बदली प्रभु की अयोध्या नगरी

चप्पे-चप्पे पर सुरक्षाबलों की कड़ी नजर, किया गया रुट मार्च

एजेंसी ■ अयोध्या

यूपी के अयोध्या स्थित राम मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी के बाद यहां पहरा कड़ा कर दिया गया है। इसको लेकर रामनगरी की सुरक्षा सख्त की गई है। अयोध्या अभेद्य किले में बदल गई है। खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की ओर से 16 नवंबर को हमले की धमकी दी गई थी। अयोध्या के प्रवेश द्वारों पर सुरक्षा घेरा सख्त कर दिया गया है। एसपी सुरक्षा बलरामाचारी दुबे के साथ एटीएस, सीआरपीएफ, पीएसी के जवानों ने रूट मार्च कर लोगों को सुरक्षा के प्रति आश्वस्त किया। अयोध्या के प्रवेश द्वार से लेकर राम जन्मभूमि परिसर तक रुट मार्च किया गया। रामनगरी के सभी प्रवेश द्वारों पर सीसीटीवी से निगरानी की जा रही है। सभी बैरियरों पर सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं। रामनगरी में प्रवेश करने वाले सभी वाहनों की तलाशी हो रही है। बम स्क्वायड, डॉग स्क्वायड और एटीएस के साथ खुफिया एजेंसी भी अलर्ट पर हैं।

योगी की सभा में बुलडोजर पर बैठकर पहुंचे कार्यकर्ता

प्रयागराज। फूलपुर विधानसभा क्षेत्र के सहसों में शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सभा हुई। सभा में बुलडोजर आकर्षण का केंद्र बना रहा। बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता बुलडोजर पर सवार होकर सभा स्थल पर पहुंचे।

बुलडोजर बाबा जिंदाबाद के नारे लगाते हुए कार्यकर्ता जब बुलडोजर से पहुंचे तो उन्हें देखने वालों की भीड़ लग गई। योगी आदित्यनाथ ने भाजपा प्रत्याशी दीपक पटेल के समर्थन में पहुंचे थे। नगर निगम वार्ड नंबर 25 के पार्षद सियाराम मौर्या ने बताया कि उनके वार्ड में यह जनसभा हो रही है और पहली बार सीएम योगी उनके वार्ड में आए हैं।

राज्यपाल ने रेडक्रॉस सोसायटी का उत्कृष्ट सेवा सम्मान-2023 से दो आईएएस अधिकारियों को किया सम्मानित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं अध्यक्ष इण्डियन रेडक्रॉस सोसायटी, उत्तर प्रदेश श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने शनिवार को राजभवन में उत्कृष्ट सामाजिक कार्यों एवं समाजहित में दिये गये व्यापक योगदान के प्रति रेडक्रॉस सोसायटी का उत्कृष्ट सेवा सम्मान-2023 से दो अधिकारियों रविंद्र कुमार आई.ए.एस एवं मंगलाप्रसाद सिंह आई.ए.एस को सम्मानित किया।

शिक्षा अब सर्टिफिकेट कोर्स के लिए एंट्रेंस से दाखिला, अभी तारीख नहीं की गई घोषित, कक्षाएं शाम को चलेंगी

12वीं पास कर सकेंगे एक साल के सांख्यिकी कोर्स में आवेदन

एजेंसी ■ वाराणसी

बीएचयू में सांख्यिकी पद्धति पर एक साल के सर्टिफिकेट कोर्स में आवेदन शुरू हो गया है। वेबसाइट पर आवेदन फॉर्म जारी हो गया है। आवेदन की अंतिम तिथि 5 दिसंबर है। बीएचयू के सांख्यिकी विभाग में फॉर्म जमा होंगे। एडमिशन एंट्रेंस के माध्यम से होगा इसकी तारीख अभी घोषित नहीं की गई है। कक्षाएं शाम में चलेंगी। आवेदन करने के लिए 12वीं पास या इसके बराबर की योग्यता चाहिए। हालांकि, अभी तक सिर्फ जेआरएफ और एसआरएफ ही एडमिशन के लिए योग्य होते थे। इस कोर्स में बीएचयू के यूजी और पीजी के छात्रों के साथ ही संबद्ध कॉलेजों के सदस्य और विशेष अनुमति के साथ बाहरी और विदेशी छात्र भी आवेदन कर सकते हैं। बीएचयू की वेवसाइट पर दी गई जानकारी के अनुसार, कुल 67 सीटों पर प्रवेश होगा। सामान्य वर्ग की 38, ओबीसी की 21, एससी की 12 और एसटी की 6 सीटें हैं। इसमें बीएचयू के छात्र, कर्मचारी, शिक्षक सहित संबद्ध कॉलेजों और बाहरी नौकरीपेशा भी प्रवेश ले सकते हैं। बीएचयू में खर्च नहीं हुआ पैसा अब बैंक में होगा जमा बीएचयू अपने अतिरिक्त धन को बैंकों में जमा करेगा। वेबसाइट पर एक नोटिस जारी कर जानकारी दी गई है कि दो से 25 करोड़ रुपए तक अलग-अलग दिनों के लिए ब्याज दर के वारे में पूछा गया है। कुलसचिव कार्यालय के पत्र में कहा गया है कि बीएचयू अपने अधिशेष धन जो भविष्य में खर्च नहीं कर पाएगा, उसे अलग-अलग अवधि के लिए जमा करेगा। 15 दिन से लेकर अधिकतम तीन साल तक की अवधि का जिक्र है। इधर, बीएचयू में विदेशी छात्रों की पढ़ाई महंगी हो गई है। पीएचडी की फीस में 110 प्रतिशत तक इजाफा किया गया है। यूजी और पीजी कोर्स में 75 प्रतिशत तक फीस बढ़ा दी गई है। यूजी, पीजी और पीएचडी से लेकर सर्टिफिकेट तक शुल्क बढ़ाया गया है। डॉक्टर ऑफ मेडिसिन (एमडी) और मास्टर ऑफ सर्जरी (एमएस) कोर्स में पौने दो लाख तक फीस बढ़ाई गई है। एमबीए में ढाई लाख से सवा चार लाख तक फीस वृद्धि हुई है।

कठिन-बड़े डेटा को बनाएंगे आसान

इस कोर्स को करने के बाद कठिन और बड़े-बड़े डेटा को टेक्ल, ग्राफ, हिस्टोग्राम और रेखाचित्रों के माध्यम से आसान बना सकते हैं। रैंडम सैंपलिंग और आंकड़ों को जुटाने का भी तरीका आसान हो जाएगा। सिलेबस को दो सेक्शन में बांटा गया है। इसमें 100 अंकों का एक थ्योरी और दूसरे में 100 नंबर का ही प्रैक्टिकल पेपर होगा। एंट्रेंस टेस्ट एक घंटे का होगा। 270 अंक के 90 बहुविकल्पीय सवाल पूछे जाएंगे। सामान्य ज्ञान, मानसिक क्षमता, हाईस्कूल स्तर के गणित के 30-30 सवाल होंगे। हर सवाल के सही उत्तर देने पर तीन नंबर मिलेंगे, वहीं गलत पर एक नंबर काट लिया जाएगा।

गोरखपुर एम्स के पूर्व कार्यकारी निदेशक को कैट से भी झटका

भारी पड़ा पुत्र मोह! सीट पिछड़ी जाति के निम्न आय वर्ग के लिए थी आरक्षित

एजेंसी ■ गोरखपुर

कार्यकारी निदेशक पद पर रहते हुए बेटे को गलत जाति प्रमाणपत्र के आधार पर एमडी में एडमिशन देने के मामले में हटाए गए डॉ. जीके पाल को कैट से भी राहत नहीं मिली। सुनवाई के दौरान पाल के वकील ने यह तर्क रखा कि बेटे की गलती की सजा पिता को नहीं दी जा सकती। लेकिन ट्रिब्यूनल इस तर्क से सहमत नहीं हुआ। अगली सुनवाई सात जनवरी को होगी। केस से संबंधित पक्षों को चार सप्ताह में अपना पक्ष पेश करना होगा। डॉ. जीके पाल की तरफ से प्रस्तुत अधिवक्ता ने ट्रिब्यूनल के सदस्यों कुमार राजेश चंद्र और राजवीर सिंह वर्मा के सामने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि एम्स में निदेशक का पद भी सरकारी सेवा के अधीन नहीं है। कार्यकारी निदेशक पर आरोप है कि उन्होंने अपने बेटे डॉ. औरव पाल को एम्स गोरखपुर के माइक्रोबायोलॉजी विभाग में एमडी की पढ़ाई के लिए रिक्त सीट पर दाखिला दिलाया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक गोपाल श्रीवास्तव, द्वारा मेसर्स डीबी कॉर्प लिमिटेड प्लॉट नं.36 इंडस्ट्रियल एरिया चनाटोरिया सागर (म.प्र.) से मुद्रित एवं तिरुपतिपुरम, अशोक विहार कॉलोनी के पीछे तीली वार्ड सागर, से प्रकाशित। स्थानीय संपादक-संजय कुमार गुप्ता*, मोबाईल न. 9424880832
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा। मोबाईल न. 9893126900, 9826384845, ई मेल- sattasudharbpl@gmail.com समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। 0755-4002626, 4939910